फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 331 प्रभात जयपुर, सोमवार 3 जुलाई , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

General Arun S Vaidya, MVC**

Brigadier Vaidya undertook the crossing through the minefield. He personally moved forward, disregarding personal safety.

Dog Dementia

J'ADORE: Rain Shouldn't Stop Your Style

Seasonal styling with trendy raincoats, rain boots & umbrellas.

हमारे प्राकृतिक जगत में हो रही हर घटना के लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है, इंग्लैंड में लुप्त मान ली गई एक तितली का नज़र आना इसका एक अनुपम उदाहरण है। काली शिराओं वाली सफेद तितली यू.के. के प्रधानमंत्री रहे विन्स्टन चर्चिल को बेहद प्रिय थी और किसी समय बिटिश द्वीपों में यह बेहद आम थी। पर विशेषज्ञों के अनुसार, 1925 के बाद से यह नहीं दिखी है। इस माह के आरंभ में, प्रकृति प्रेमियों ने साउथ ईस्ट लंदन के बगीचों में इसे देखा। इस खबर से प्रकृति प्रेमी और वैज्ञानिक रोमांचित हैं, लेकिन कुछ संरक्षणविदों ने घोषणा की है कि, यह बहुत खुश होने वाली बात नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि, इसका सम्बंध जलवायु परिवर्तन से हो सकता है। यह धारणा इस तथ्य पर आधारित हैं कि, यू.के. के बाहर गर्म इलाकों में, खासकर यूरोप के मेनलैंड और उत्तरी अफ्रीका में, अभी भी ये तितलियाँ भारी संख्या में मौजूद हैं। प्रकृति विशेषज्ञ सोच रहे हैं, क्या इस तितली के नज़र आने का कारण गर्म मौसम है। लेकिन इस तितली का नज़र आना किसी और नुकसानदेह घटना का परिणाम हो सकता है। यू.के. के एक संगठन, ''बटर फ्लाई कंज़र्वेशन'' ने बताया कि, तितलियों को अनाधिकृत रुप से छोड़ा गया है और अब इस बात की संभावना बहुत कम है कि, प्रजनन के लिए ये प्राकृतिक वातावरण में सरवाइव कर पाएंगी। संगठन ने कहा कि, अनाधिकृत रुप से इन्हें छोड़ना वर्तमान संरक्षण प्रयासों के लिए बाधा है। इस तरह की घटनाओं से, इस प्रजाति के प्राकृतिक आवास और रुझान का सही रिकॉर्ड तैयार करने में रुकावट आती है। पूर्व में भी इसी प्रकार लुप्त मान ली गई प्रजातियों की अनियमित रिलीज़ से अच्छे नतीजे नहीं मिले थे। इन तितलियों के पंखों का फैलाव 7 सैंटी मीटर तक होता है। मादा के पंख ज्यादा पारदर्शी होते हैं, क्योंकि वो अपने पंखों को एक दूसरे से रगड़ती हैं और इस प्रक्रिया में शल्क हट जाते हैं। यह प्रवृति नर में नहीं पाई जाती है। इस प्रजाति को सबसे पहले 1967 में ब्रिटिश प्रजाति के रुप में लिस्ट किया गया था। जैसे इनका आगमन रहस्य है, वैसे ही इसकी विलुप्ति भी एक रहस्य थी, क्योंकि जिन पौधों पर भोजन के लिए ये आश्रित होती हैं वो तो उनके पूर्व आवासों में आज भी फल-फूल रहे हैं।

शरद पवार को झटका, अजित पवार 29 विधायकों के साथ एन.डी.ए. का हिस्सा बने

अजित पवार ने महाराष्ट्र के उप मु.मंत्री पद की शपथ ली उनके साथ 7 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद ग्रहण किया

- **एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने तंज कसते हुये कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे कहा था कि, एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने तब एन.सी.पी. में भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया था। मुझे खुशी है कि, मेरे कुछ साथियों ने आज मंत्री पद की शपथ ली है। महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि, वे सभी अब आरोप मुक्त हो गए हैं।**
- **शरद पवार ने कहा कि, मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे। लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र की सियासत में रविवार को एक बार फिर बड़ा सियासी ड्रामा देखने को मिला। एन.सी.पी. नेता अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी तोड़ दी और 29 विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए। दोपहर ढाई बजे के करीब अजित पवार ने मंत्री पद की शपथ ली। वे उपमुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल हुए। उनके साथ छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल, हसन मुश्रीफ, रामराजे निंबालकर, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, संजय बनसोडे और अनिल भाईदास पाटिल ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) ने एकनाथ शिंदे सरकार में अजित पवार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शामिल होने के बाद रविवार को पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड को महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया।

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने एक ट्वीट में अजित पवार के एन.सी.पी. के अन्य नेताओं के साथ शपथ ग्रहण का जिक्र करते हुए कटाक्ष किया, मुझे लगता है कि इसी लोकतंत्र की जननी के बारे में मोदी अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में बात कर रहे थे। मोदी ने पिछले महीने अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में कहा था लोकतांत्रिक भावना के विकास में भारत लोकतंत्र की जननी है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज शपथ ली है। उनका सरकार (महाराष्ट्र) में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैंने 6 जुलाई को सभी नेताओं की एक बैठक बुलाई थी जहां कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी और पार्टी के भीतर कुछ बदलाव किए जाने थे, लेकिन उससे पहले ही कुछ नेताओं ने अलग रुख अपनाया है।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मुझे बहुत से लोगों से फोन आ रहे हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों ने मुझे फोन किया है। आज जो कुछ भी हुआ मुझे उसकी चिंता नहीं है। कल मैं वाई.बी. चव्हाण (महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) का आशीर्वाद लूंगा और एक सार्वजनिक बैठक करूंगा।

महाराष्ट्र के सियासी ड्रामा पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, "अजीत पवार काफी समय से नाराज़ चल रहे थे। वे चाहते थे कि भाजपा के साथ उनका गठबंधन होना चाहिए। लेकिन शरद पवार नहीं चाहते थे। यह बेहद बड़ा परिवर्तन है और महा विकास अघाड़ी को धक्का लगा है।"

मोदी की यात्रा से पहले फ्रांस ने आगे बढ़कर भारत को बड़ा ऑफर दिया

अमेरिका की काट करते हुये फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए एडवांस ''जी.ई.-414 इंजन'' देने की पेशकश की है तथा इनका निमार्ण भी ''मेड इन इंडिया'' प्रोग्राम के तहत कराने के लिए तैयार है

- **फ्रांस की प्रमुख कंपनी सफरान ने भारत में लड़ाकू विमानों के अत्याधुनिक इंजन निर्माण के लिए यूनिट शुरु करने की पेशकश की है।**
- **यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने दो दिवसीय दौरे पर फ्रांस की राजधानी पेरिस जा रहे हैं। मोदी के पैरिस पहुँचने से पहले ही खुद आगे बढ़कर फ्रांस ने भारत को लड़ाकू विमानों के लिए जी.ई.-414 इंजन देने की पेशकश की है। गौरतलब है कि, भारत अमेरिका के साथ इसी प्रकार की एक अन्य डील करने के प्रयास में है लेकिन फ्रांस ने अमेरिका के साथ हुए सौदे से कई कदम आगे की पेशकश की है। इमैनुएल मैक्रॉन सरकार ने भारत के साथ मिलकर लड़ाकू विमानों के इंजन को संयुक्त रूप से डिजाइन, विकसित, परीक्षण, निर्माण और अंततः प्रमाणित करने का प्रस्ताव भारत को दिया है। भारत के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक फ्रांस की मैक्रॉन सरकार ने इसकी हरी झंडी दे दी है।

मामले से परिचित लोगों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। यह ऑफर भारतीय विमानवाहक पोतों के लिए ट्विन इंजन-एडवांस मल्टी रोल्ड कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए.एम.आर.ए.) और जुड़वां इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान (ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर प्लेन्स) को शक्ति प्रदान करेगा।

फिलहाल सरकार की तरफ से इस सौदे के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि फ्रांसीसी की कंपनी सफरान द्वारा प्रस्तावित प्रौद्योगिकी का 100 हस्तांतरण यू.एस. इंटरनेशनल ट्रेड इन आर्म्स रेगुलेशन से मुक्त है और इस डील के तहत प्रस्तावित 110 किलो न्यूटन पावर वाला यह इंजन पूरी तरह से ''मेड इन इंडिया'' होगा।

डी.आर.डी.ओ. प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने हाल ही में संपन्न 2023

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा की वॉशिंग मशीन'

- **जयराम रमेश ने कहा कि, कल तक दागी और भ्रष्ट रहे एन.सी.पी. के नेता भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ-सुथरे हो जायेंगे।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में रविवार को अचानक से बदले सियासी घटनाक्रम पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया और बीजेपी पर करारा तंज कसा। रमेश ने कहा कि स्पष्ट रूप से भाजपा की वॉशिंग मशीन ने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुए कई नए सदस्यों पर आज ई.डी., सी.बी.आई. और आयकर अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। अब इन सभी को क्लीन चिट मिल गई है। महाराष्ट्र को बीजेपी के चंगुल से मुक्त कराने के लिए कांग्रेस अपनी कोशिशें तेज करेगी।

अपनं भतीजे अजित पवार की बगावत पर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजित पवार ने एन.सी.पी. के सिंबल पर दावा ठोका

- **अजित पवार ने कहा कि, मैं एन.सी.पी. के सिंबल पर ही अगला चुनाव लड़ूंगा**
- **अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि, पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है।**
- **वहीं एन.सी.पी. के दिग्गज नेता छगन भुजबल ने कहा कि, पार्टी में कोई फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है।**

मुंबई, 2 जुलाई। महाराष्ट्र में नए डिप्टी सी.एम. के रूप में पद की शपथ लेने के बाद अजित पवार ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होगा और इसमें कुछ और मंत्री शामिल होंगे। साथ ही अजित पवार ने यह भी कहा कि वह एन.सी.पी. के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का नाम भी मेरे साथ ही रहेगा। इस तरह से अजित पवार ने चाचा शरद पवार को सीधे चुनौती दी है। वहीं, छगन भुजबल ने कहा कि पार्टी में फूट नहीं है। हमने एन.सी.पी. के रूप में ही शिंदे सरकार को समर्थन दिया है। अजित पवार ने इस मौके पर स्पष्ट कहा कि पार्टी के सभी विधायक और सभी नेता उनके साथ हैं। अजित पवार ने यह भी कहा कि उन्होंने शरद पवार से फोन पर बात की है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास शरद पवार का आर्शीवाद है, तो उन्होने कहा कि सभी का मतलब सभी।

अजित पवार ने कहा कि पी.एम. मोदी देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगा कि हमें भी इसमें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की बात करें तो कहीं लेफ्ट बनाम ममता तो दिल्ली में कांग्रेस बनाम आप चल रहा है। ऐसे में विपक्षी एकता से कुछ बात बनने वाली है। पी.एम. मोदी के खिलाफ विपक्ष बिखरा हुआ है। इसलिए हमने सरकार के साथ जाने का फैसला किया। शिंदे सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध, इसलिए हमने विकास के साथ जाने का फैसला किया। कई लोग अलग-अलग तरह की टिप्पणी करेंगे, इस पर हमें ध्यान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. में नए लोगों को मौका मिलेगा। नागालैंड में भी एन.सी.पी. भाजपा सरकार के साथ गई थी। वहां पर भी विकास पर फोकस किया गया था।

प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद एक अन्य प्रमुख एन.सी.पी. नेता छगन भुजबल ने कहा कि वह अजित पवार की बातों से पूरी तरह से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि हमने एन.सी.पी. छोड़ी नहीं, बल्कि एन.सी.पी. के साथ हैं। भुजबल ने कहा कि हमने पी.एम. मोदी की आलोचना की, लेकिन सच यह है कि देश उनके हाथों में सुरक्षित है। ओ.बी.सी. से जुड़े कई मामलों को केंद्र की सहायता से हल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में 29 लोगों को गोली मारी गई

- **अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी।**

वाशिंगटन, 2 जुलाई (वार्ता)। अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर शहर में गोलीबारी में कई लोग मारे गए जबकि 29 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने रविवार को दी। खबरों के अनुसार, यह घटना ब्रुकलिन होम्स इलाके में एक सभा के दौरान हुई।

फॉक्स न्यूज ने पुलिस के हवाले से कहा कि घायल लोगों में से 19 खुद ही अस्पताल में भर्ती हुए जबकि 10 अन्य घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोलीबारी में मरने वालों की संख्या चार है हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

कांटों से सजा ताज है पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद?

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति से परेशान होकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि वे, अपने कार्यकाल के अंत में प्र.मंत्री का पद छोड़ देंगे

- **गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री होने के नाते शहबाज शरीफ को अपने देश के गम्भी आर्थिक हालात से निपटने के लिए देश-दुनिया में जगह-जगह कर्ज की तलाश में भटकना पड़ रहा है। शायद, इसी बात से प्र.मंत्री शहबाज शरीफ अब उकता चुके हैं।**
- **लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि, अगले चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।**

इस्लामाबाद, 2 जुलाई। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से शहबाज शरीफ उकता गए हैं। प्रधानमंत्री के होने के नाते यह पद उनके लिए एक कांटों भरा ताज जैसा हो गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ऐलान किया है कि वह अपने कार्यकाल के अंत में सरकार छोड़ देंगे। लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाहबाज शरीफ ने साफ संदेश में कहा कि चुनाव की घोषणा करना और कराना चुनाव आयोग का काम है, संविधान के मुताबिक यह काम चुनाव आयोग को करना है।

उन्होंने कहा कि अगर चुनाव में किसी और को मौका मौका मिलेगा तो हम पूरा सहयोग करेंगे, अगर हम तुम और मैं को छोड़कर हम नहीं बनेंगे तो पाकिस्तान का विकास नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आई.एम.एफ. के साथ समझौते से रातों-रात महंगाई कम नहीं होगी, महंगाई को नकारना खुद के साथ एक धोखा है। शाहबाज शरीफ ने कहा कि सीनेट के चेयरमैन ने खुद कहा है कि वह प्रोत्साहन बढ़ाने वाले बिल को वापस ले लेंगे, आई.एम.एफ. का कार्यक्रम अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए घी या मिठाई नहीं है।

गले तक कर्ज में डूबा पाकिस्तान लगातार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए भीख का कटोरा लेकर आई.एम.एफ. के दरवाजे पर पहुंचा था। 6.5 अरब डॉलर के कर्ज की पेशकश करने वाले पाकिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने 3 अरब का कर्ज मिला है। पाकिस्तान को इस कर्ज की काफी वक्त से दरकार थी। पाकिस्तान के पी.एम. शहबाज शरीफ ने कर्ज पाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा दिया था।

पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की बात करें तो महंगाई चरम पर पहुंच गई है। वहां आटा चावल का दाम आसमान छू रहा है। स्थिति ऐसी है एयरलाइन्स को भी चलाने के लिए पड़ोसी के पास पैसे कम पड़ रहे हैं। अपना खर्च चलाने के लिए पाकिस्तान ने अपने काबिल दोस्त - चीन, सऊदी अरब और यू.ए.ई. से कर्ज ले चुका है। ऐसे में आई.एम.एफ. से भी पाकिस्तान ने कर्ज ले लिया।

मुश्किल हालात से गुजर रही पाकिस्तान की इकॉनमी लगातार गर्त में जा रही है। पाकिस्तान वित्तीय सहायता लेकर खुद को डिफॉल्ट होने से बचाने की कोशिश कर रहा है। वहीं शहबाज शरीफ को इस बात की आशा है कि पाकिस्तान को अब और कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'जे.एन.यू. में ''72 हूरें'' की स्क्रीनिंग

- **टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म ''72 हूरें'' की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में चार जुलाई को जायेगी।**

नई दिल्ली , 2 जुलाई (वार्ता)। टीजर लांच से ही विवादों के बीच रही फिल्म 72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.) में चार जुलाई को जायेगी।

फिल्म के निर्माता ने जे.एन.यू. में 72 हूरें की विशेष स्क्रीनिंग के बारे में कहा, यह कश्मीरी मुसलमानों और अन्य छात्रों के लिए एक फिल्म के प्रति अपने विचार और प्रतिक्रिया व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण क्षण प्रस्तुत करता है जो आतंकवादी शिविरों की भयानक वास्तविकता को उजागर करता है। इससे पहले, फिल्म के निर्देशक संजय पूरन सिंह चौहान ने टिप्पणी की थी, अपराधियों द्वारा दिमाग में धीमी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जीवन का रहस्य भोग में स्थित नहीं है, यह केवल अनुभव द्वारा निरंतर सीखने से ही प्राप्त होता है। –विवेकानंद

क्या करें, समय ही नहीं मिलता है!

क्या करें, समय ही नहीं मिलता है – यह एक ऐसा वाक्य है जिसे आप दिन में कई बार कई-कई लोगों से सुनते हैं। पहली ही बार में यह स्पष्ट कर दूं कि यह वाक्य जस-का-तस नहीं होता। कहा जाता है– 'क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता है'। मैंने अपनी आदत के चलते टाइम को समय कर दिया है। बात एक ही है। अभी दो दिन पहले एक संस्थान में भाषा की महत्ता पर भाषण देने के लिए जाने का मौका मिला। मैंने अन्य बातों के अलावा इस बात पर भी ज़ोर दिया कि अपनी भाषा सुधारने का एक तरीका यह भी है कि खूब पढ़ा जाए! बाद में चर्चा के दौरान जब मैंने उपस्थित सम्भागियों से यह जानना चाहा कि क्या वे अपनी फुर्सत के समय में कुछ पढ़ते हैं, तो उन सबका एक ही जवाब था। वह जवाब, जो इस लेख का शीर्षक है। यह तो गनीमत है। ये लोग नौकरी पेशा, घर-बारी लोग थे। इनके पास एक पक्की सरकारी नौकरी थी। हद्द तो तब हुई जब एक नौकरी, वह भी शिक्षक की नौकरी, बड़ी नौकरी, के लिए साक्षात्कार लेते हुए मैंने नौकरी चाहने वालों से यह पूछा कि उन्होंने हाल में क्या नया पढ़ा है, तो उनमें से करीब-करीब सभी का यही जवाब था, कि क्या करें, टाइम ही नहीं मिलता है! और मैं सोचने लगा था कि अगर अभी जब इन्हें नौकरी की ज़रूरत है, तब इन्हें पढ़ने का टाइम नहीं मिल रहा है, तो जब नौकरी मिल जाएगी, तब क्या इन्हें, इन्हीं के शब्दों में, पढ़ने का टाइम मिलेगा? तब तो नौकरी ही इनका बहुत सारा समय खा जाएगी, फिर घर-परिवार की बहुत सारी ज़िम्मेदारियां भी होंगी। तो क्या यह मान लें कि जो लोग पढ़ाने के काम में लगेंगे, वे पढ़ने के लिए कोई समय तब भी नहीं निकाल सकेंगे, अभी तो नहीं ही निकाल सक रहे हैं! और जो नहीं पढ़ रहे हैं, वे क्या और कैसा पढ़ाएंगे, यह सहज ही सोचा जाना जा सकता है!

बात केवल पढ़ने की ही नहीं है। अगर आप अपने किसी जान पहचान वाले से उसके स्वास्थ्य के बारे में बात करें और अगर उपयुक्त लगे तो किसी तरह के व्यायाम, योग वगैरह में संलग्न होने की सलाह दें तो तब भी जवाब यही होगा – "मन तो बहुत करता है,लेकिन क्या करें, समय ही नहीं मिलता है!" अगर आप किसी से उसकी हॉबी के बारे में बात करें तो भी बहुत सम्भावना यही है कि वह आपसे कहे, मन तो बहुत करता है, लेकिन क्या करें, समय ही नहीं मिलता है! मतलब यह कि हमारा मन तो बहुत सारी बातों के लिए करता है, लेकिन हम अपने मन की कर नहीं पाते हैं। और न कर पाने का एकमात्र कारण होता है – समय नहीं मिलता है!।

कई बार संकट समय का न होकर संसाधन का भी होता है। जो लोग पढ़ना चाहते हैं उनका यह भी कहना होता है कि किताबें बहुत महंगी हैं, पत्रिकाएं मिलती नहीं है, वगैरह। जब मैं उनकी कही बात पर विचार करता हूं तो अनायास ही मेरा ध्यान भटक कर इधर उधर भी चला जाता है। जो लोग किताबों के महंगी होने की बात करते हैं, मैं पाता हूं कि उनमें से कई ने बहुत महंगे, ब्राण्डेड कपड़े, खूब महंगे जूते पहन रखे हैं। थोड़ी देर पहले वे यह भी बता रहे थे कि दो दिन पहले अमुक रेस्तरां में, जो मेरी जानकारी के अनुसार बहुत महंगा है, भोजन करके आए हैं, आदि। और जब ध्यान इन बातों की तरफ जाता है तो मैं सोचता हूं कि ऐसा क्यों है कि इन्हें केवल किताबें ही महंगी लगती हैं, किसी मल्टीप्लेक्स में फ़िल्म देखना या हवाई जहाज में यात्रा करना महंगा नहीं लगता है! इसी तरह जब कोई यह कहता है कि पत्रिकाएं नहीं मिलती हैं तो मेरा ध्यान इस बात पर जाए बिना नहीं रहता है कि वे अपनी ज़रूरत की बहुत सारी चीज़ें ऑनलाइन भी मंगवाते हैं। क्या वे अपनी पसंद की कोई पत्रिका डाक से नहीं मंगवा सकते? और जिनके लिए किसी भी वजह से यह भी मुमकिन न हो वे क्यों न ऑनलाइन कोई किताब या पत्रिका पढ़ सकते हैं? वे सोशल मीडिया पर बहुत सारा समय बिताते हैं, हर सुबह पचास लोगों को ग़ुडमॉर्निंग का संदेश और दो सौ लोगों को भगवान की तस्वीरें भेजते हैं, दिन भर वॉट्सएप पर आए संदेशों को इधर से उधर भेजते हैं अर्थात फॉरवर्ड करते हैं। निश्चय ही उन्हें खुद भी पढ़ते ही होंगे। क्या इस सब में समय नहीं लगता है? तो फिर ये ऑनलाइन कुछ अच्छा क्यों नहीं पढ़ सकते?

> **यह बहुत स्पष्ट है कि जो लोग पढ़ने के सवाल पर समय न होने की बात करते हैं, असल में पढ़ना उनका मनपसंद काम नहीं है। लेकिन ऐसा कहते उनको संकोच होता है इसलिए वे समय न होने का रेडीमेड बहाना हमारे सामने रख देते हैं। यही बात चीज़ों के महंगा और सस्ता होने के बारे में भी है।**

बात बहुत स्पष्ट है। समय न होना महज़ एक बहाना है। एकदम झूठा बहाना! असल में यह हमारी प्राथमिकता में है ही नहीं। हम पढ़ना चाहते ही नहीं हैं। और बहुत मज़े की बात यह कि हम जो खुद कभी किताब को हाथ नहीं लगाते, नई पीढ़ी को गरियाते रहते हैं कि उसका किताबों से रिश्ता ख़त्म हो गया है और वह स्क्रीन पर ही सारा समय गुज़ार देती है। ऐसा कहने वाले मां-बाप ज़रा आत्म निरीक्षण करें और यह देखें कि खुद वे कितनी किताबें पढ़ते हैं, खुद वे कितनी किताबें या पत्रिकाएं खरीदते हैं, खुद वे चौबीस घण्टों में से कितना समय अपने बच्चों से किताबों या लेखन या विचारों की चर्चा में व्यतीत करते हैं? इस सारे सवालों का जवाब उनकी तरफ से मैं ही दे देता हूं – समय ही नहीं मिलता है!

जहां तक समय के मिलने न मिलने की बात है, मैं जहां चाह वहां राह वाली बात को याद कर लेना चाहता हूं। अगर आप चाहें तो चौबीस घण्टों में से कुछ समय अपने मनपसंद काम के लिए निकाल ही सकते हैं, बल्कि कहूं कि निकाल ही लेते हैं। इसलिए यह बहुत स्पष्ट है कि जो लोग पढ़ने के सवाल पर समय न होने की बात करते हैं, असल में पढ़ना उनका मनपसंद काम नहीं है। लेकिन ऐसा कहते उनको संकोच होता है इसलिए वे समय न होने का रेडीमेड बहाना हमारे सामने रख देते हैं। यही बात चीज़ों के महंगा और सस्ता होने के बारे में भी है। अगर आपकी तमन्ना होती है तो आप जैसे-तैसे करके, अन्य खर्चों में कटौती करके भी महंगी चीज़ खरीद ही लेते हैं, लेकिन अगर आपकी रुचि नहीं होती है लेकिन यह कहते आपको लाज लगती है तो आप चीज़ विशेष के महंगा होने का सम्मानजनक बहाना कर देते हैं।

मैं जब अपने शिक्षक मित्रों से यह सुनता हूं कि उन्हें कुछ पढ़ने का समय नहीं मिलता है या उन्हें पाठ्य सामग्री नहीं मिलती है, तो मुझे बहुत बुरा लगता है। अगर शिक्षक के पास भी पढ़ने का समय नहीं है तो औरों से उम्मीद ही क्या की जाए? वैसे भी शिक्षा का काम अन्य कामों से इस मामले में बेहतर और भिन्न है कि यहां काम का दबाव अपेक्षाकृत कम होता है और इस कम दबाव से बचे समय और शक्ति का उपयोग बहुत सहजता से पढ़ने में किया जा सकता है। शैक्षिक संस्थाओं में जैसी-तैसी ही सही लाइब्रेरी भी होती है और किताबें-पत्रिकाएं खरीदने का कुछ न कुछ बजट भी होता है। और थोड़ी देर के लिए मान लें कि ऐसा कुछ भी नहीं होता है, तो भी शिक्षकों को वेतन तो मिलता ही है। क्या उस वेतन में से वे एक अंश अपनी बौद्धिक भूख को मिटाने के लिए खर्च नहीं कर सकते हैं? क्या उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए? जो लोग अपेक्षाकृत बड़े कस्बों-शहरों में रहते हैं उन्हें तो ठीक-ठाक पुस्तकालयों की सुविधा भी सुलभ होती है। लेकिन कटु यथार्थ यह है कि मैं जिन कॉलेजों में रहा वहां मैंने पाया कि अधिकतर शिक्षक तो पुस्तकालय में अपना खाता ही नहीं खोलते हैं। अगर आप किसी शिक्षक से पूछें कि उसने साल में कितनी नई किताबें पढ़ीं, या उसने एक साल में किताबों और पत्रिकाओं पर कितना खर्च किया, तो जो जवाब सामान्यतः मिलेगा, उसका अनुमान आप पहले से लगा सकते हैं। जवाब होगा – निल बटे सन्नाटा!

मेरा यह लेख केवल शिक्षकों को सम्बोधित नहीं है, हालांकि उन्हें ज़्यादा सम्बोधित है। मैं यह बात सभी से कहना चाह रहा हूं। चाहे वे व्यापारी हों, सेवा निवृत्त हों, सेवारत हों, गृहस्थ हों, स्त्री हों, पुरुष हों, विद्यार्थी हों, नौकरी चाहने वाले हों, स्टार्टअप के आकांक्षी हों – जो भी हों, आपको नियमित रूप से कुछ न कुछ पढ़ना चाहिए। पढ़ना असल में आपके ज्ञान क्षितिजों का विस्तार है। और जब मैं पढ़ने की बात कह रहा हूं तो निश्चय ही वॉट्सएप विश्वविद्यालय के कूड़े को पढ़ने की बात नहीं कर रहा। और न ही राजनीतिक दलों के आई टी सेलों द्वारा साभिप्राय फैलायी जाने वाली गंदगी को पढ़ने की बात कर रहा हूं। अगर आप यह सब न पढें तो समाज पर बहुत बड़ा उपकार करेंगे। लेकिन कोशिश कीजिए, कि हर रोज़ कुछ न कुछ अच्छा पढ़ें, और उस पर औरों से बात करें! यह बहुत ज़रूरी है।

ऐसा करने से बचने के लिए समय न होने का बहाना न करें!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

विपक्षी पार्टियों को यह भी समझ लेना चाहिए कि केवल बैठक मात्र से जनता मोदी सरकार के खिलाफ कैसे होगी

राजेन्द्र जोशी

देश के आम चुनाव 2024 में होने वाले हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियां चाहती है कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंके। इसके लिए विपक्षी पार्टियां पटना में बैठक से शुरुआत कर चुकी है। विपक्षी पार्टियां एक बैठक और करेगी फिर सीटों का बँटवारा होगा । यक्ष सवाल हमारे सामने आता है कि क्या विपक्षी पार्टियों के एक होने से उन्हें मोदी के खिलाफ जनादेश मिल जाएगा ? शायद राजनीतिक पार्टियां भूल रही है। 1977 से पूर्व देश में इंदिरा सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन प्रारंभ किया गया । इंदिरा सरकार के खिलाफ जन जागरण हुआ, जेपी आंदोलन में देश का युवा राजनीति से जुड़ा, जो युवा देश की राजनीति में उस समय आया वह सभी इंदिरा जी के खिलाफ मन बनाकर ही आया, तब तक ना तो विपक्षी पार्टियां एक हुई थी और ना ही चुनावी रणनीति बनी थी। राजनीतिक पार्टियां यह भूल रही है कि केवल हमारे एक होने से मोदी सरकार के खिलाफ जनादेश उनके पक्ष में आने वाला नहीं है। जिस समय देश में राजनीतिक पार्टियां एक हुई थी उस समय जनता पार्टी का गठन हुआ था, कांग्रेस के खिलाफ जनता पार्टी ने चुनाव लड़ा था उस आम चुनाव में जनता पार्टी के बैनर तले देश में राजनीतिक अनुशासन भी बना, राजनीतिक दल एक हुआ था। और वही दल चुनाव लड़ा था। ऐसी स्थिति में आज विपक्ष हमारे देश में नहीं है । यहां यह भी सोचना होगा कि इस समय ना तो मोदी सरकार के खिलाफ देश में जन आंदोलन है और ना ही कोई जेपी है और तो और ना ही मोदी सरकार के खिलाफ एक होकर के चुनाव लड़ने की कोई कार्य योजना । वैसे हालात पैदा किया जाना विपक्षी पार्टियों के बस की बात नहीं है। जिसका नतीजा पहली ही बैठक में केजरीवाल के बेमेल सूर हमारे सामने आए तो केसीआर आए नहीं ।

विपक्षी पार्टियों को यह भी समझ लेना चाहिए कि केवल बैठक मात्र से जनता मोदी सरकार के खिलाफ कैसे होगी। कांग्रेस के अलावा लगभग सभी पार्टियां क्षेत्रीय दल के रूप में अपना प्रभाव रखती है, कांग्रेस पूरे देश में पहचान रखती है। क्या क्षेत्रीय दल कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में अपनी सीटें दे देंगे, अगर अधिक सीटें नहीं देंगे

■ सत्ता परिवर्तन के लिए जन आंदोलन और जेपी चाहिए

तो फिर कांग्रेस लोकसभा में कैसे जीतेगी? कितना ही सीटों का बंटवारा हो जाए नुकसान कांग्रेस को होना है। विपक्षी पार्टियां एक होकर लोकसभा चुनाव में उतरने का ख्वाब देख रही है जो संभव नहीं है। विपक्ष की एकता का राग वही नेता अलाप रहे हैं जो प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे है।

कांग्रेस को यह भी स्मरण करना होगा कि पी. वी. नरसिंहराव ने जो पहल उत्तर प्रदेश में जिस समय पहला गठबंधन किया था और खुद 85 सीटों पर सिमट कर विधानसभा चुनाव लड़ा था, उसके बाद उत्तर प्रदेश में सरकार तो बनना दूर, पार्टी के कार्यकर्ता तक छिटकते चले गए और हालात अभी तक यह है कि कांग्रेस संगठन में पदाधिकारी बनने वाले मजबूत आदमी तक नहीं है। कांग्रेस जैसी पार्टी के उम्मीदवार जब चुनाव में खड़े नहीं होते हैं तो कार्यकर्ता कांग्रेस को छोड़ते जाते हैं। और यही स्थिति आज हम उत्तर प्रदेश में देख सकते हैं कि कांग्रेस के पास कार्यकर्ता तक नहीं है। ऐसे में कांग्रेस अगर विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है तो उसका भविष्य क्या होगा। यह कांग्रेस को अभी एहसास नहीं है । यह बात भी सही है कि 1977 के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार तीन साल से अधिक नहीं टिक पाई। विपक्ष की सरकार बन भी जाती है तो उसकी उम्र कितनी होगी यह भविष्य के गर्भ में नहीं है बल्कि सामने दिखाई दे रहा है। विपक्षी पार्टियां हिमाचल प्रदेश और कर्नाटका के बाद यह मान रहे हैं कि वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत हुई है, लेकिन लड़ाई अब लोकसभा चुनाव की है। विपक्ष को पिछले लोकसभा चुनाव से सबक लेना चाहिए जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

बीजेपी और क्षेत्रीय पार्टियां इस समय देश में हावी है। क्षेत्रीय पार्टियां जहां नहीं है वहां भारतीय जनता पार्टी मुखर है जिस तरह राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हम देख सकते राजस्थान की तो हालात यह है कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हुए लोकसभा चुनाव में एक भी सीट कांग्रेस को नहीं मिली।

उस समय सीधी टक्कर कांग्रेस और बीजेपी में थी ऐसे में विपक्षी पार्टियां एक होकर के क्या करेगी।

एक बात स्पष्ट दिखाई दे रही है कि इस विपक्षी एकता में क्षेत्रीय दलों को ही लाभ होने वाला है, उनकी सीटें बढ़ेगी। कांग्रेस को कोई भी दल अपने-अपने क्षेत्र में बहुत अधिक सीटें देने की स्थिति में नहीं रहेगी। और कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियाँ जितनी सीट दे देती है तो क्या कांग्रेस वह सभी सीटें जीत पायेंगी। हम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश की बात करें तो वहां कांग्रेस की हालात लोकसभा चुनाव के लिए कोई अच्छी नहीं है। सवाल खड़ा होता है कि विपक्ष मोदी सरकार को उखाड़ना चाहता है तो उसे अभी एकता का परिचय देना होगा, पूरे देश में आंदोलन करना होगा, वह सामूहिक आंदोलन हो, और मोदी सरकार के खिलाफ जन जागरण के माध्यम से मतदाताओं को आक्रोशित करने में कितनी सफलता विपक्ष को मिल सकती है।

आज हालात यह है कि विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ किसी भी एक स्थान पर एकजुट होकर विरोध का बिगुल नहीं बजा रहा। बैठकों से मतदाता इनके पक्ष में रुझान बना सके यह कहना बहुत मुश्किल है।

उस समय मोरारजी देसाई, चंद्रशेखर, जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेई सहित समूचे विपक्ष ने एक होकर ऐसे हालात बना दिए इंदिरा जी को देश में आपातकाल घोषित करना पड़ा। जेले नेताओं से भर गई तब कहीं इंदिरा जी को विपक्ष सत्ता से हटाने में कामयाब हो पाया। उस समय के हालात क्या आज का विपक्ष बना सकता है।

मोदी सरकार को आपातकाल लगाने को मजबूर कर सकता है? मोदी सरकार के खिलाफ बिगुल बैठकों से नहीं बजेगा । ऐसी स्थितियाँ वर्तमान विपक्षी पार्टियों के बूते में दिखाई नहीं दे रही है। इसलिए अगर बैठकर कामयाब भी हो जाती है और सीटों का बंटवारा भी हो जाता है तो भी सत्ता परिवर्तन होना मुश्किल लगता है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार, बीकानेर

निकासी के अभाव में रास्ता बना तलैया

राजसमंद, (निसं)। जिले के झोर गांव से नेगडिया का खेडा की ओर जाने वाले खेतो के रास्ते में निकासी के अभाव में 700 मीटर दूरी तक घुटनो तक बारिश का पानी भरा हुआ है, जिसके कारण वहां पर किचड बना हुआ है। जिससे 20 काश्तकारों को अपने खेतों से घर तक अपने गांव में आने जाने में समस्या हो रही है।

राजसमंद। निकासी के अभाव में बारिश के पानी से भरे रास्ते से निकलते है लोग।

निकासी के अभाव में बारिश का पानी रास्ते में भरा हुआ है जिससे इस रास्ते ने एक तलैया का रूप ले रखा है। लम्बे समय से इस रास्ते से पानी की निकासी अवरुद्ध हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा ठेकेदार के मार्फत रास्ते के आगे की ओर सडक का डामरीकरण करने को लेकर ऊंचा कर दिया तब से यह समस्या हो रही है। पूर्व में ग्राम पंचायत को भी शिकायत की गई है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। गौरीशंकर शर्मा, देवीलाल शर्मा, कमला देवी, गीता देवी ने बताया कि पानी के अंदर जहरीले जीव जंतु बहुत घूमते हैं ऐसे में काश्तकारों के लिए खतरा बना हुआ है। किसानों को जहरीले जीव जंतुओं का डर बना हुआ है। महिला काश्तकार ने बताया कि हम हर रोज यहां से गुजरते है, इस दौरान अगर कोई जहरीले जीव जंतु काट लेंगे तो कौन जिम्मेदार रहेंगे। किसानों ने पंचायत प्रशाशन से जल्द ही पानी की निकासी की मांग की है।

■ खेतों पर जाने वाले किसान पानी व कीचड से होकर निकलने को मजबूर

देवीलाल पोसवाल, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत झोर ने बताया कि मौका देखकर पानी निकासी की व्यवस्था करवाते है। अगर ऐसा है तो जल्द ही मौका देखकर पानी की निकासी करवाने का प्रयास करते है ताकि किसानों को कोई समस्या नही हो।

पानी, बिजली, मकान के लिए घुमंतू जाति का धरना दूसरे दिन भी जारी

चाकसू, (निसं)। जयपुर जिले के चाकसू विधानसभा में माधोराजपुरा पंचायत समिति में स्थानीय पटवारी, विकास अधिकारी तथा तहसीलदार द्वारा अवैधानिक तरीके से 50 वर्ष से भी अधिक समय से सरकारी भूमि पर रह रहे खानाबदोश परिवारों को बेदखल करने का मामला तूल पकड़ गया है।

घुमंतू जातियों ने इस मामले में आंदोलन की शुरुआत करते हुए आंदोलन को माधोराजपुरा पंचायत समिति से फैलाकर चाकसू विधानसभा तथा जयपुर जिला स्तर तक पहुंचा दिया है।

50 वर्ष से सरकारी भूमि पर रह रहे खानाबदोश परिवारों को बेदखल करने पर लोगों ने धरना दिया।

भारत जोड़ो मिशन सोसाइटी के अध्यक्ष अनीष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2021 से पूर्व सरकारी भूमि पर बसी बस्तियों को वहीं पर पट्टा देने की घोषणा कर रखी है लेकिन निचले स्तर पर पटवारी विकास अधिकारी तथा तहसीलदार इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं। जिससे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घुमंतू जातियों को अच्छा जीवन देने की योजना को लागू नहीं किया जा पा रहा है।

एक आकलन के अनुसार जयपुर जिले में लगभग 100000 घुमंतू जाति के लोग बिना पट्टों के तथा मूलभूत सुविधा के नारकीय जीवन गुजार रहे हैं। चाकसू विधानसभा से शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे अन्य विधानसभाओं में तथा जिलों में पहुंच रहा है और घुमंतू जाति के लोग तेजी से लामबंद हो रहे हैं।

भारत जोड़ो मिशन समिति के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष कालीबाई कालबेलिया ने उनके साथ भी दोयम दर्जे का बर्ताव करने का आरोप लगाते हुए बताया कि लगभग 50 वर्षों से वे बिना बिजली पानी के और बिना पट्टे के सरकारी भूमि में रह रही है जबकि पूर्व के अधिकारियों ने बिजली और पानी के कनेक्शन देने के आदेश दिए हुए हैं इसके बावजूद वर्तमान तहसीलदार तथा विकास अधिकारी गलत तथ्य पेश कर उसे बेदखल कर रहे हैं और ऐसा चाकसू विधानसभा में कई पंचायतों में हो रहा है।

आज दूसरे दिन के धरना प्रदर्शन पर डिडावता पंचायत, हरसूलिया,अमेरिया, चांदमा, मक्खन पुरा, नवागांव, समेलिया , हथेली, मांधी, खेड़ा, फागी, मेहंदवास, मंडालिया, कागिया, भोजपुरा, आदि लगभग एक दर्जन ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। चंदा लाल बाबरिया, जय रामनाथ, सीताराम, मंत्रा, नंदा लाल बावरिया, जगदीश बागरिया, कल्याण बागरिया, रमेश, कल्याण, प्रभु, धनना, आदि कार्यकर्ताओं ने बस्ती बस्ती जाकर लोगों को जागरूक करने और उनका अधिकार लेने के लिए घर से निकलकर गांधीवादी तरीके से अनिश्चितकालीन धरने में शामिल होने की अपील के लिए प्रचार प्रसार करने का जिम्मा लिया है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 3 जुलाई, 2023

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, सोमवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र दिन 11:02 तक, ब्रह्म योग दिन 3:45 तक, विष्टि करण प्रातः 6:45 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 6:45 तक है। आषाढ़ी पूर्णिमा, सत्यव्रत, गुरू पूर्णिमा, व्यास पूजा, मन्वादि और आज अष्टानिका महापर्व समाप्त होगा। आज से सन्यासियों का चातुर्मास आरम्भ होगा। आज वर्षा के लिए वायु परीक्षा सांय 7:21 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:23 तक, शुभ 9:06 से 10:48 तक, चर 2:13 से 3:56 तक, लाभ-अमृत 3:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:21

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक यंडेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

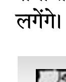

कर्क

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

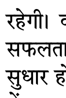

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

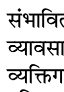

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

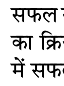

धनु

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

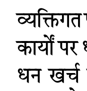

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यक्तिगत पारिवारिक कारणों से आवश्यक कार्यों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

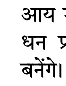

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

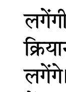

मीन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

‘राजस्थान में बेहतरीन नेतृत्व की लंबी लिस्ट, सिर्फ पायलट और गहलोत ही नहीं हैं’

साथ ही हरीश चौधरी यह भी बोले, ‘‘राजस्थान की सियासी सुलह के संदर्भ में मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं मिली’’

जयपुर, (का.प्र.)। पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद से कई दिनों से चर्चाओं के केंद्र बने बायतु विधायक हरीश चौधरी जयपुर ने बाड़मेर पहुंचकर खुद के प्रदेशअध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में नहीं हैं। इसके अलावा चौधरी ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस में सुलह को लेकर व्यक्तिगत तौर पर उन्हें कोई जिम्मेदारी नही मिली है।

वहीं महत्वपूर्ण बयान देते हुए मुख्यमंत्री गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे आपसी विवाद पर हरीश चौधरी ने कहा कि हम सब लोग एक हैं। चौधरी ने कहा कि यह झगड़ा और दो नाम प्रायोजित एजेंडा के तहत लगातार लिए जा रहे हैं। राजस्थान में बेहतरीन नेतृत्व की लंबी लिस्ट है, एक बेहतरीन लीडरशिप है, राजस्थान में सिर्फ सचिन पायलट और अशोक गहलोत नहीं है। कांग्रेस में अनुभवी राजनीतिज्ञों की एक लंबी लिस्ट है। हरीश चौधरी ने कहा कि प्रायोजित प्रोपेगेंडा के कारण अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद की छवि भारतीय जनता पार्टी बनाना चाहती है। हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस में एकजुटता है और आगे भी

> ■ ‘गोविंद डोटासरा सफल अध्यक्ष, मैं अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं’

रहेगी। चौधरी ने कहा कि पटना में राहुल गांधी ने साफ संदेश राजस्थान में कांग्रेस के हर नेता कार्यकर्ता को कह दिया था कि हम एकजुट होंगे, तभी पार्टी राजस्थान में जीतेगी। यह संदेश हम सबके लिए पर्याप्त है। इसलिए हर किसी को प्रयास करना चाहिए कि एकजुट होकर हम सभी लोग आगे बढ़ें। हरीश चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट का बड़प्पन था कि वो घर पर आए थे। इस दौरान उनसे व्यक्तिगत और राजनीतिक बातें हुई। हालांकि हरीश चौधरी ने कहा कि किसी प्रकार की सुलह के संदर्भ में किसी भी नेता से कोई चर्चा नहीं हुई है। चौधरी ने यह भी स्पष्ट कहा कि उन्हें सुलह के संदर्भ में किसी तरह की कोई व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हुई मुलाकात को लेकर हरीश चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का स्वास्थ्य ठीक नहीं था और पांव फ्रैक्चर हो गया था इसलिए उनसे मुलाकात हुई थी। वैसे चौधरी ने कहा कि जब दो राजनीतिक लोग मिलते हैं तो राजनीति की बात होना स्वाभाविक है। इसलिए उनके और मुख्यमंत्री के बीच राजनीतिक बातचीत भी हुई।

हालांकि हरीश चौधरी ने उन सभी चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि वो प्रदेशाध्यक्ष की दौड़ में कहीं नहीं हैं। जहां तक वर्तमान अध्यक्ष की बात है तो वे अच्छा काम कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा बेहतरीन प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर अपना कार्यकाल आगे बढ़ा रहे हैं। वे कांग्रेस कार्यकर्ता होने के नाते जितना सहयोग देते आ रहे हैं और भविष्य में भी देते रहेंगे।

ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज वायु सेना स्टेशन जयपुर के नए कमांडर

ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज ने वायुसेना स्टेशन जयपुर के नए स्टेशन कमांडर के रुप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने ग्रुप कैप्टन दावेश सिंह, वीएसएम का स्थान लिया। ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज को भारतीय वायु सेना के वैमानिक अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स) शाखा में 26 नवंबर 1996 को कमीशन प्राप्त हुआ था।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में गूंजे गुरू महिमा के गीत

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से गुरु पूर्णिमा महोत्सव से पूर्व दीपयज्ञ में लोगों ने आहुतियां अर्पित कीं।

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में दो दिवसीय गुरू पूर्णिमा महोत्सव का रविवार को अखंड गायत्री मंत्र जप और गुरु गीता पाठ के साथ हुआ। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में गायत्री मंत्र का जप किया गया। दोपहर को गुरु गीता का सामूहिक पाठ किया गया। इस मौके पर रेखा श्रीवास्तव ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए कहा कि गुरु गीता साधक की संजीवनी है। स्कंध पुराण के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को गुरु गीता का सर्व प्रथम श्रवण करवाया। गायत्री कचोलिया ,गायत्री तोमर, सुरुचि रावत, प्रेमा देवी, पायल माहेश्वरी ने गुरु गीता का संगीतमय किया। प्रारंभ में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहन सिंह शर्मा, सह व्यवस्थापक मनीशंकर चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शांतिकुंज हरिद्वार में गायत्री परिवार संगठन के राजस्थान प्रभारी जयसिंह यादव ने बताया कि गुरू पूर्णिमा सोमवार को अनुशासन पर्व के रुप में मनाया जाएगा। शिष्य गुरू के अनुशासन को जीवन में उतार कर उनसे अनुदान-वरदान प्राप्त करने की भावना के साथ गुरु पूजन करेंगे। गायत्री परिवार राजस्थान जोन के समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि रविवार को गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के आलावा वेदना निवारण केन्द्र मानसरोवर और गायत्री चेतना केन्द्र जनता कॉलोनी में सुबह सात से शाम पांच बजे तक सबके कल्याण के लिए गायत्री महामंत्र का अंखड जप किया गया। शाम को दीपयज्ञ हुआ। सैकड़ों की संख्या में दीप प्रज्वलित कर अक्षत के माध्यम से विश्व कल्याण की कामना के साथ आहुति अर्पित की गई। गुरू पूर्णिमा महोत्सव तीन जुलाई को मनाया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड, वेदना निवारण केंद्र मानसरोवर, गायत्री चेतना केंद्र जनता कॉलोनी सहित सभी प्रज्ञा संस्थानों में सुबह से दोपहर तक पंच कुंडीय और नो कुंडीय गायत्री महायज्ञ, गुरु पूजन का कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर नए साधकों को गुरु दीक्षा दी जाएगी।

योग गुरुओं को ‘‘महर्षि पतजंलि’’ सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान योग प्रतिष्ठान की और से सरोजिनी मार्ग स्थित योग निलयम में सूर्य सप्तमी के दिन राजस्थान में 23 लाख परिवारों से 7 दिन में 11 करोड़ सूर्य नमस्कार करवाने वालों में महिर्षि पतंजलि सम्मान किया गया। मेघ सिंह चौहान, योगास्थली योग सोसायटी की सह-निदेशक योगाचार्य हेमलता शर्मा, प्रथम मेडी टूरिज्म एवं योग चिकित्सा केन्द्र के मार्गदर्शन हिमांशु पालीवाल, योग साधना आश्रम की अध्यक्ष योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग, राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद व इंटरनेशनल योग के चीफ आनन्द कृष्ण कोठारी, योग विद्या में कार्यरत डॉ. स्माइल टाक, फिट योग के संस्थापक अरविन्द सिंह, राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद के संस्थापक हरिसिंह सोलंकी, पतंजलि योग समिति के प्रदेश प्रभारी कुलभूषण बैराठी, प्राकृतिक चिकित्सा योग के विशेषज्ञ डॉ. अरुण जोशी, प्राकृत भारती अकादमी जयपुर की निदेशक डॉ. सुषमा सिंघवी, राजस्थान योगासन में कार्यरत वैदिक दुसाद, आईसीसी गर्ल्स कालेज में कार्यरत डॉ. सुनीता शर्मा, योग विशेषज्ञ योगाचार्य सौरभ शर्मा को ‘‘महर्षि पतंजलि सम्मान’’ से सम्मानित किया है।

वायु परीक्षण आज

जयपुर, (का.सं.)। आषाढ़ी वायु धारणी पूर्णिमा पर सोमवार को राजधानी जयपुर के ज्योतिष यंत्रालय स्मारक (जंतर-मंतर) में ध्वज पूजन और सूर्यास्त काल में शास्त्रानुसार वायु परीक्षण किया जायेगा। अधीक्षक मोहम्मद आरिफ ने बताया कि वर्षा संबंधी पूर्वानुमान के लिये विद्वानों और देवज्ञों की उपस्थिति में यह कार्य होगा।

यूसीसी देश के विकास और समृद्धि के लिए : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यूसीसी वर्तमान में देश के विकास और समृद्धि के लिए है। जो देशहित में होगा मोदी सरकार वही काम करेगी। भारत के संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार का उल्लेख किया गया है। ऐसे में देश में दोहरी व्यवस्था कैसे चल सकती है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति से कदापि देश का विकास नहीं हो सकता।

जोशी ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों को उन्नत करना चाहती है। कोई भी वर्ग अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के यह विचार देश की समृद्धि को आधार देंगे। कुछ पार्टियों ने कसम खा रखी है कि भाजपा देशहित में कोई भी फैसला ले उसका विरोध करना है।

> ■ ‘जुलाई में नाकारा गहलोत सरकार के खिलाफ महिला मोर्चा, किसान और युवा करेंगे विरोध प्रदर्शन’

विपक्ष को यह नहीं पता कि देश की जनता का मिजाज क्या है। अनुच्छेद 370 हटाने का काम क्या पहले नहीं हो सकता था, क्या वन नेशन वन टैक्स का निर्णय इंदिरा गांधी के समय नहीं हो सकता था। उस समय राजनैतिक लोगों को लगा कि देश से पहले पार्टी है। कहीं पार्टी का वोटबैंक ना चला जाए। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने नेशन फर्स्ट को लेकर काम किया है, तभी तो देश की जनता का विश्वास भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर है। सी.पी.जोशी ने कहा कि नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी की विजय संकल्प टीम अनुभवी, ऊर्जावान, सर्वहितैषी, और समावेशी है। जिसमें सभी वर्गों से लोगों को दायित्व दिया गया है, जो कि आगामी 2023-24 के चुनावों में टीम विजय संकल्प के साथ एकजुट होकर काम करेंगे।

प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने कहा कि भ्रष्ट, नाकारा, जंगलराज, पेपर लीक और झांसेबाज कांग्रेस सरकार के खिलाफ आगामी पांच जुलाई को महिला मोर्चा जयपुर की सड़कों पर थाली नाद के साथ विरोध प्रदर्शन करेगी, वहीं आगामी 12 जुलाई को झुंझनूं में कर्जमाफी का झूठा वादा करने वाली सरकार के खिलाफ किसान विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलने और पेपर लीक के खिलाफ अजमेर में युवाओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

दंत महाविद्यालय में सहायक आचार्य के 10 पद स्वीकृत

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के दंत महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में सहायक आचार्य के 10 नवीन पदों का सृजन होगा। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधीन महाविद्यालय में प्रोस्थोडॉन्टिक्स के 3, पीडोडॉन्टिक्स, ओरल पैथोलोजी व पेरियोडॉन्टिक्स के 2-2 पद और डेंटल मेटेरियल का एक पद सृजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे चिकित्सा विद्यार्थियों को अध्ययन और मरीजों को उपचार कराने में आसानी होगी।

महाविद्यालय में संचालित बी.डी.एस. पाठ्यक्रम की सीटें 50 से बढ़ाकर 100 किए जाने और पी.जी. पाठ्यक्रमों में सीटों की अभिवृद्धि, डेंटल मैकेनिक एवं डेंटल हाइजिनिस्ट के नवीन पाठ्यक्रम शुरू किए जाने से सहायक आचार्य के नवीन पदों का सृजन आवश्यक हो गया था।

श्रीजगदीश नारायण शर्मा की द्वितीय पुण्यतिथि पर जगदीश नारायण मेमोरियल ट्रस्ट एवं विश्व हिंदू परिषद की तरफ से सीतापुरा स्थित एक होटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक महेश बोहरा ने बताया शिविर में रक्त दाताओं ने 223 यूनिट रक्तदान किया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा राष्ट्रीय अध्यक्ष हरियाणा गौड ब्राह्मण महासभा बीरधी चंद शर्मा, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, पत्रकार गोपाल शर्मा, कोर्ट बार अध्यक्ष भुवनेश शर्मा, पूर्व पार्षद गीता शर्मा, विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, भाजपा नेता हेमंत जकड़ी, सुरेश उपाध्याय मनीष शर्मा, दीपक गिर्राज राधामोहन आदि मौजूद रहे।

भरतपुर एवं बीकानेर में बनेंगे इन्डोर हॉल

जयपुर, (का.सं.)। भरतपुर एवं बीकानेर में खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मल्टीपरपज इन्डोर हॉल का निर्माण किया जाएगा।

इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 16.44 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

पदमश्री हुसैन बन्धुओं से मांगा समर्थन

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान के नेतृत्व में मोर्चा के पदाधिकारियों ने ‘‘सम्पर्क से समर्थन अभियान’’ के तहत पद्मश्री से सम्मानित क्लासीकल गजल व भजन गायक अहमद हुसैन व मोहम्मद हुसैन बन्धुओं से उनके निवास पर जाकर सम्पर्क किया व पार्टी के लिए समर्थन देने की अपील की। खान ने बताया कि अहमद हुसैन व मोहम्मद हुसैन को इसी वर्ष भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने बताया कि हुसैन बन्धुओं का कहना था कि वें वर्षों से इस सम्मान की आस लगाये हुए थे, परन्तु केन्द्र की मोदी सरकार ने इस सम्मान से उन्हें नवाजा है, इस लिए हम व हमारा पूरा परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुक्रिया अदा करते हैं। हुसैन बन्धुओं ने आगे कहा कि हम प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी के एहसानमन्द है कि उन्होंने हमारे हुनर को एक नई पहचान व ऊंचाई दी। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हमीद खान मेवाती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफलतम 9 वर्ष की उपलब्धियों की एक पुस्तक हुसैन बन्धुओं को भेंट की व पार्टी के लिए समर्थन मांगा। मोर्चा पदाधिकारियों ने हुसैन बन्धुओं के निवास पर जाकर साफा पहनाया, शॉल ओढ़ाया व गुलदस्ता देकर उनका इस्तकबाल किया। इस मौके पर मोर्चा के प्रदेश कार्यालय मंत्री उस्मान चौहान, जयपुर शहर जिला महामंत्री परवेज खान व पार्षद प्रत्याशी सलीम खान उपस्थित रहे।

44 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट मंजूर

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने के लिए संकल्पित है। प्रदेश के वृद्धजनों में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना को लेकर अपार उत्साह है। इनकी भावनाओं के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2023-24 में 40 हजार वृद्धजनों को यात्रा कराने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस लक्ष्य की क्रियान्विति में 44 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। योजना अन्तर्गत पहले 46 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। अब यात्रियों की संख्या बढ़ने से 44 करोड़ रुपए और दिए गए है। इस स्वीकृति से यात्रियों को हवाई और रेल के जरिए विभिन्न तीर्थ स्थलों पर यात्रा कराई जाएगी।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी का स्वागत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी को भाजपा में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर रविवार को राजस्थान माली महासभा व माली समाज के नेताओं ने उनके निवास पर जाकर स्वागत किया। माली महासभा महामंत्री व प्रवक्ता बाबूलाल सैनी रजवास ने बताया कि प्रभुलाल सैनी के मनोनयन से माली सैनी समाज में खुशी का संचार हुआ है। समाज को आगामी विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिलेगा और समाज में एकजुटता आएगी। इस दौरान राजस्थान माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी (फुलवाले), प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सी.एल.सैनी, संरक्षक बिरदी चन्द सिंगोदिया, उपाध्यक्ष बजरंग पंवार, महामंत्री प्रहलाद बोली, प्रभाती लाल सैनी, संजय सैनी, निखिल अजमेरा, सागर मावर कोषाध्यक्ष, जयपुर जिला माली सैनी समाज के अध्यक्ष रोशन सैनी, देवकीनंदन सैनी, सीताराम सैनी, रमेश सैनी, मुकेश पुष्प, राकेश सैनी ने प्रभुलाल सैनी को बधाई दी व गुलदस्ता भेंट किया।

नवगठित भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारियों का स्वागत

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी एंव प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर से मिलकर नवीन दायित्व के लिए आभार प्रकट करने पहुंचे। इस दौरान समर्थकों एंव कार्यकर्ताओं में उमंग और उत्साह का माहौल देखने का मिला। प्रदेशभर से आए विभिन्न कार्यकर्ताओं ने पदाधिकारियों को गुलदस्ते व फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और मिठाईयां बांटी। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मौजूद नवनियुक्त पदाधिकारियों को विजय संकल्प लेकर संगठन के लिए एकजुट होकर काम करने और आगामी चुनावों में जुट जाने का आव्हान किया। नवीन कार्यकारिणी गठन को लेकर उत्साहित कार्यकर्ताओं ने भाजपा और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। वहीं गुलदस्ते भेंट करने और फूलमाला पहनाकर स्वागत करने का दौर भी चला।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद बाबा बालकनाथ, सुखबीर जौनापुरिया, नारायण पंचारिया, प्रभुलाल सैनी, सरदार अजयपाल सिंह, श्रवण सिंह बगडी, मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री एंव सांसद दिया कुमारी, जगबीर छाबा और सह कोषाध्यक्ष श्याम अग्रवाल का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

डॉ. पूनिया ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने आज जयपुर स्थित जनसंवाद केंद्र पर प्रदेशभर से पधारे आमजन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। वहीं सतीश पूनिया ने जनसंवाद केंद्र पर पधारे सांसद बाबा बालकनाथ, सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया को टीम भाजपा राजस्थान में प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

करोना को कोई नया मरीज नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में रविवार को भी लगातार चौथे दिन भी किसी जिले में कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। राज्य में आज एक संक्रमित के रिकवर होने से फिलहाल अब एक ही एक्टिव केस बचा है। वहीं प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9736 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/932 दिनांक- 22.6.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 30/27/11, मानसरोवर, क्षैत्रफल 18.61 वर्ग मीटर /वर्ग गज का आवंटन श्री रमेश एम वर्मा पुत्र श्री मदन लाल वर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1617 दिनांक 27.03.1990 को जारी किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 24.09.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 69 दिनांक 12.4.2023 के द्वारा श्रीमती अंजना माथुर पत्नी श्री राजीव माथुर के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्रीमती अंजना माथुर की मृत्यु दिनांक 15.4.2023 को हो जाने के कारण इनके पति श्री राजीव माथुर पुत्र स्व.श्री रामचन्द्र माथुर ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री राजीव माथुर पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र माथुर के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यावाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/925 दिनांक- 21.6.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 74/19-ए, मानसरोवर, क्षैत्रफल 47.17 वर्ग मीटर /वर्ग गज का आवंटन श्री सालिगराम शर्मा पुत्र श्री भवानी दास शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6561 दिनाक 25.02.2000 को जारी किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 25.2.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्री सालिगराम शर्मा की मृत्यु दिनांक 17.06.2013 को हो जाने के कारण इनके पुत्रांन श्री अशोक कुमार शर्मा एवं श्री अनिल शर्मा पुत्रांन स्व. श्री सालिगराम शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवदेन किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री अशोक कुमार शर्मा एवं श्री अनिल कुमार शर्मा पुत्रांन स्व. श्री सालिगराम शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यावाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है ।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id : dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone NO. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/924 दिनांक- 21.6.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 74/19, मानसरोवर, क्षैत्रफल 96.83 वर्ग मीटर /वर्ग गज का आवंटन श्री सालिगराम शर्मा पुत्र श्री भवानी दास शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 6564 दिनांक 25.02.2000 को जारी किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 25.2.2000 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात श्री सालिगराम शर्मा की मृत्यु दिनांक 17.06.2013 को हो जाने के कारण इनके पुत्र/पुत्री श्री राजकुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री सालिगराम शर्मा एवं मीना शर्मा पुत्री स्व. श्री सालिगराम शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवदेन किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री राजकुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री सालिगराम शर्मा एवं मीना शर्मा पुत्री स्व. श्री सालिगराम शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यावाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है ।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

कोटा में वसुंधरा शक्ति प्रदर्शन में भीड़ जुटाने में सफल रही

लेकिन अपेक्षित विधायक, पूर्व विधायक, सांसद व पूर्व सांसद मंच पर नहीं दिखे

आगामी विधानसभा चुनाव की निकटता के चलते पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने कोटा में जन सभा को सम्बोधित किया।

- भीड़ जुटाने के लिए वसुंधरा राजे को एक दिन का कैंप करना पड़ा झालावाड़ में

कोटा, (निसं)। आगामी विधानसभा चुनाव की निकटता के चलते भाजपा की राजनीति में अपनी अहमियत प्रदर्शित करने में लगी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का कोटा में आयोजित शक्ति प्रदर्शन भीड़ जुटाना के हिसाब से सफल साबित हुआ है। लेकिन इस शक्ति प्रदर्शन का एक पहलू यह भी रहा कि मंच पर अपेक्षित सांसद, पूर्व सांसद, विधायक तथा पूर्व विधायक नजर नहीं आए। ज्यादातर विधायकों और सांसदों ने इस आयोजन से दूरी ही बनाए रखी।

आलम यह रहा कि कोटा जिले की विधानसभा में ही कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा व रामगंजमंडी विधायक मदन दिलावर मंच पर नजर नहीं आए। इसको लेकर चर्चा है कि शायद आलाकमान जिस तरीके से वसुंधरा राजे सिंधिया को लेकर अपना रुख अख्तियार किए हुए हैं उसके चलते विधायकों और सांसदों ने वसुंधरा से दूरी बना ली है। कोटा जिले के विधायकों को लेकर एक कारण यह भी है कि ज्यादातर विधायक पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल को पसंद नहीं करते हैं और यह पूरा आयोजन पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के द्वारा ही किया गया था। इसके चलते हो सकता है कि कोटा जिले के अलावा कुछ और विधायकों ने भी इस कार्यक्रम से दूरी बना ली हो। इस पूरे शक्ति प्रदर्शन में वसुंधरा के नाम पर भीड़ तो खासी एकत्रित हुई। ज्यादातर भीड़ झालावाड़ जिले से ही कोटा पहुंची इसको लेकर कहा जा रहा है कि वसुंधरा राजे सिंधिया ने खुद झालावाड़ में इसके लिए 1 दिन का कैंप आयोजित करना पड़ा।

झालावाड़ के अलावा बूंदी से भी खासी भीड़ एकत्रित हुई। वसुंधरा के मंच पर पहुंचने पर पहुंचने पर मौजूद कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने अपनी बात पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की लिखी कविता की पंक्तियों से की उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात इन पंक्तियाँ से शुरू करना चाहती हूँ। आओ फिर से दिया जलाएँ, भरी दुपहरी में अँधियारा, सूरज परछाई से हारा अंतर तम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएँ, आओ फिर से दिया जलाएँ।आओ फिर से कमल खिलायें..!! अटलजी की इस कविता में एक लाइन मैंने जोड़ी है-आओ फिर से कमल खिलायें। क्योंकि अब कमल खिलाने का वक्त आ गया। इस दौरान उन्होंने हाड़ौती के दिवंगत दिग्गजों को भी याद किया। अपने भाषण की शुरुआत नहीं वसुंधरा ने केंद्र की मोदी सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदीजी के 9 साल देश का सौभाग्य काल है। इसके बाद वसुंधरा ने राजस्थान सरकार और कांग्रेस पर प्रहार करना शुरू करा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के शासन में विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं कांग्रेस का। विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं भ्रष्टाचार का। विकास तो हुआ पर प्रदेश का नहीं महिला, दलित अत्याचार का। विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं बेरोज़गारी का।

पूरा प्रदेश इस सरकार से छुटकारा पाना चाह रहा है। कब चुनाव आयें और कब इससे निजात पायें। गहलोत की सरकार अधिकांश काग़ज़ों, बयानों, निर्देशों, आपसी झगड़ों और होटलों में ही दिखाई दी। दो बड़े काम किये हैं इस सरकार ने या तो हमारी योजनाओं को बंद कर दिया या उनका नाम बदल दिया। चिरंजीवी में औसतन साढ़े 11 हज़ार रूपये भी एक मरीज़ पर खर्च नहीं-हमने मुफ़्त ईलाज के लिए भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की, उसका नाम बदल कर इन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य कर दिया। हमारी योजना में सब अस्पतालों में ग़रीबों का फ्री ईलाज होता था,इनकी योजना में बड़े अस्पताल गरीब मरीज़ को घुसने तक नहीं देते। कहने को तो यह इस योजना में 25 लाख तक का ईलाज होता है, लेकिन 2021 से लेकर अब तक औसतन साढ़े 11 हज़ार रूपये भी चिरंजीवी योजना में एक मरीज़ पर खर्च नहीं हुआ।

कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां सहित 13 ज़िलों का जीवन बदल ने वाली ईआरसीपी शुरू की। उसे भी इस सरकार ने राजनीति में उलझा कर छोड़ दिया। पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी की प्रेरणा से हमने नदियों को जोड़ने का काम शुरू किया, लेकिन सरकार बदलने के साथ ही ये काम भी रुक गया। हाँ हमने झालावाड़ में आहू और चंवली नदी को जोड़ने का काम पूरा किया। इससे झालावाड़ जिले के 31 गाँव लाभान्वित हुए। झालावाड़, बारां और कोटा जिले के लिए महत्वपूर्ण परवन सिंचाई परियोजना भी वैसे की वैसे ही पड़ी है। जबकि हमारी इस योजना का श्रेय लूटने के लिए इन्होंने सितंबर, 2013 में राहुल गांधी जी को बुलाया था। एक पत्थर लगाया। सत्ता में आए। फिर 5 साल कुछ नहीं किया। आज 2 लाख बीघा जमीन और करीब 950 गांव इसके पानी के इंतजार में हैं।हमने मुख्यमंत्री जल सावलम्बन अभियान शुरू किया। उसका परिणाम यह रहा कि उस वक्त प्रदेश का भूजल स्तर बढ़ा। इस स्कीम को चलाते तो कितना फ़ायदा होता।

बिजली की दरें दुगनी से अधिक- प्रदेश में बिजली का बड़ा संकट है। बिजली है नहीं और कह रहे है 100 यूनिट बिजली मुफ़्त दे रहे है। बिजली जब है ही नहीं तो कहाँ से देंगे? हमारे समय जो बिजली के बिल आते थे, उनसे दुगनी राशि से अधिक बिल आ रहें हैं। 4 दर्जन से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। क़र्ज़ा माफ़ किया नहीं उल्टा इस सरकार ने साढ़े 19 हज़ार किसानों की भूमि कुर्क कर दी। अपने भाषण के दौरान वसुंधरा राजे सिंधिया ने कोटा और हाड़ौती से जुड़े मुद्दे भी उठाए। उन्होंने मौजूद लोगों से अपना हाड़ोती से आत्मीय रिश्ता भी बताया। इसके बाद उन्होंने सभा के अंतिम पड़ाव में समर्थकों को हाड़ौती के पानी की याद दिलाई और विधानसभा चुनावों के पश्चात लोकसभा चुनाव में भी जीत का परचम लहराने का संकल्प दिलाया।

बाड़मेर सीमा के पास हेरोइन के 11 पैकेट बरामद

हेरोइन की कीमत 55 करोड़ आंकी जा रही है

बाड़मेर में बीएसएफ ने जमीन में दो बैग में रखी 11 पैकेट हेरोइन बरामद की।

- बीएसएफ ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ एक विशेष संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया

बाड़मेर, (निसं)। बीएसएफ की ओर से एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ फेंस के पास जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए ०दो बैगों में पैक हेरोइन के 11 पैकेट शनिवार को बरामद किये गए। जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 55 करोड आंकी गई है।

बीएसएफ गुजरात के जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक बाडमेर सेक्टर में सीमा पार हेरोइन की खेप पार करने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ ने एनसीबी, एसबी जोधपुर और स्थानीय पुलिस के साथ एक विशेष संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया, जिसमें सीमावर्ती क्षेत्र के बिजराड थाना अंतर्गत हूरों का तला गांव के साथ फेंस के पास एक पेड़ के नीचे छिपाकर रखे गए ०दो बैगों में हेरोइन के 11 पैकेट बरामद किए गए। बरामद की गई हेरोइन की कीमत 55 करोड़ आंकी जा रही है। फिलहाल इस मामले की जांच तमाम एजेंसियां कर रही हैं।

आश्रम से निकली युवती लापता

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल स्थित आसाराम आश्रम से निकली एक युवती लापता हो गई। उसका आज तीसरे दिन भी पता नहीं चल पाया। उसकी बहन की तरफ से गुमशुदगी दर्ज करवायी गई है। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि इस बारे में आसाराम आश्रम में रहने वाली आरती यादव की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। उसकी बहन 24 साल की अंजू यादव यहां आश्रम में साथ रहती थी। वह 30 जून को आश्रम से दिन में निकल गई। उसकी तलाश करने पर भी वह नहीं मिली। इस पर अब बोरानाडा थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से दोनों बहनें छत्तीसगढ़ रायपुर की रहने वाली है और काफी समय से आश्रम में ही रह रही है।

बेटा दायित्व भूला, अधिवक्ताओं ने बेटे का फर्ज निभाया

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के एक वृद्ध दम्पति ने अपने इंजीनियर बेटे के विरुद्ध अपने न्यायमित्र अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा, प्रवीण साहू व वीरेंद्र सिंह राजपुरोहित के माध्यम से पारिवारिक न्यायालय पाली में अपने इंजीनियर पुत्र के विरुद्ध भरण पोषण प्राप्ति के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया और न्यायालय के समक्ष निवेदन किया कि उनका पुत्र आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

पुत्र की पढ़ाई और शादी के लिए पिता ने लाखों रुपये लोगों से ऋण ले रखे है और शादी के बाद पुत्र , माता-पिता को छोड़कर कर्नाटका राज्य में चला गया हैं । ढलती उम्र के कारण उनकी शारीरिक हालत ऐसी नही है कि वे खुद मजदूरी कर भरण पोषण कर सके । जिस पर पारिवारिक न्यायालय पाली द्वारा दोनो पक्षों की बाद सुनवाई दम्पति के पुत्र को गत मंगलवार को यह आदेश जारी किया है कि वो प्रतिमाह 10 हजार रुपये अपने पिता को व 10 हजार रुपये अपनी माता को अलग अलग बतौर अंतरिम भरण पोषण की राशि के रूप में अदा करे। न्यायालय का आदेश जब अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा, प्रवीण साहू व वीरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने वृद्ध दम्पति को सुनाया तो उनकी आँखों से ख़ुशी से आँसू छलक पड़े। दम्पति के लिए अधिवक्ताओं ने निःशुल्क पैरवी की।

हत्या के तीन आरोपी गिरफ़्तार

भीलवाड़ा, (नि.स.)। भीलवाड़ा शहर के पुर थाना इलाक़े में मामूली विवाद के बाद देवेंद्र सांखला की गला दबाकर हत्या के आरोप में मृतक के ही तीन रिश्तेदारों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इनमें दो भाई व एक आरोपित की पत्नी शामिल है।

पुर थाना प्रभारी पूरणमल मीणा ने बताया कि 29 जून को शाम 4 बजे पांसल निवासी देवेंद्र सांखला (26) पुत्र सत्यनारायण सांखला की दो बड़ी बहनें इंद्रा व टीना खेत पर घास लेने गई। जहां ये दोनों घास काट रही थी। इस दौरान इन्हीं के रिश्तेदार शंकर, इसका भाई मुकेश पुत्र श्रीकिशन खटीक, शंकर की पत्नी पारस ने टीना व इंद्रा के साथ मारपीट की और उनका गला दबाया।

बहनों को बचाने भाई देवेंद्र वहां गया तो तीनों आरोपितों ने देवेंद्र के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। तीनों ने मिलकर देवेंद्र का जोर से गला दबाया, जिससे उसकी सांस रुक गई। वह छटपटाया, लेकिन तीनों ने देवेंद्र का गला पकड़ कर नीचे गिरा दिया और काफी देर तक गला दबाकर रखा। इससे देवेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। शव का एमजी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

तीन भाइयों व दोस्त का एक साथ अंतिम संस्कार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बोरानाड़ा थाना इलाके में शनिवार को भांडू के पास हुए सड़क हादसे में घायल का भी अस्पताल में निधन हो गया। इस दुर्घटना में कल तीन भाइयों और उनके एक दोस्त की मौत हो गई थी। इस हादसे में घायल हुए एक और बुजुर्ग ने रविवार को दम तोड़ दिया। अब तक इस हादसे में पांच लोग जान गंवा चुके हैं। इधर जब रविवार को एक साथ तीन भाइयों और उनके दोस्त की अंतिम यात्रा निकली तो हर किसी की आंख में आंसू थे। किसी को विश्वास नहीं हो रहा था कि हर समय साये की तरह साथ रहने वाले चारों एक साथ इस दुनिया को अलविदा कह देंगे।

क्योंकि, शनिवार को हादसे से पहले चारों ने गांव में हथाई की थी। यहां कई देर तक बातें की और इसके बाद कार्यक्रम में जाने का प्लान बनाया। हमेशा साथ रहने, खाने-पीने, गप-शप करने और हर गुरु पूर्णिमा पर शिकारपुरा स्थित आश्रम में भजन-कीर्तन में शामिल होने वाले 5 बुजुर्गों ने एक साथ दुनिया को अलविदा कह दिया। जोधपुर के सिलावटा गांव में सन्नाटा है। बच्चे-बच्चे की जुबान पर बुजुर्गों की दोस्ती की दास्तान है। बाजार में जब खबर फैली कि पटेल भाइयों की टोली का एक्सीडेंट हो गया तो तुरत-फुरत बाजार बंद हो गए। जिसे पता चला वह एमडीएम हॉस्पिटल की तरफ दौड़ा। आज भीबाजार बंद हैं।

जोधपुर के बोरानाडा थाना इलाके के भांडू के पास शनिवार शाम 4 बजे के करीब बस-जीप की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि गंभीर घायल भूराराम का इलाज एम्स अस्पताल में चल रहा था। रविवार को दोपहर 3 बजे के बजे भूराराम ने भी दम तोड़ दिया। जीप हादसे में जान गंवाने वाले पांचों मृतकों में तीन भाई थे और दो उनके दोस्त थे। सभी की उम्र 60 से 70 के बीच थी। सभी एक ही परिवार के थे और बोरानाडा के सिलावटा गांव में रहते थे। सिलावटा गांव में सभी दोस्तों को चिता पास-पास लगाई गई। बड़ी तादाद में पहुंचे लोगों ने नम आंखों से विदाई दी। पिछले 15 साल से दयाराम (64) पुत्र लक्ष्मण राम पटेल, नवला राम (70) पुत्र भीकाराम, त्रिलोक राम (68), दलाराम (65) पुत्र भीखाराम और भूराराम रोजाना एक साथ बैठकर सुबह की चाय पीते थे।

महिला के कान से सोने के टॉप्स छीना

देवली, (निसं)। शहर में इन दिनों चोरी और बढ़ती लूटपाट की वारदातों ने पुलिस की मुस्तैदी को आईना दिखा रखा है। चोर और लुटेरे इतने सक्रिय और बेखौफ हो गए हैं कि वारदात को अंजाम देने की वक्त उनमें पुलिस का भय बिल्कुल नहीं दिखाई देता है।

ऐसा ही एक मामला रविवार को देवली केंद्रीय बस स्टैंड पर घटित हुआ हैं। शहर के केंद्रीय बस स्टैंड पर बस में यात्रा करने वाली एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला लुटेरों का शिकार होकर जख्मी हो गई। रविवार की दोपहर को शहर के केंद्रीय बस स्टैंड पर एक लुटेरे अपराधी ने महिला के कान में पहने हुए सोने के टॉप्स झपट्टा मारा और महिला के कान से सोने के टॉप्स को तोड़कर फरार हो गया।

हालांकि लुटेरे अपराधी के हाथ से महिला के टॉप्स वहीं बस में गिर गए लेकिन लुटेरा मौके से फरार हो गया। महिला के साथ हुई लूट की घटना से यहां खलबली मच गई। देखते ही देखते हैं शहर के बस स्टैंड पर में सैकड़ों यात्री और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस घटना में 70 वर्षीय वृद्ध महिला का कान बुरी तरह है जख्मी हो गया और वृद्ध महिला खून से लथपथ हो गई।

बाल-बाल बचा गैंगस्टर रितिक बॉक्सर, कॉन्स्टेबल से चली गोली

- एक करोड़ की फिरौती मामले में रिमांड पर है बदमाश

हनुमानगढ़। टाउन थाना में कॉन्स्टेबल की राइफल से गोली चल गई। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। यह गोली उस समय चली, जब फिरौती के मामले में रिमांड पर चल रहा हार्डकोर बदमाश रितिक बॉक्सर नहा रहा था। उसी दौरान कॉन्स्टेबल की एसएलआर राइफल से गोली चल गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सीआई दिनेश सारण ने बताया कि 29 जून की दोपहर में थाने में तैनात कॉन्स्टेबल राकेश ढाका की एसएलआर राइफल से गोली चल गई। गोली चलने की सूचना मिलने पर हम सभी मौके पर पहुंचे और इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। एसपी सुधीर चौधरी ने कॉन्स्टेबल राकेश ढ ाका को लाइन हाजिर कर दिया है। हार्डकोर बदमाश रितिक बॉक्सर के नहाने की बात पर सीआई ने बताया कि बॉक्सर नहा रहा था, लेकिन उसकी सुरक्षा में राकेश ढ ाका तैनात नहीं था। उसके लिए पुलिस ने अलग से कमांडो और टीम तैनात की हुई है। कॉन्स्टेबल राकेश थाने में ही संतरी के रूप में तैनात है। उन्होंने बताया कि गोली लापरवाही से चली या जानबूझकर चलाई गई, इसकी जांच उच्चाधिकारी कर रहे हैं।

बदमाश रितिक बॉक्सर को प्रेक्षा विहार, विजय सिनेमा के सामने, हनुमानगढ़ टाउन निवासी डॉ.पारस मल जैन (75) पुत्र दुलीचंद जैन को 1 करोड़ की रुपए की फिरौती के लिए धमकी देने के मामले में रिमांड पर लिया है। डॉ. पारस मल ने 27 जनवरी को टाउन थाना में मामला दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि 26 जनवरी को उनके मोबाइल फोन पर वॉट्सऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने स्वयं को अनमोल बिश्नोई तथा लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और 1 करोड़ की फिरौती मांगी। फोन करने वाले ने रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। मामले में टाउन पुलिस ने उसको जिला जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया था। थाना प्रभारी दिनेश सारण के अनुसार फिरौती के इस मामले में रितिक बॉक्सर समेत 5 बदमाशों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले रहमान उर्फ बबलू (18) पुत्र भार अली निवासी वार्ड पांच नई खुंजा, हनुमानगढ़ जंक्शन, चंदन सिडाना (19) पुत्र राकेश कुमार अरोड़ा निवासी सहजीपुरा, हनुमानगढ़ हाल मां अम्बे वैली कॉलोनी हनुमानगढ़ जंक्शन, डॉ. जैन की रैकी करने वाले मणिशंकर उर्फ मणिया उर्फ मणिसिंह (46) पुत्र गुरदेव सिंह निवासी वार्ड 1, गांव सतीपुरा को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है। पुलिस ने मामले में एक बाल अपचारी को भी डिटेन किया था।

बीकानेर जेल में बंद मणिशंकर को टाउन पुलिस 23 जून को प्रोडक्शन वारंट पर हनुमानगढ़ लाई और गिरफ्तार किया था। टाउन पुलिस थाना प्रभारी दिनेश सारण ने बताया कि पीसी रिमांड के दौरान मुख्य आरोपी रितिक ठाकुरवानी उर्फ रितिक बॉक्सर (22) पुत्र किशनचन्द सिंधी निवासी मालवीय नगर (जयपुर) से हुई पूछताछ में खुलासा हुआ था कि रितिक के गुर्गे मणिशंकर ने फिरौती मांगने के लिए डॉ. पारस के नाम का सुझाव दिया था।

करंट से सौ भेड़-बकरियां मरी

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी पंचायत समिति के निकटतम ग्राम पंचायत सिधासवा चौहान में एक गरीब परिवार देवासी के खेत में 11 केवी विद्युत तार टुटने से बाडे में खडी बकरीया एवं भैडे करंट लगने से एक साथ जलकर मर गई। सूचना पर तहसीलदार विकास कुमार, प्रधान बिजलाराम चौहान, हनुमानराम चौधरी,सरपंच प्रतिनिधि केसर गढवीर,पटवारी भूराराम भील मौके पर पहुंचकर जायजा लेकर कार्यवाही शुरू की। सिधासवा चौहान बारुडी निवासी प्रतापाराम पुत्र ओखाराम देवासी के खेत के अन्दर से गुजर रही मुख्य विद्युत लाइन का तार अचानक टुटकर पास में घर कनेक्शन लाईन पर जाकर गिर गया । मुख्य लाइन का तार भारी होने के कारण घरेलू कनेक्शन तार भी टुट गया। तार टुटने से खेत के अन्दर बाडे में बैठी पचास बकरीया एवं दर्जन भर भैडे करंट लगने से एक साथ जलकर मर गई । सुचना पर तहसीलदार विकास कुमार मौके पर पहुंचकर पटवारी एवं पशु चिकित्सा विभाग टीम को पोस्टमार्टम तथा रिपोर्ट बनाने के आदेश दिए। सरपंच प्रतिनिधि केसर गढवीर ने बताया कि प्रतापाराम देवासी का गरीब परिवार होने के साथ इनका भरण पोषण इन भैड,बकरीया पर होता था।

प्रेमिका बोली अब नहीं रखना तुमसे संबंध, प्रेमी ने की हत्या

- गौशाला में छिपा मिला आरोपी
- आशा की बॉडी अपने पीहर में कच्चे कमरे में खून से लथपथ मिली थी

पाली, (नि.सं.)। पाली के सदर थाने क्षेत्र में 25 साल की गर्भवती आशा रेबारी की निर्मम हत्या का मामला पाली पुलिस ने 12 घंटे भीतर खोलते हुए उसके प्रेमी को देर रात दस्याब किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आशा उससे आगे किसी तरह का संबंध नहीं रखना चाहती थी। इस बात से नाराज होकर आरोपी महेश धोबी ने चाकू से कई वार कर उसकी हत्या कर दी और घटना स्थल से चंद कदमों की दूर स्थित गौशाला में छुपकर बैठा रहा। जिसे पुलिस ने झुंझुनूं के उदयपुरवाटी निवासी 27 साल के महेश पुत्र हनुमानप्रसाद धोबी को दस्तयाब किया है।

गत 1 जुलाई की देर शाम को पाली के सदर थाने के निकट गौशाला के पास एक कच्चे कमरे में 25 साल की आशा पत्नी भाखरराम रेबारी पुत्री पिताराम की बॉडी अपने पीहर में कच्चे कमरे में खून से लथपथ मिली थी। जिसकी सब्जी काटने का चाकू से कई वार कर हत्या की गई थी। मामले में सीओ सिटी अनिल सारण, कोतवाल रविन्द्र सिंह खीची के नेतृत्व में टीम जुटी रही।

पिताराम रेबारी ने शनिवार देर रात को गौशाला में कॉल कर दूध मांगा ताकि घर में भूखे बच्चों को पिला सके। गौशाला में काम करने वाला युवक गाय का दूध निकालने गया तो वहां एक युवक को देख डर गया। उसने पिताराम सहित अन्य को गौशाला बुलाया और सदर थाने में गौशाला में चोर होने की सूचना दी। रात्रि में गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल मानसिंह मयजाप्ता मौके पर पहुंचे। युवक को ललकारते हुए बाहर बुलाया। जैसे ही युवक का चेहरा पिताराम की छोटी बेटी ने देखा तो चिल्ला उठी कि यही आशा दीदी से मिलने आया था। इस पर पुलिस उसे दस्तयाब कर थाने लाई। जिससे पूछताछ जारी है।

आरोपी महेश धोबी करीब चार साल पहले मानपुरा भाकरी में एक भवन में टाइल्स का काम करता था। यहां आशा साफ-सफाई का काम करती थी। जिसे महेश धोबी ने अपनी दोस्ती के जाल में फंसा दिया। करीब दो साल पहले आशा की शादी तोगावास निवासी भाकरराम रेबारी से हो गई। तब उसने महेश से संबंध तोड़ने का फैसला कर लिया। लेकिन फोन कर वह उसे बार-बार मिलने का दबाव डालने लगा। गर्भवती होने पर करीब 2 माह पहले आशा पाली में अपने पीहर आई। यह बात पता लगने पर महेश कॉल कर उसे आखिरबार मिलने का दबाव डालने लगा। इस पर दोनों 1 जुलाई की शाम को सदर थाने के पास गौशाला के निकट स्थित अपने मिले। घटना के समय आशा घर पर अकेली थी। इस दौरान महेश ने उसे अपने प्यार का हवाला देते हुए संबंध आगे भी रखने की बात कही।

समय रहते समाधान नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन : बिजलाराम चौहान

गुड़ामालानी में भारतीय किसान संघ के धरना प्रदर्शन को लेकर जन संपर्क किया।

गुड़ामालानी, (निसं)। बिजली विभाग की कार्यशैली के खिलाफ जारी धरने के समर्थन में धरने के नौवें दिन भारतीय किसान संघ गुड़ामालानी के बैनर तले विशाल आंदोलन के तैयारियों को लेकर भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल, प्रान्त बीमा एवं बैंक प्रमुख गोविन्द चौहान, धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा, गुड़ामालानी तहसील अध्यक्ष खेताराम सियाग और गुड़ामालानी पंचायत समिति के प्रधान बिजलाराम चौहान द्वारा ग्राम इकाईयों की बैठकों के माध्यम से गांव गांव जनसम्पर्क किया गया।

भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा हैं और बार बार विद्युत कटौती, जर्जर खंभों को बदलने की मांग, जले हुए ट्रांसफार्मर बदलने के लिए विभाग का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। लेकिन सामग्री न होने का बहाना बनाकर टरकाया जा रहा हैं। जबकि यही विभाग पुरे लवाजमें के साथ बॉयलर ले जा रहे भारी वाहनों को पार करवाने के लिए घंटों विद्युत कटौती करके उसकी सेवा में लगा रहता हैं। जिसका कारण हैं कि कंपनी द्वारा उसकी सेवा के बदले में ऊपरी मेवा जो मिल रहा हैं। लेकिन अधिकारीयों को ध्यान रखना चाहिए कि सरकार उनको वेतन किसानों की सेवा के लिए देती हैं।

गुड़ामालानी प्रधान बिजलाराम चौहान ने बताया कि आंदोलन की रुपरेखा को लेकर विभिन्न गावों का दौरा करके जनसंपर्क किया हैं, प्रशासन द्वारा गत दिवस धरने के आठवें दिन प्रथम बार बुलावा आया। लेकिन समाधान के किसी फॉर्मूले के अभाव में पहले दौर की वार्ता विफल रही थी, विद्युत विभाग भ्रष्टाचार के दल दल में डूबा हुआ हैं। इसलिए समाधान का फॉर्मूला देने के बावजूद उसपर अमल करने के बजाय टालमटोल करने में लगा हुआ हैं। हमने मांग की थी कि मेघा हाईवे को क्रॉस करने वाली समस्त विद्युत लाईनों को भूमिगत कर दिया जाये। जिससे भारी वाहनों को पार करवाने के लिए बार बार की जाने वाली विद्युत कटौती से आमजन को राहत मिल जाएगी। भारतीय किसान संघ के धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा ने बताया कि जनसंपर्क के तहत डबोई, शिवजी का मंदिर, मंगलासर, महादेव मगरा, चैनपुरा, खोथावास, अरणियाली, पांडव नगर, पल की बेरी एवं जाखरडा ग्राम इकाई की बैठक लेकर समस्त किसान भाईयों को किसान भाईयों से आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आव्हान किया। गुड़ामालानी में समस्त ग्राम इकाइयों की संयुक्त बैठक करके आंदोलन के लिए जनसंपर्क किया गया।

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के संभाग प्रचार प्रमुख प्रह्लाद सियोल, प्रान्त बीमा एवं बैंक प्रमुख गोविन्द चौहान, धोरीमन्ना तहसील अध्यक्ष ठाकराराम हुड्डा, गुड़ामालानी तहसील अध्यक्ष खेताराम सियाग और गुड़ामालानी पंचायत समिति के प्रधान बिजलाराम चौहान उपस्थित रहे।

हथियारबंद बदमाशों ने ऑफिस में घुसकर प्रॉपर्टी कारोबारी के पैर में दो गोली मारी

एक करोड़ रु. फिरौती के लिए चौरड़िया पेट्रोल पंप स्थित पूजा एंटरप्राइजेज़ के ऑफिस में हुई वारदात

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सांगानेर स्थित मालपुरा गेट इलाके में रविवार दोपहर चौरड़िया पेट्रोल पंप स्थित ऑफिस में बैठे प्रॉपर्टी कारोबारी गणेश चौधरी और उसके तीन साथियों को हथियार लेकर आए तीन बदमाशों ने 2 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट की।

इस दौरान बदमाशों ने कारोबारी से एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। कारोबारी ने रुपए देने में असमर्थता जताई तो बदमाशों ने

- **आरोपियों ने प्रॉपर्टी कारोबारी को बंधक बनाकर रिश्तेदारों से रकम मंगवाई**
- **पैसे नहीं मिलने पर हमलावर प्रॉपर्टी कारोबारी की कार ले भागे, जिसे बीच रास्ते में छोड़ा**

उसके दोनों पैरों में तीन गोली मार दी। दो गोली प्रॉपर्टी कारोबारी की जांघ में लगी और एक छूकर निकल गई। जाते समय बदमाश कारोबारी की कार ले गए।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाज के लिए घायल प्रॉपर्टी कारोबारी को एस.एम.एस अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से परिजन फोर्टिस अस्पताल लेकर चले गए। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है।

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने रविवार को अस्पताल पहुंचकर फायरिंग में घायल हुए प्रॉपर्टी कारोबारी गणेश चौधरी से कुशलक्षेम पूछी।

सी.सी.टी.वी. कैमरे में कैद हुई संदिग्ध बदमाश की तस्वीर।

बदमाशों ने पीड़ित कारोबारी की कार सुमेर नगर के आसपास छोड़ दी।

पुलिस ने पर्चा बयान लेकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है बदमाश प्रॉपर्टी डीलर से करीब 50 हजार रूपए की नकदी भी छीन ले गए। पुलिस अब घटनास्थल के आस-पास कैमरों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश में जुटी है। वीडियो फुटेज में एक युवक संदिग्ध दिखा है। घटना की सूचना पाकर सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द बदमाशों को पकड़ने की मांग की। थानाप्रभारी सतीश चन्द ने बताया कि हाज्यावाला निवासी गणेश चौधरी (38) का चौरड़िया पेट्रोल पंप पर पूजा एंटरप्राइजेज के नाम से ऑफिस है। दोपहर करीब 2 बजे वह तीन साथियों के साथ बैठा था। तभी 3 बदमाश ऑफिस में घुसे और सभी को बंधक बनाकर मारपीट कर मोबाइल तोड़ दिए। करीब 2 घंटे बाद बदमाश उसके पैरों में गोली मारकर भाग गए। जानकारी के अनुसार गणेश के बताए अनुसार उसका साथी और एक बदमाश रुपए लेने रिश्तेदार के पास रुपए लेने पहुंचे थे। बाइक साथी चला रहा था और बदमाश गन लगाकर पीछे बैठा हुआ था। रिश्तेदार ने अचानक 10 लाख रुपए देने से मना कर दिया। उसके बाद दोनों वापस ऑफिस आ गए थे।

थानाधिकारी सतीश चौधरी ने बताया पीड़ित गणेश ब्याज पर रूपए देने का काम भी करता है। वह रविवार दोपहर को अपने ऑफिस में बैठा हुआ था। तीन बदमाश दोपहर में ही उसके ऑफिस के पास आ गए थे। तीनों ने दो घंटे तक घटनास्थल के आस-पास रेकी की और शाम करीब 6 बजे ऑफिस में घुस कर वारदात को अंजाम दिया। तीन संदिग्ध लड़के बाइक पर और पैदल आते हुए कैमरे में कैद हुए हैं, जिनकी पहचान की जा रही है। बदमाश जाते समय पीड़ित की कार भी ले गए थे, जिसे 200 फीट बाईपास सुमेर नगर में सुनसान जगह पर छोड़ गए। पुलिस ने कार बरामद कर ली है। फायरिंग की घटना के बाद सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने पुलिस प्रशासन और सरकार की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाया। लाहोटी ने कहा कि सांगानेर में पुनः गोलीकांड हुआ है। कांग्रेस सरकार कुर्सी की लडाई में व्यस्त है, पुलिस-प्रशासन धंधों में व्यस्त है, अपराधी बेखौफ हैं और आमजनता त्रस्त है। अगर जल्द ही पुलिस ने हमलावरों को नहीं पकड़ा तो बड़ा जनआंदोलन किया जायेगा। लाहोटी ने अस्पताल पहुंचकर घायल गणेश नारायण से कुशलक्षेम पूछी व डॉक्टर्स से बात कर कर जल्द ऑपरेशन कर गोलियां शरीर से निकाल कर सुचारू इलाज के लिए कहा।

पत्नी से परेशान पति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के मालपुरा गेट इलाके में एक युवक ने पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर ट्रेन के आगे कूदकर मौत को गले लगा लिया। मृतक की जेब से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है। मालपुरा गेट पुलिस ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के पिता ने सुसाइड नोट के आधार पर बेवफा पत्नी सहित ससुरालवालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि हिण्डौन करौली निवासी प्रहलाद सैन (27) ने सुसाइड किया है। वह गोवर्धन नगर सांगानेर में किराए से रहकर सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। गत 29 जून को सुबह करीब 10 बजे वह शिकारपुरा स्थित रेलवे ट्रेक पर पहुंच गया। ट्रेन को आते देखकर उसने छलांग लगा दी। ट्रेन की टक्कर लगने से मौके पर ही प्रहलाद की मौत हो गई। सुसाइड की सूचना पर मालपुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौका-मुआयना कर मृतक की पहचान के बाद शव को महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस

- **मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट के आधार पर उसके पिता ने थाने में मामला दर्ज कराया**

ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक प्रहलाद की जेब में उसका मोबाइल, 200 रुपए और सुसाइड नोट मिला। मरने से पहले सुसाइड नोट लिखकर उसने जेब में रख लिया था। सुसाइड नोट में लिखा- साढू योगेन्द्र सैन, नगेन्द्र सैन व उसका साला मनमोहन व उनके घरवालों की साजिश की वहज से सुसाइड कर रहा हूं। मेरी पत्नी के भी साडू से नाजायज संबंध है। पत्नी और ससुरालवालों से परेशान होकर सुसाइड कर रहा हूं। मेरी मौत के जिम्मेदार इन लोगों पर कार्रवाई कर सजा जरूर दें। मृतक प्रहलाद के पिता भरोसी लाल ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है। शिकायत में बताया कि प्रहलाद ने उसकी पत्नी और साढू के अफेयर के बारे में घरवालों को बताया था। उनको पता नहीं था कि बात यहां तक पहुंच जाएगी।

सार-समाचार

डॉक्टर्स-डे की शाम रंगारंग कार्यक्रम

जयपुर । प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी की ओर से सी के एस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को जय क्लब में डॉक्टर्स डे की शाम ड्यून्स ऑफ राजस्थान फ़्यूज़न बैंड की रुहानी प्रस्तुति, बॉलीवुड सिंगर रवींद्र उपाध्याय के मस्ती भरे गीतों से एक यादगार शाम बन गई। सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ. विजय कपूर ने बताया कि यह डॉक्टर्स डे इवेंट का 16वां एडिशन था, जिसमें 1200 से अधिक डॉक्टर्स ने सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज की। डॉ. विजय कपूर ने बताया कि समारोह में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ सांईसेज के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा और सी के एस हॉस्पिटल के निदेशक डॉ प्रकाश चांदवानी ने भाग लिया। इस दौरान प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह के साथ प्रमुख डॉक्टर्स व अस्पतालों को सम्मानित किया गया।

'संस्कृति की रक्षा करने की जरुरत'

जयपुर । जयगुरुदेव बाबा उमाकान्त ने बताया कि लोगों की बुराइयों को दूर करने, चरित्र को बचाने, संस्कृति की रक्षा में लगने की है जरूरत परम संत बाबा जयगुरुदेव के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी संत बाबा उमाकांत महाराज के सानिध्य में जयपुर में चल रहे तीन दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम में अमेरिका दुबई सिंगापुर समेत कई देशों के साथ-साथ भारत के तमिलनाडु उडीसा बिहार मध्य प्रदेश दिल्ली गुजरात उत्तराखंड आदि राज्यों से भारी संख्या में गुलाबी वस्त्रों में आए भक्तों ने जयपुर को वास्तविक गुलाबी नगरी बना दिया है। बाबा उमाकान्त ने बताया कि यदि सतगुरु नहीं मिले, नाम की कमाई नहीं की तो ये अनमोल मानव जीवन व्यर्थ चला जायेगा। अपने आध्यात्मिक विकास में भी लगने की जरूरत है और उसके लिए पहले शाकाहारी नशा मुक्त रहने की जरूरत है। कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित सम्मान समारोह में आये सेनानिवृत न्यायाधीश व सैनिकों, अधिकारियों ने भी समारोह, संस्था के जीव कल्याण व समाज कल्याण के उद्देश्यों और भक्तों की सेवा भावना और अनुशासन की भी प्रशंसा की।

दुष्कर्म के बाद मारने की धमकी दी

जयपुर। प्रताप नगर पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ मारपीट, दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। प्रताप नगर पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करा दिया है। साथ ही उसके बयान कल कोर्ट के सामने भी दर्ज किए जाएंगे। पीड़िता का आरोप है कि प्रहलाद माथुर नाम के व्यक्ति ने पहले उसके साथ मारपीट की। फिर उसके साथ बलात्कार किया और अब उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। प्रताप नगर थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि सेक्टर 26 द्वारकापुरी के पास रहने वाली एक विवाहिता ने शनिवार शाम को थाने पहुंचकर शिकायत दी, शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका परिचित प्रहलाद माथुर उसके साथ मारपीट करता है। जबरन उसके मकान में घुसता है और उसके साथ बलात्कार करता है। पीड़िता ने जब इन सब चीजों का विरोध किया तो आरोपी अब उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। कई बार पीड़िता ने उसे यह सब करने से मना किया लेकिन आरोपी नहीं माना। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। मामला दर्ज होने की जानकारी मिलने पर आरोपी भाग गया है आरोपी के सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही हैं।

एक हजार विजिटर्स ने देखी प्रदर्शनी

जयपुर । होटल ग्रेंड उनियाना में आयोजित लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड ज्वैलरी शो का रविवार को समापन हो गया। काव्य इम्पैक्स व एमोर के सौजन्य में आयोजित इस एक्जीबिशन में पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने आयोजकों का उत्साहवर्धन किया। काव्या इम्पैक्स के डायरेक्टर ललित अग्रवाल ने बताया कि दो दिन में करीब एक हजार विजिटर्स ने ज्वैलरी की खूबियों के बारे में जाना। एमोर के एमडी अभिषेक डालमिया ने बताया कि महिलाओं को ग्रीन डायमंड की ज्वैलरी खूब पसंद आ रही है। अधिकतर महिलाओं ने अपने बजट के हिसाब से ज्वैलरी खरीदी। ललित चौधरी ने बताया कि लैब ग्रीन डायमंड ज्वैलरी का राजस्थान में पहला शोरूम इसी माह में जयपुर के सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया में काव्या इम्पैक्स के नाम से खोला जा रहा है। शोरूम पर 20 हजार से लेकर 20 लाख रुपए तक की लैब् ग्रीन डायमंड ज्वैलरी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि देश में नेचुरल डायमंड के साथ-साथ लैब ग्रीन डायमंड की ज्वैलरी सेल होती है, मगर केवल लैब ग्रीन डायमंड का शोरूम प्रदेश में पहला होगा।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर । हरमाडा पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस ने आरोपित के पास से पांच चोरी के दुपहिया वाहन भी जब्त किए गए है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने यह वाहन हरमाडा, करधनी, सदर, झोटवाडा और कालवाड़ थाना इलाके से चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित एक माह पहले ही जेल से बाहर आया है और फिर से वाहन चोरी की वारदात में लग गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) संजीव नैन ने बताया कि हरमाडा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर निखिल सिंह उर्फ निक्की(20) निवासी चिड़ावा जिला झुंझुनू हाल निवारू रोड करधनी जयपुर को गिरफ्तार कर पांच चोरी की बाइक बरामद की है।

हथियार बेचने की फिराक में घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन' तहत सांगानेर सदर पुलिस और जिला स्पेशल टीम दक्षिण (डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी पिस्टल को बेचने की फिराक में घूम रहे दो सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक देशी पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) योगेश गोयल ने बताया कि ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन' तहत सांगानेर थाना पुलिस और डीएसटी दक्षिण ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार देशी पिस्टल बेचने की फिराक में घूम रहे आरोपी दीपू कुमार वैष्णव (24) निवासी झापदा जिला दौसा और प्रभु दयाल मीणा (21) निवासी तुंगा जिला जयपुर को मुखबिर की सूचना पर

वाटिका रोड से गोविन्दपुरा जाने वाले रोड से गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध देशी पिस्टल और वारदात में प्रयुक्त एक बाइक बरामद की है। आरोपित यह अवैध हथियार मध्य प्रदेश से मंगवा कर जयपुर में सप्लाई करते है। आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त में बारे में पूछताछ की जा रही है।

नशे में धुत्त युवकों ने स्ट्रीट डॉग को पीटकर तीसरी मंजिल से नीचे फेंका

दीवार में लगे सरिया में फंसने से डॉग की आंते बाहर आई, एक घंटे तड़पने के बाद मौत

जयपुर (कासं)। चित्रकूट इलाके में चार युवकों ने एक कुत्ते की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। आरोपियों ने श्वान को तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। दीवार में लगे सरिये पर गिरने से उसकी मौत हो गई। मामला शुक्रवार देर रात करीब 1:30 बजे चित्रकूट नगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-1 का बताया जा रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद चेतक मार्ग, प्रताप नगर निवासी एनिमल लवर लाज जैन की ओर से एफ.आई.आर दर्ज करवाई गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त एक फीमेल डॉग इन युवकों के रास्ते में आ गई थी। इस पर वे इतना गुस्सा हो गए कि उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि चेतक मार्ग, प्रताप नगर निवासी एनिमल लवर लाज जैन ने रिपोर्ट में बताया

- **चित्रकूट नगर के सेक्टर-1 स्थित अपार्टमेंट की घटना, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

कि चित्रकूट नगर के सेक्टर-1 में स्थित एक अपार्टमेंट के थर्ड फ्लोर पर चार लड़के किराए से रहते है। शुक्रवार देर रात ये लड़के घर लौटे थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान ये सभी शराब के नशे में थे। फ्लैट पर जाते समय अपार्टमेंट के दूसरे फ्लोर की सीढ़ियों पर एक स्ट्रीट डॉग सो रही थी। इन्होंने इसको लातों से पीटा, इसके बाद एक लड़के ने उसे उठाकर बालकनी से नीचे फेंक दिया। लाज जैन ने बताया कि अपार्टमेंट से नीचे फेंकने के दौरान यह फीमेल डॉग पडौसी की दीवार पर लगे सरिये पर जा गिरी। सरिया घुसने से उसकी आंतें बाहर आ गईं। लहूलुहान हालत में इसने निकलने का प्रयास किया। डॉग के रोने की आवाज सुनकर आसपडौस के लोगों की नींद खुली। लहूलुहान हालत में डॉग को जमीन पर तड़पता पाया। करीब एक घंटे तक तड़पने के बाद उसकी मौत हो गई। नगर निगम को सूचित कर पांच बत्ती स्थित एनिमल हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उसका पोस्टमॉर्टम करवाया गया। लाज जैन ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 10 बजे फीमेल डॉग की हत्या के बारे में पता चला। अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो रात 1:33 बजे थर्ड फ्लोर पर रहने वाले चारों लड़कों की करतूत कैद मिली। फुटेज के आधार पर चित्रकूट नगर थाने में शिकायत दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्याम नगर के अयोध्या मार्ग पर फिर धंसी मुख्य सड़क

सड़क धंसने के कारण मुख्य मार्ग पर 14 फीट गहरा गड्ढा हुआ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । श्याम नगर इलाके में अयोध्या मार्ग पर रविवार सुबह मुख्य सड़क पर 15 फीट गहरा और 18 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। स्थानीय निवासियों की सूझबूझ से कोई जनहानि नहीं हुई। मजेदार बात यह है कि इस मार्ग पर बीते एक माह में तीसरी बार सड़क धंसी है।

श्याम नगर स्थित अयोध्या मार्ग पर रविवार सुबह करीब 10 बजे यह हादसा हुआ। सड़क धंसने के बाद

- **जर्जर सीवरेज लाइन के कारण बीते एक माह में तीसरी बार धंसी है सड़क**

स्थानीय निवासियों ने आसपास झाड़ियां और पत्थर लगाकर रास्ता रोका। इसके बाद जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मिट्टी के कट्टे डाल गड्ढा बंद कर दिया। उधर, नाराज स्थानीय निवासियों ने क्षेत्रीय विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास को शिकायत की है।

श्याम नगर विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुगलिया ने कहा कि जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम की लडाई का खामियाजा श्याम नगर की जनता को उठाना पड़ रहा है। अयोध्या मार्ग पिछले 1 महीने में 3 बार धंस चुका है। उन्होंने कहा कि पूरी कॉलोनी में 35 साल पुरानी सीवरेज लाइन है, जो कि लगातार लीक हो रही है। इसकी वजह से आए दिन सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो रहे है, लेकिन समझ नहीं आता कि प्रशासन कौनसे हादसे का इंतजार कर रहा है। ऐसे में

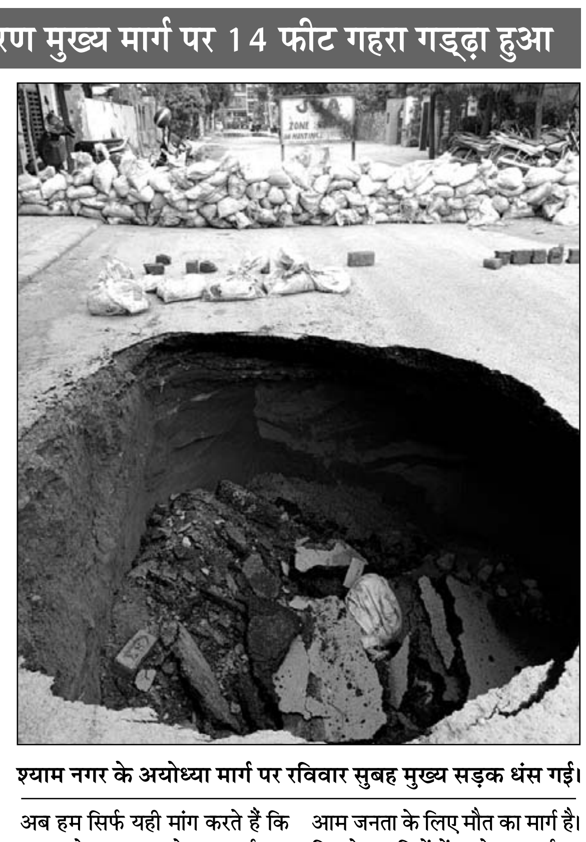

श्याम नगर के अयोध्या मार्ग पर रविवार सुबह मुख्य सड़क धंस गई।

अब हम सिर्फ यही मांग करते हैं कि जल्द से जल्द अयोध्या मार्ग पर सीवरेज लाइन को दुरुस्त करने की जगह नई लाइन डाली जाए, ताकि मौत को न्योता देती सड़क पर आम आदमी सुकून से चल सके।

गुगलिया ने कहा कि आज हमने क्षेत्रीय विधायक मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास से भी इस मामले को लेकर गुहार लगाई है। उन्होंने हमें विश्वास दिलाया है कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बदहाल हो चुकी सीवरेज लाइन को ठीक करने की जगह नई पाइप लाइन डाली जाएगी। ऐसे में जब तक नई पाइप लाइन नहीं डलती है, अयोध्या मार्ग आम जनता के लिए मौत का मार्ग है। पिछले 22 दिनों में अयोध्या मार्ग पर तीन बार गड्ढे हो चुके हैं। ये खड्ढे.इतने बड़े हैं कि ट्रक तक समा सकता है।

ज्ञात रहे कि 20 दिन पहले भी श्याम नगर में 10 और 18 जून को सड़क धंस चुकी है। गत 10 जून को सड़क में इतना बड़ा गड्ढा हुआ कि ट्रक उसमें समा गया। इसके बाद आनन-फानन में जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच गड्ढे में मिट्टी डाल उसे भर दिया था। फिर 18 जून को भी सड़क में गड्ढा हुआ। लेकिन जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने सिर्फ खानापूर्ति कर गड्ढा भर दिया।

नाहरगढ़ सेंचुरी में मादा लेपर्ड का शव मिला

जयपुर । राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ सेंचुरी के मायला बाग क्षेत्र में 5 से 6 साल की मादा लेपर्ड का शव मिला है। जो कि 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम शुरू कर दिया है। शुरुआती जांच में मादा लेपर्ड की मौत का कारण नेचुरल डेथ सामने आ रहा है। क्योंकि बारिश का दौर जारी है। ऐसे में ऊंचाई से गिरने से भी लेपर्ड की मौत हो सकती है। हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। दरअसल, रविवार सुबह वन विभाग की टीम नाहरगढ़ सेंचुरी एरिया में गश्त कर रही थी। तभी उन्हें पेड़ के नीचे मादा लेपर्ड का शव मिला, जो बारिश की वजह से डीकंपोज होने लगा था। ऐसे में वनपाल शंकर सिंह मीणा ने वन विभाग के स्टाफ के साथ लेपर्ड की बॉडी को रिकवर कर पांच बत्ती स्थित पशु चिकित्सालय में पहुंचाया। जहां फिलहाल मादा लेपर्ड का पोस्टमार्टम कर मौत के कारण का पता लगाया जा रहा है।

घरेलू नौकर ने की युवती से छेड़छाड़

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में घरेलू नौकर द्वारा युवती से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। सोते समय आरोपी नौकर नजर बचाकर मालकिन युवती के कमरे में घुस गया। छेड़छाड़ करने पर नींद खुलने पर युवती के विरोध कर शोर मचाने पर कमरे से भाग निकला। वैशाली नगर थाने में पीड़िता के भाई ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि वैशाली नगर निवासी एक युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनके घर पर पिछले करीब 2 साल से नौकर इदल सहाय काम कर रहा है। गत 21 जून को उसकी 19 वर्षीय बहन कमरे में सो रही थी। सुबह करीब 9:30 बजे नजर बचाकर आरोपी घरेलू नौकर बहन के कमरे में घुस गया और छेड़छाड़ की, चिल्लाने पर वह फरार हो गया।

बदमाशों ने व्यापारी से साढ़े 12 लाख रु. फिरौती वसूली

करधनी क्षेत्र में सड़क पर टहलते समय पीड़ित का अपहरण करके हरियाणा ले गए थे बदमाश

- **आरोपियों ने बिजनेसमैन को बंधक बनाकर 25 लाख रु. फिरौती मांगी, रकम नहीं देने पर जंगल में जिंदा जलाने की धमकियां दी**
- **बदमाशों ने दो दिन तक व्यापारी को टॉर्चर करके 3 बार में 12.50 लाख रुपए वसूले, इसके बाद परिवार को मारने की धमकी देकर छोड़ा**
- **छोड़ने के बाद भी बदमाशों ने फोन पर 10 लाख रुपये मांगे, इस पर पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दी**

जयपुर (कासं)। करधनी इलाके में हथियारबंद बदमाशों ने बिजनेसमैन का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर 25 लाख रुपये की डिमांड की गई। लाठी-डंडों से पीटते हुए धमकाया कि जंगल में जिंदा जला देंगे, लाश क्या हड्डियां भी नहीं मिलेगी। दो दिन तक टॉर्चर कर 12.50 लाख रुपए वसूलने के बाद परिवार को मारने की धमकी देकर छोड़ा गया। करधनी थाने में पीड़ित ने अपहरण और फिरौती वसूलने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि बाल विहार कॉलोनी झोटवाड़ा निवासी बिजनेसमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनका माइनिंग और स्टोन का काम कारोबार है। गत 8 जून की रात करीब 8:30 बजे वह खाना खाकर वॉक पर निकले थे, तब 206 बीघा जमीन के पास टहलते समय एक स्विफ्ट कार पीछे से आई। उस कार में बैठे बदमाशों ने गन पाइंट पर अपहरण कर लिया और हथियार के दम पर बंधक बनाकर उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी। पीड़ित ने बताया कि उसका अपहरण कर बदमाश उसे हरियाणा ले गए, जहां जमकर लाठी-डंडों से मारपीट कर 25 लाख की डिमांड की गई। तरह-तरह से टॉर्चर कर रिश्तेदार और दोस्तों से पैसे मंगवाने के लिए धमकाते। पैसे नहीं मंगवाने पर धमकाते जंगल में ले जाकर जिंदा मारकर जलाने की धमकियां दी।

बार-बार जिंदगी की भीख मांगने पर टॉर्चर कर दो दिन में बदमाशों ने रिश्तेदार-परिचितों को कॉल करवाकर तीन बार में 12.50 लाख रुपए वसूल लिए। पुलिस शिकायत करने पर पत्नी-बच्चों को किडनैप कर मारने की धमकी देकर छोड़ दिया। अपहरणकर्ता के चुंगल से छूटकर पीड़ित नारनौल से बस में बैठकर जयपुर अपने घर लौटा। इसके बाद बदमाशों ने गत 21 जून को दुबारा कॉल कर 10 लाख रुपये की डिमांड की। बदमाशों ने धमकी दी कि मेरे साथी गोली कांड में बंद है, उन्हें भेजने के लिए 10 लाख दो, नहीं तो तेरी पत्नी-बच्चों को उठा लेगे। बदमाशों की धमकियों से परेशान होकर पीड़ित ने करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

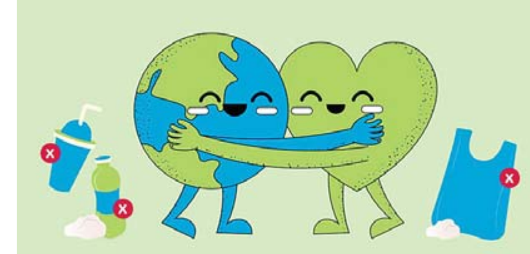

Plastic Free July

Recycling is emphasized everywhere, but there's not enough holiday to indeed enforce the idea of how easy it is to recycle. When it comes to plastic, plastic has become the number one product people use each day, despite how damaging it is to the environment. Plastic Free July is a holiday dedicated to teaching people about the dangers of plastic and challenges people to avoid plastic for a month. Make a point to avoid creating plastic waste, and substitute reusable, environmentally-friendly items like metal straws and water bottles or paper bags.

#J'ADORE

Rain Shouldn't Stop Your Style

Treacherous weather is no match for these picks.

As the seasons start to shift, now's the time to prepare for rain dominating the forecast. Most people associate rain with gloomy and dreary days. While there are certainly days like that, it doesn't have to be all bad!

Instead, think of it as an opportunity to show off your seasonal style with trendy raincoats, rain boots and umbrellas. Whether you want to go with a classic trench, a trendy jacket or a sporty coat for staying active in the rain, there's an affordable and functional option for every style.

Defender Coat

Wear this raincoat loose as is, or tighten at the hood, wrist and waist with the included elastic cuffs and drawcords for a more fitted feel. While this lightweight option lacks the layers others might have, it will keep water from lingering during spring and summer showers.

Townsend Trench Coat

When wind and rain work together to create a not-so-ideal day, turn to this jacket that will keep you protected from both elements, thanks to the two interior layers. "Stylish," "versatile" and "lightweight," you will love this jacket because it's easy to pack for unexpected showers.

Lightweight Packable Rain Jacket

You'll never have to worry about being caught in a downpour when you're traveling. This rain jacket from comes with a convenient carrying pouch that's small enough to fit inside a suitcase, backpack or purse.

Free People Jacket

This Free People jacket packs into itself, folding down into the rear pocket and can be stowed away for adventures on-the-go. With a more oversized fit, you can rest assured knowing you'll be completely covered from rain, sleet, wind and other harsh elements.

Sportswear Storm Jacket

Available in two colours, this Nike parka has a little length to it, ensuring you're totally protected from the rain. You will love this jacket because it's "very waterproof" and pockets are sizable enough for the essentials like your phone and wallet. We recommend sizing down, as this jacket comes very oversized.

Everlane Jacket

Keep it loose or cinch it up in this high-low Everlane anorak that features a drawcord. Made with 100 percent recycled materials sourced from plastic water bottles, shoppers also love how "adventure-y yet polished" this lightweight pick looks.

GENERAL ARUN S VAIDYA, MVC**

Of Khem Karan, Basantar, Operation Bluestar

In the battle of Chakra and Dehira, the going was difficult due to deep minefield and terrain. In a cool and confident manner, Brigadier Vaidya undertook the crossing through the minefield. He personally moved forward, disregarding personal safety. Through his inspired leadership, the armour pushed through quickly deployed itself to meet the enemy's counter-attacks. During the Battle of Basantar, he again displayed his professional skill and superb leadership. He got his tanks through one of the deepest minefields, expanded the Bridgehead and repulsed a strong enemy counter-attack. In this battle, 62 enemy tanks were destroyed. This is the historic battle in which Second Lieutenant Arun Kheterpal of Poona Horse was awarded the PVC.

Maj Gen Jagatbir Singh VSM (RETD)

#MEDALS

Undoubtedly, the most highly decorated and battle-hardened Chief of Army Staff was General Arun Shridhar Vaidya, MVC**, who was the Army Chief from 1983-1985. Renowned for his remarkable leadership skills, strategic acumen, and unwavering dedication, General Vaidya played a pivotal role in shaping the modern Indian Army. Throughout his illustrious career, he exhibited exceptional courage, resilience, and commitment, earning him numerous accolades and the respect of his peers and subordinates alike.

General Arun Shridhar Vaidya was born in Bombay on 27 July 1926 to Shridhar Balkrishna Vaidya, a Barrister and Indira Shridhr Vaidya. After his early education at Pune, ArunVaidya studied at Elphinstone High School in Bombay before joining Elphinstone College and later the MTB. Arts College at Surat, presumably moving due to his father's posting there as District Collector. At Elphinstone College, ArunVaidya joined the 1st Bombay Battalion of the University Training Corps (UTC) and was awarded the Best Cadet in 1942.

On 30 March 1944, he joined the Officers' Training School at Belgaum. He was then selected for the Armoured Corps and underwent further training at Ahmednagar where he received an Emergency Commission in the DECCAN HORSE on 20 January 1945 and was granted Regular Commission on 07 May 1945. In the Second Word War, he fought in the Burma Campaign with the 14th Army during the final months, including at the Battles of Meiktila and Rangoon.

DECCAN HORSE

In September 1948, General Vaidya was involved in Operation POLO as a member of the ad hoc Armoured Force organised from the Armoured Corps Centre and School. The force captured the Daulatabad Fort, Ellora Caves area and Parbhani. In 1958, he was selected to attend the Defence Services Staff College, Wellington, having secured a competitive vacancy. He was subsequently appointed Brigade Major of the 70 Infantry Brigade and served in this appointment in Ladakh during the Sino-Indian War in 1962.

On promotion to the rank of Lieutenant Colonel, he took over command of DECCAN HORSE, one of the oldest and illustrious Armoured Regiments. He commanded the Regiment in the Battle of Asal Uttar during the 1965 Indo-Pak War and 16 (Independent) Armoured Brigade in the Battle of Shakargarh during the 1971 Indo-Pak War. He was decorated with the Maha Vir Chakra twice - the first time in 1965 War and the second in 1971 War.

He is one of only six soldiers to have got the distinction till date. General Vaidya married Bhanumati nee Dharker on 05 December 1948 and had three daughters; Neeta Kochhar married to Brigadier Arun Kochhar, Parijat Belliappa married to DM Belliappa and Tarini Vaidya. His wife Bhanumati passed away peacefully on 26 January 2022.

From 06 to 11 September during the 1965 Indo-Pak War, DECCAN HORSE which was part of 2 (Independent) Armoured Brigade fought a series of actions in Asal Uttar and Cheema, in Punjab. As Commandant, Lieutenant Colonel Arun Vaidya was instrumental in stemming thrusts by Pakistani 1 Armoured Division in the battle of Asal Uttar and later at Cheema. During the fierce battles Indian forces repelled repeated attacks by Pakistani armour and infantry.

Indian troops held firm and the situation was stabilised by 10 September with heavy losses to Pakistani armour. The bravery of CQMH Abdul Hamid of 4 GRENADIERS and the outstanding handling of the armour by Brigadier TK Theograj Commander of 2 (Independent) Armoured Brigade and by Lieutenant Colonel (later Major General) Salim Caleb, Commandant of 3 CAVALRY and Lieutenant Colonel (later General) Arun Vaidya, Commandant of DECCAN HORSE prevented any enemy ingress and resulted in severe attrition of the attacking forces.

As a result, Pakistan Army's 1 Armoured Division, which was its pride, limped back to Kasur in after being ruthlessly battered. 9 HORSE played a crucial role in delaying the advance of the Pakistani armour on Asal Uttar-Cheema axis and inflicted heavy casualties on it.

Exceptional Leadership

Lieutenant Colonel Arun Vaidya showed inspiring leadership and remarkable resourcefulness in organising his unit and fighting against heavy odds and inflicted severe casualties on the Pakistan Army's Patton tanks. With untiring efforts and complete disregard for his personal safety, he inspired his troops by his personal example. He was instrumental to a large extent in stemming thrusts by enemy armour in the battle of Asal Uttar and later at Cheema and delivered effective blows to the enemy tanks. He earned his first Maha Vir Chakra for exceptional leadership during this battle.

On 21 July 1969, he was promoted to the rank of Brigadier and appointed Commander of 167 Mountain Brigade. Under him, the Brigade conducted operations against the Naga hostiles who were backed by China. Along with the leader, Mowu Angami, most of the hostiles were captured with their weapons and equipment. Brigadier Vaidya was awarded the Ati Vishisht Seva Medal on 26 January 1970. On 02 November 1970, he was appointed Commandant of the Armoured Corps Centre and School at Ahmednagar after which he was selected to raise 16 (Independent) Armoured Brigade at Pathankot.

General Vaidya earned his Second Maha Vir Chakra during the 1971 Indo-Pak War, while commanding 16 (Independent) Armoured Brigade in the Shakargarh Sector. The Battle of Basantar was fought from 15 to 17 December turned out to be one of the fiercest tank battles of the 1971 War. Brigadier Arun Vaidya displayed outstanding leadership.

As the Commander 16 (Independent) Armoured Brigade in 1971, he was deployed with the 54 Infantry Division. The Centurion Tanks' Brigade, had on its ORBAT 16 Light Cavalry, 4 Horse (Hodson's) commanded by Lieutenant Colonel (later Lieutenant General) RM Vohra, 17 Horse (Poona) commanded by Lieutenant Colonel (later Lieutenant General) Hanut Singh, 18 Rajputana Rifles (Topas APC) and 90 (Independent) Reconnaissance Squadron (17 Horse) with AMX-13 tanks.

Professional Skills

54 Infantry Division's advance was planned to be between the Basantar and Karir rivers. The night of 05 - 06 December saw the start of the advance. For Indian tanks and men to reach their targets, including Barapind-Jarpal, they had to cross at least three minefield lines that Pakistan Army had set up. Brigadier Vaidya along with the 9 ENGINEER REGIMENT, whose Commanding Officer was Lieutenant Colonel (later Lieutenant General) BT Pandit, took the responsibility for the trawling and clearing operations. The advancing forces encountered fierce resistance to the East of the Zafarwal-Dhamtal line at Dehira and Chakra, not only from the mines but also from heavily constructed Infantry positions with concrete bunkers.

Brigadier Vaidya, moved his Brigade swiftly to get to grips with the Pakistan Army and took the enemy tanks by surprise. Employing his tanks relentlessly and aggressively, he helped the Division maintain constant pressure & momentum of advance against the Pakistan Army.

In the battle of Chakra and Dehira, the going was difficult due to deep minefield and terrain. In a cool and confident manner, Brigadier Vaidya undertook the crossing through the minefield. He personally moved forward, disregarding personal safety. Through his inspired leadership, the armour pushed through quickly deployed itself to meet the enemy's counter-attacks. During the Battle of Basantar, he again displayed his professional skill and superb leadership. He got his tanks through one of the deepest minefields, expanded the Bridgehead and repulsed a strong enemy counter-attack. In this battle, 62 enemy tanks were destroyed. This is the historic battle in which Second Lieutenant Arun Kheterpal of Poona Horse was awarded the PVC.

Throughout the war, General Vaidya displayed outstanding courage, great professional skill, indomitable will, foresight and imagination in fighting against the enemy in keeping with the best traditions of the Indian Army earning him his Second Maha Vir Chakra.

On 04 January 1973, Brigadier Vaidya was promoted to the rank of Major General and appointed General Officer Commanding (GOC) the elite 1 Armoured Division. On 01 April 1974 after command of the Division he moved to Army Headquarters as Director Military Operations (DMO). Promoted to the rank of Lieutenant General in January 1980, he held the appointment of Master General of Ordnance and later as the General Officer Commanding of 4 Corps before being elevated to the appointment of General Officer Commanding-in-Chief of Eastern Command in June 1981. His tackling of the insurgency problems in his command has been particularly praiseworthy. He was awarded the Param Vishisht Seva Medal (PVSM) in 1983 for distinguished service of the most exceptional order.

On 01 August 1983, General Arun Shridhar Vaidya was appointed as the Chief of Army Staff (COAS).

Exceptional Vision

During his tenure as Army Chief, he focused on modernizing the Armed Forces, enhancing combat readiness, and improving strategic capabilities. Under his visionary leadership, the Indian Army underwent significant reforms, adopting new technologies, refining doctrines, and strengthening defense infrastructure. He displayed exceptional vision and led the army with great determination and integrity. One of the most significant challenges Vaidya faced during his tenure was the growing militancy in Punjab to counter which the Army launched Operation Bluestar. He described the operation as the most difficult and painful decision of his career.

After more than forty years in service General Vaidya retired on 31 January 1986 to a quiet life in Pune. Tragically, on 10 August 10, 1986, his life was cut short when he was assassinated in Pune by Sikh militants.

The assassination of General Vaidya caused widespread shock and the nation expressed widespread condemnation of General Vaidya's assassination, mourning the loss of a highly decorated and esteemed military leader.

General Vaidya was posthumously awarded the Padma Vibhushan – India's second highest civilian honour – for his tireless service to the nation. Despite his premature departure, General Vaidya's contributions and legacy endure. As an outstanding military leader, General Vaidya's life exemplifies the values of courage, sacrifice, and commitment to the nation, serving as an inspiration to future generations of military leaders.

rajeshsharma1049@gmail.com

General Vaidya addressing audiences at an event.

General A S Vaidya's Wife; Bhanumati nee Dharker.

General AS Vaidya, Chief of the Army Staff presenting award to an army official during the Army Day Parade in Delhi on 15 January, 1984.

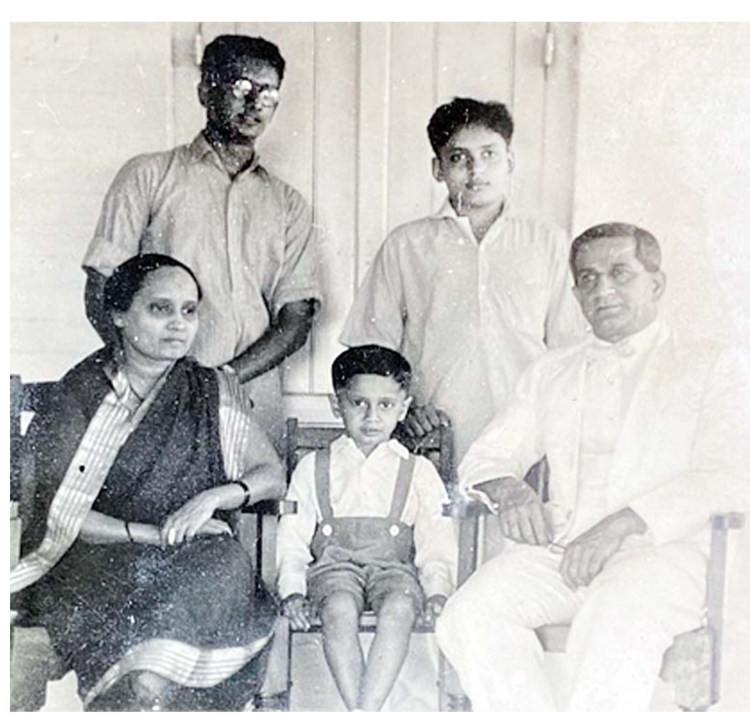

General Arun Shridhar Vaidya with his Parents and Brothers.

Source: Personal Archive of Gen Vaidya's daughter Neeta Kochhar

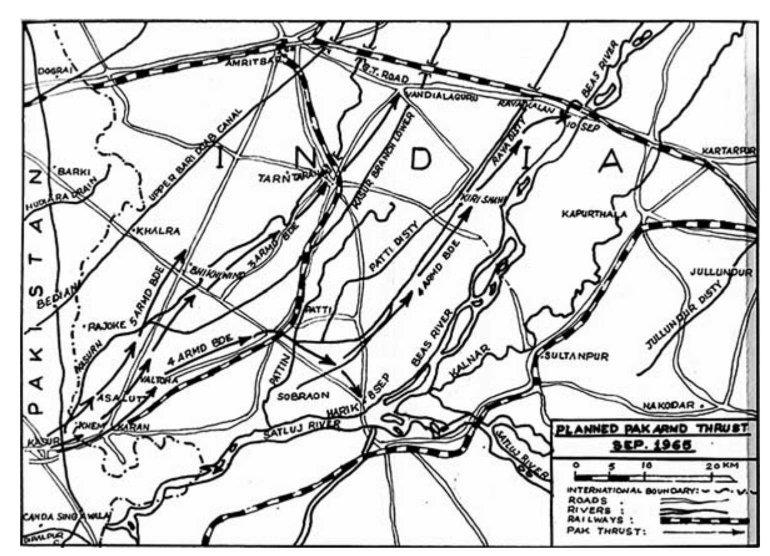

Battle of Khem Karan: Planned Pak Armoured Thrust, September 1965.

Source: S N prasad, UP Thapliyal. The India Pakistan War of 1965. (2011) Natraj Publication, New Delhi.

Listening to the ceasefire on a transistor radio at Dibbipura. From Left: Lt Col Arun Vaidya; Commandant Deccan Horse, Maj Reggie Christan; Brigade Major, Lt Col PC Mehta; Commandant 8 CAV, Lt Col Salim Caleb, Commandant 3 CAV, Col Salim Caleb; Brigadier TK Theograj, Commader 2 (I) Armd Bde; and a FAC.

General Arun S Vaidya, Mahavir Chakra and Bar, then Chief of the Army Staff, third from right, forefront, flanked by then Lieutenant General Krishnaswamy Sundarji, second from right, and then Major General Kuldip Singh Brar, fourth from right.

General Vaidya during Operation Bluestar.

#PET-CARE

Dog Dementia

Dogs who slow down physically also slow down mentally, according to a new study.

Measuring gait speed in senior dogs could be a simple way to monitor their health and to document decline in their neurological function as they age.

"Walking speed in people is strongly associated with cognitive decline," says Natasha Olby, chair in gerontology at North Carolina State University and corresponding author of the study. "We hypothesized that the same might be true in dogs."

Olby and her colleagues measured gait speed off leash in 46 adult and 49 senior dogs. The adult dogs, who served as a control group, only had their gait speed measured. The senior dogs did some additional cognitive testing and their owners filled out a cognitive assessment questionnaire, called the CADES questionnaire. A higher CADES score indicates more severe cognitive decline.

The senior dogs were grouped together based on their CADES and cognitive testing scores. Individual gait speed was measured first by walking them over a five meter distance on a leash with a handler, then by offering a treat the same distance away from the dogs, and calling them to retrieve it off leash.

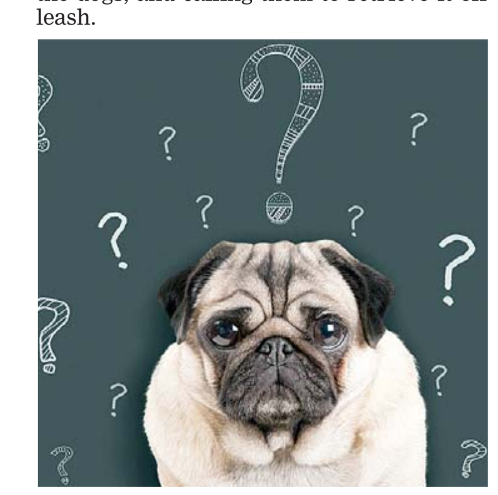

"The challenge with measuring gait speed is that dogs tend to match the speed of their handler when on leash, so we measured both on and off leash to see which was the most useful measure," Olby says.

"Additionally, we are always concerned that body size and limb length will affect gait speed-but if you see a Chihuahua and a Great Dane walking together off leash, the shorter one isn't always behind the other," Olby continues.

"We found that on leash, size does correlate with gait speed, but off leash it doesn't make a difference. Capturing gait speed off leash lets us see the effects of both physical ability and food motivation."

The researchers found that in the senior dogs, size didn't matter when it came to speed; in other words, dogs in the last 25% of their expected life span moved more slowly than adult dogs, regardless of relative size.

"Just as in humans, our walking speed is pretty stable through most of our lives, then it declines as we enter the last quarter or so of our lifespan," Olby says.

THE WALL

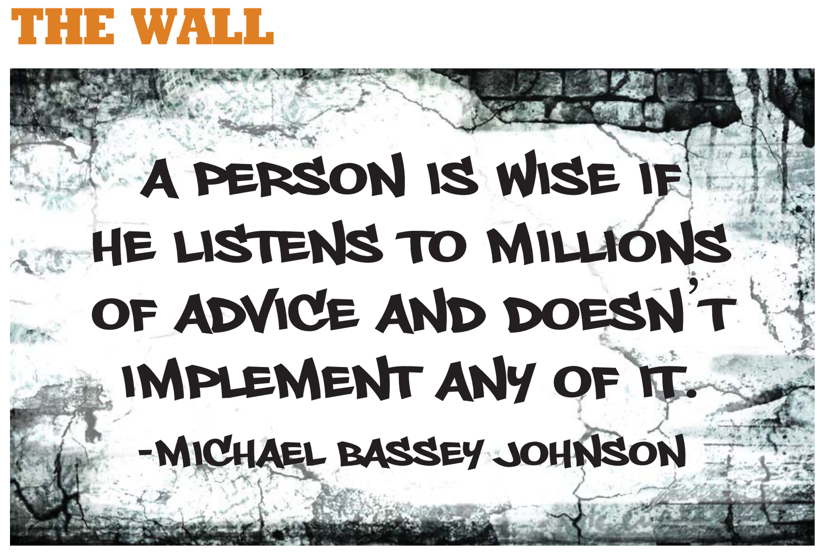

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

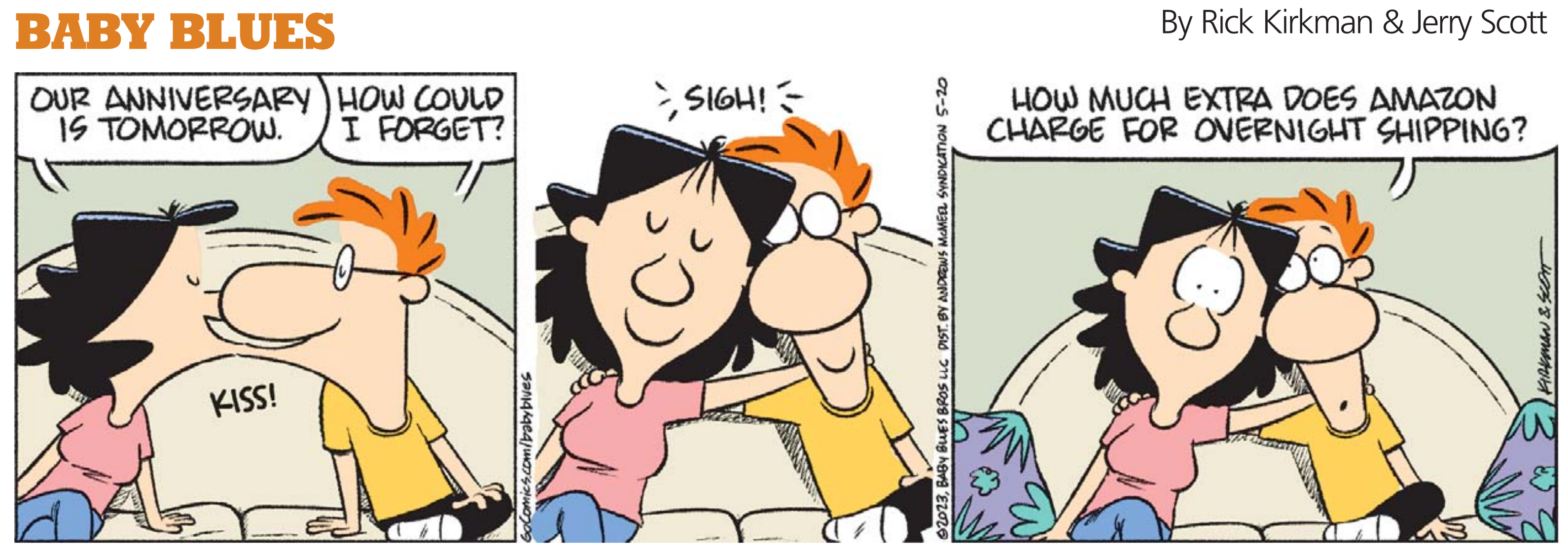

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

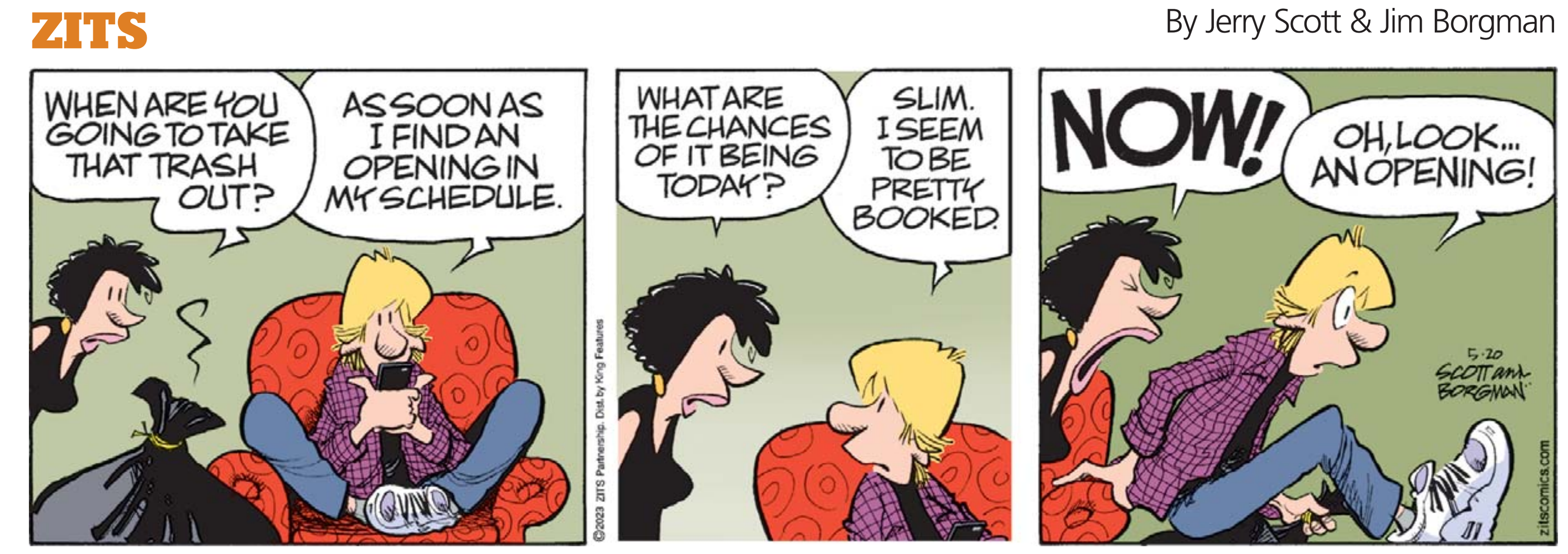

भीण्डर हॉस्पिटल परिसर में गिर रहा प्लास्टर और पानी

वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ है और परिसर में गंदगी फैली हुई है

भीण्डर, (निसं)। गंभीर बीमारियों का इलाज करने वाला हॉस्पिटल ही जब बीमार हो जाएं तो फिर क्या होगा। ऐसा ही हाल हैं भीण्डर के सरकारी हॉस्पिटल का। यहां छत से लगातार पानी टपक रहा हैं तो प्लास्टर नीचे गिर रहा है। वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ हैं तो पूरे परिसर में गंदगी फैली हुई है। अब ऐसे बीमार हॉस्पिटल में मरीजों का कैसे इलाज होगा और कैसे वो स्वस्थ होंगे।

उदयपुर जिले के सबसे बडे भीण्डर नगर के गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय सामान्य चिकित्सालय का भवन जीर्णशीर्ण होने से बडे हादसे का खतरा बना हुआ है। लेकिन ना तो चिकित्सालय प्रशासन ध्यान दे रहा हैं और ना ही जिम्मेदार जनप्रतिनिधि। चिकित्सालय परिसर के जननी वार्ड के बाहर पूरे परिसर में प्लास्टर के साथ-साथ पानी गिर रहा है। जिससे पूरे परिसर में पानी भरा हुआ होने के साथ भर्ती मरीज असुरक्षित महसुस कर रहे है। जननी वार्ड में भर्ती प्रसुताएं व नवजात बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है।

भीण्डर हॉस्पिटल में छत से टपकता हुआ पानी और क्षतिग्रस्त छत।

भीण्डर हॉस्पिटल के विभिन्न स्थानों पर टूट-फुट हो रही हैं, कई जगहों पर प्लास्टर उखड करके नीचे गिर रहा है। वहीं कई जगहों पर पानी लिकेज होकर पूरे भवन को खराब कर रहा है। वार्डों में भी स्थिति अच्छी नहीं है। वर्षों पूराने हो चूके भवन की मरम्मत के लिए सरकार से जारी होने वाला बजट का उपयोग भी नहीं हो रहा है। हॉस्पिटल के आपातकालीन प्रवेश द्वार का छज्जा पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो रही हैं और उससे प्लास्तर गिर रहा है। हॉस्पिटल परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं तो महिलाओं के लिए शौचालय बंद पडे हुए है। परिसर में नियमित सफाई नहीं होने से पूरे परिसर में गंदगी व्याप्त है। वहीं गत रात्रि को 8 बजे तक बिजली भी नहीं थी, तो आखिर सवाल ये उठता हैं कि इन अनियमितताओं पर बडे-बडे वेतन पाने वाले अधिकारियों पर कब कार्यवाही होगी और आमजन को राहत देने के लिए कब जरूरी कदम उठायें जायेंगे।

डॉ. संकेत जैन, बीसीएमओ भीण्डर ने बताया किभीण्डर हॉस्पिटल में वर्तमान में निर्मित हुए नये वार्ड की वजह से पानी टपक रहा है। इसको रोकने के लिए व्यवस्था की जायेगी। वहीं जहां-जहां प्लास्टर गिर रहा हैं उसकी मरम्मत भी करवाई जायेगी।

राजे ने सांवलिया सेठ के दर्शन किये, मीटिंग ली

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए व पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

मंडफिया, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समीपवर्ती अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल पर आयोजित चातुर्मास कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी। वहां आयोजित कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री राजे सायं 4 बजे, पूर्व कैबिनेट मंत्री चंद कृपलानी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मंडफिया पहुंची। यहां भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए।

दर्शन पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल वैष्णव के घर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। पूर्व अध्यक्ष वैष्णव कुछ दिनों पूर्व बीमार हो गए थे, जोकि अब घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। यहां पूर्व सीएम राजे का पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल वैष्णव, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, जीएसएस अध्यक्ष राजकुमार वैष्णव, रमेश चंद्र वैष्णव एवं विश्वास वैष्णव आदि ने उपरना, प्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। पूर्व सीएम राजे वैष्णव के घर लगभग 2 घंटे से भी ज्यादा समय तक रुकी और भोजन भी ठाहण किया।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री चंद कृपलानी, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला प्रमुख सुरेश धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम दक, चित्तौड़गढ़ के पूर्व सभापति सुशील शर्मा सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के तहत भदेसर उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर, भदेसर विकास अधिकारी सुनील कुमार जोशी, तहसीलदार गुंणवत लाल माली, मंडफिया थाना अधिकारी ओम सिंह चुंडावत सहित भारी पुलिस बल तैनात था।

राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया

जोधपुर, (कासं)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा की गुटबाजी की चर्चाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कई हमले भी किए। राठौड़ एक कार्यक्रम में शामिल होने जोधपुर आए थे। बीते दिनों जोधपुर के बालेसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में पूर्व विधायक बाबू सिंह के हाथ से माइक छीन लेने की घटना पर उन्होंने कहा कि बाबू सिंह भी हमारे हैं और गजेंद्र सिंह भी हमारे हैं। आप सिंहों में अंतर नहीं कर पाओगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस बात को गुटबाजी के रूप में नहीं लेना चाहिए। क्योंकि जब मुख्य अतिथि का भाषण के लिए नाम पुकारा जाता है तो उन्हीं का उद्बोधन होता है।इससे पहले उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। कहा कि जोधपुर का विकास मुख्यमंत्री कुछ नहीं करवा पाए। आज भी जब बारिश होती है तो यहां सबसे ज्यादा पानी का भराव होता है, ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है। उन्होंने हवाला दिया कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल कहते हैं कि जयपुर का विकास मंत्री और विधायकों की आपसी लड़ाई के कारण नहीं हुआ, लेकिन जोधपुर में तो किसी की लड़ाई नहीं फिर यहां विकास क्यों रोका गया।

उदयपुर की सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को मंच पर बोलने के लिए आमंत्रित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्य की दो बार की पूर्व मुख्यमंत्री है और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। राजस्थान में भाजपा उनसे अलग नहीं है। राजे सीएम चेहरा होंगी या नहीं इस सवाल पर उन्होंने कहा कि यह तय करने वाला सेंट्रल पार्लियामेंट्री बोर्ड है।

राठौड़ ने कहा कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच अगर भाजपा सरकार आती है तो निश्चित तौर पर करवाएगी। कांग्रेस ने दशोरा कमेटी की सिफारिशों को ही नजरअंदाज कर नई कमेटी बना दी। जो कि शिक्षक भर्ती घोटाले बाजों को पनाह देने जैसा है।

राठौड़ ने कहा कि महंगाई राहत कैंपों के नाम पर कांग्रेस सिर्फ आंशिक राहत दे रही है। बिजली के बिलों एक तरफ राहत देकर दूसरी तरफ फ्यूल सरचार्ज के नाम पर बड़ी वसूली की जा रही है। राठौड़ ने आरोप लगाया कि महिलाओं को स्मार्टफोन देने के नाम पर खैरात बांटी जा रही है। पहले एक करोड़ 33 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन देने के लिए ढाई हजार करोड़ का बजट रखा। यह बिल्कुल चुनावी खैरात की तरह ही है।

डीडवाना नगर पालिका ने 1996 में अपने ही खारिज पट्टों को दोबारा जारी किया

1996 में 10 पट्टों को किया था खारिज, उनमें से दो व्यक्तियों को दोबारा जारी कर दिए पट्टे

डीडवाना, (नि.सं.)। अक्सर भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को लेकर चर्चा में रहने वाली डीडवाना नगर पालिका का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। नगर पालिका ने उन जमीनों के पट्टे जारी कर दी है जिसे खुद नगरपालिका ने 27 साल पहले निरस्त कर दिया था। यही नहीं जिन भूमियों के पट्टे जारी किए गए हैं, उस पर नगरपालिका ने ही अपनी शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई थी, उसके बावजूद नगर पालिका ने नियमों को दरकिनार कर इन जमीनों पर पट्टे जारी कर दिए।

आपको बता दें कि यह मामला साल 1983 का है, जब खसरा नंबर 1255 की भूमि उपखंड अधिकारी के आदेश से आबादी में परिवर्तित करके डीडवाना नगर पालिका को स्थानांतरित की गई थी। इस जमीन में शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई गई। इसी खसरे के भूभाग पर जमाल नामक एक व्यक्ति ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया और उसके पुत्रों ने भी 3 बीघा से अधिक भूमि पर कब्जा कर लिया। इसके बाद इस भूमि का नियमन करने के लिए 10 पत्रावलियां तैयार कर नगर पालिका में पेश कर दी। हालांकि मौके पर कब्जा नहीं होने से तथा यह भूमि नगर पालिका को रिहायशी कॉलोनी के उद्देश्य से दिए जाने के कारण इन पत्रावलियों को खारिज कर दिया गया। लेकिन प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान वर्ष 1985 में तत्कालीन अधिकारी ने बिना किसी छानबीन किए ही नियमों के विपरीत जाकर इन पत्रावलियों के नियमन के आदेश जारी कर दिए।

- अपनी रिपोर्ट में नगरपालिका ने खुद माना था संबंधित व्यक्तियों को अतिक्रमी
- जिस जमीन पर जारी किए गए पट्टे वह नगर पालिका की शिवाजी नगर आवास योजना की भूमि है

इसके बाद यह मामला जिला कलेक्टर नागौर को प्रेषित किया गया, जिस पर जिला कलेक्टर ने एक निर्णय पारित करते हुए डीडवाना नगर पालिका को निर्देश दिए कि भूमि के नियमन संबंधी कार्यवाही नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एवं पुराने कब्जे का अभिलेख तथा अन्य साक्ष्य से सत्यापन करने के पश्चात इस मामले में गुण अवगुण के आधार पर विचार कर और अपने अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुनः आदेश पारित किया जाए।

जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना में अधिशासी अधिकारी ने 8 नवंबर 1994 को संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई हेतु नोटिस जारी कर अपने सबूत और साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा, मगर संबंधित व्यक्तियों द्वारा तय समय सीमा में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद नगर पालिका द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन और जमीन का भौतिक निरीक्षण किया गया। नगर पालिका ने अपनी जांच में यह पाया कि 1983 में जब यह भूमि नगरपालिका को हस्तांतरित की गई थी, उस वक्त यह खाली थी और यहां किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना हुआ था और जिस 3 बीघा से अधिक भूमि का नियमन करने के लिए पत्रावलियां प्रस्तुत की गई है, वहां भी किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना है। पूर्व में इस भूमि पर जमाल के पुत्रों को 10 प्लॉट के नियमन के आदेश 25 जनवरी 1985 को किए गए थे और तहसीलदार डीडवाना ने भी 7 जनवरी 1985 को अपने निर्णय में संवत 2020 से कब्जा होना बताया, जो नगरपालिका ने संदेहास्पद माना।

टोंक में 24 घन्टे में 14.82 एम.एम बारिश

टोंक, (निसं)। जिले में शनिवार रात को कई जगहों पर तेज बारिश हुई, तो कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। जिले में बीते 24 घंटे में 14.82 एम.एम बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा 47 एम.एम बारिश टोंक शहर और दूनी तहसील क्षेत्र में हुई। टोंक शहर में अच्छी बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा। लगातार बारिश के कारण मौसम में नमी बनी हुई है।

जिले में इस साल गर्मी के मौसम में भी सप्ताह भर कर अंतराल में ही कई तेज तो कई हल्की बारिश होती रही हैं। इसके चलते लोगों को ज्यादा दिनों तक गर्मी का अहसास नहीं हुआ। 15 जून से 1-2 दिन के अंतराल बारिश हो रही है। पहले बिपरजॉय और अब मानसून की बारिश से इन दिनों 1-2 दिन में ही बारिश हो रही है। पिछले दो दिन से जिले में 41.14 एम.एम बारिश हुई है। जिले में इस सीजन में अब तक 247.73 एम.एम बारिश हो गई है, जो औसत बारिश 38.64 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिले में 4 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं। जल संसाधन विभाग के नियंत्रण कक्ष प्रभारी नरेश गुर्जर ने बताया कि प्री मानसून की बारिश से बांधों में पानी की आवक बनी हुई है। विभाग के अधीन 30 बांधों में 43.15 प्रतिशत पानी आ चुका है।

बीसलपुर बांध में पानी की आवक शनिवार के मुकाबले कम हो गई है। बीसलपुर बांध परियोजना के एक्सईएन मनीष बंसल ने बताया कि बीते 24 घंटे में 1 सेंटीमीटर पानी बीसलपुर बांध में आया है। रविवार सुबह 6 बजे तक बांध का गेज 313.26 आर एल मीटर हो गया है।

समारोह में अनिता भदेल व द्रोपदी कोली आमने-सामने

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के वार्ड 44 में रविवार को अजमेर दक्षिण से भाजपा विधायक अनिता भदेल ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 28 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया, लेकिन यह शिलान्यास विवादो में आ गया है। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस की पार्षद व नेता प्रतिपक्ष द्रोपदी कोली ने शिलान्यास समारोह में पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया।

द्रोपदी कोली का आरोप है कि इस सड़क निर्माण कार्य प्रदेश सरकार की ओर से करवाया जा रहा है। विधायक अनिता भदेल वाह-वाही लूटने के लिये शिलान्यास कर रही है, जबकि वह कांग्रेस के वार्डो में विधायक कोष से कोई काम नही करवाती है, ओर शिलान्यास पट्टी लगाने में सबसे पहले पहुंच जाती है। शिलान्यास समारोह में विधायक अनिता भदेल ओर द्रोपदी कोली के कार्यकर्ता भी आपस में उलझते हुये नजर आये। द्रोपदी कोली शिलान्यास पट्टी को हटाने की मांग करने लगी। द्रोपदी कोली ने कहा कि इस सीसी सड़क निर्माण में विधायक भदेल की कोई भूमिका नही है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस तरह के शिलान्यास बोर्ड लगाने के लिये भी मना किये हुये है। बावजूद इसके भाजपा नेता बोर्ड लगा रहे है।

द्रोपदी कोली ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 10 करोड रूपये स्वीकृत किये थे, उसी के तहत यह सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिये विधायक द्वारा कोई अनुशंसा नही की गई है। फिर भी अनिता भदेल ने इस सड़क का शिलान्यास किया है, जिसका उन्होंने विरोध किया है। वही अनिता भदेल ने बताया कि मैं तो कांग्रेस के वार्ड में ही सड़क निर्माण करवा रही थी, लेकिन प्रतिपक्ष नेता द्रोपदी कोली तो उसी का ही विरोध कर रही थी। यह समझ से परे है तथा उन्होने कहा कि यदि मुख्यमंत्री स्वयं आकर उद्घाटन करते तो मुख्यमंत्री का नाम आना स्वाभावि है। जब मुख्यमंत्री आये ही नही तो शिलापट्टीका पर उनका नाम किस हशियत से लिखा जाये, क्योंकि हम भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूं तो जब उद्घाटन हमारें द्वारा किया गया है तो शिला पट्टीका लगाने पर इनकों एतराज क्यों है।

दो दिन बाद खुले बाजार

जोधपुर, (कासं)। केरू गांव के पुनिया की प्याऊ में दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को देखते हुए अस्थाई पुलिस चौकी लगाई गई है। यहां पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। दो दिन चले तनाव के बीच आज से यहां के बाजार खुल चुके हैं और फिलहाल यहां शांति है। थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि आज यहां पर शांति है बाजार खुल चुके हैं। दोनों पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए अस्थाई चौकी शुरू की गई है जहां पर पुलिस के जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे।बता दें कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर दोनों पक्ष शुक्रवार को आमने-सामने हो गए थे। इसी बीच पथराव शुरू होने के चलते दोनों पक्षों के बीच से 25 लोगों को चोट पहुंची थी। वहीं कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। बाद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को काबू किया।

कांस्टेबल ने पत्नी को गोली मारी

उदयपुर, (कासं)। पारिवारिक कलह के चलते कांस्टेबल ने पत्नी के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हादसे में घायल पत्नी को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक ने आरोपी कांस्टेबल को सस्पेंड किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे टीडी थाने में तैनात कांस्टेबल कारछा थाना खेरवाड़ा निवासी मुकेश पुत्र नीराकुमार सालवी ने अपने ससुराल नया गांव खेरवाड़ा पहुंच कर अपनी पत्नी खुशबू के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हमले में घायल खुशबू को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेजाकर भर्ती करवाया। इधर सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक ऋषभदेव हेरम्भ जोशी, खेरवाड़ा थानाधिकारी सबीर खान माय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपी की तलाश शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मुकेश व उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मन मुटाव चल रहा था। जिसके चलते खुशबू कुछ समय से अपने पीहर चली गई थी। रविवार सवेरे उठ कर बरसाली निकालने के बहाने चाबी से मालखाने का ताला खोल कर हथियार व कारतुस लेकर बच्चो को उदयपुर मिलने जाने के लिए थाने से सहकर्मी की कार लेकर अपने ससुराल नया गांव पहुंच कर वारदात कर फरार हो गया। आरोपी का पिता नीरा कुमार आएजी हेड कांस्टेबल होकर खेरवाड़ा पीटीएस में इस्टेक्टर है तथा एक भाई गोवर्धन विलास पुलिस थाने में तैनात है। घटना के बाद से पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी है।

नरेगा मस्टरोल में अंकित नाम काटने के मामले की जांच शुरु

- पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान द्वारा गठित कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार, सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीएल सिंगारिया हैं

मसूदा (निसं.)। मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र अधीन नयागांव ग्राम पंचायत की महिला सरपंच के ससुर द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर कार्यस्थल पर कार्य कर रहे श्रमिकों के नाम काटने वह सरपंच के नाम पर दबंगई करने आदि मामले को लेकर विकास अधिकारी फिरोज खान के आदेश पर जांच कमेटी गठित की गई है।

ज्ञातव्य है कि इस मामले को लेकर पीड़ित श्रमिकों ने पिछले दिनों मसूदा उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को ज्ञापन सौंपा था। पीडित श्रमिकों शारदा पत्नी श्री उस्मान जॉब कार्ड नंबर 1156, रेखा पत्नी श्री कमरूदीन जॉब कार्ड नंबर 1658, रमजान पुत्र श्री सुवा जॉब कार्ड नंबर 1154 सभी जाति मेहरात द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सरंपच के ससूर मनफुल द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर आकर मेघराज नामक मेट से मस्टररोल छीन कर श्रमिकों की हाजिरी काटने के साथ ही श्रमिकों को ग्राम पंचायत में किसी भी कार्यस्थल पर काम पर नियोजित करने सहित विभिन्न एलानिया धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले को लेकर पीड़ित श्रमिकों ने बताया कि एक ओर सरकार नरेगा में रोजगार दे रही है वही जनप्रतिनिधियों के परिजन अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप कर नरेगा कार्य पर अनाधिकृत रूप से आकर श्रमिकों के नाम काटकर सरकारी योजना में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे हैं।

पीड़ित श्रमिकों का कहना था कि इस संबंध में ग्राम पंचायत की सरपंच शबनम बानो को भी इस संबंध में जानकारी दी गई थी, परन्तु सरपंच ने भी यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली कि ग्राम पँचायत के सभी कार्य ससुर द्वारा किए जाते है। श्रमिकों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन को लेकर उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर ने जांच करवाने का आश्वासन दिया था। उपखण्ड़ अधिकारी द्वारा जाँच के दिए निर्देश के साथ ही मामला पँचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान के संज्ञान में आने पर इस मामले में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। जांच कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार ,सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीजाराम सिंगारिया को शामिल किया गया है। जांच कमेटी द्वारा पूरे मामले की जांच कर जांच रिपोर्ट पंचायत समिति के विकास अधिकारी को सौंपने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिरोज खान(आर आर डी एस) विकास अधिकारी पंचायत समिति मसूदा का कहना है कि संबंधित मामले की जांच करने के लिए 3 सदस्यीय जाँच कमेटी का गठन किया गया है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों की अनदेखी से औपचारिक बना राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड

बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

राजगढ़, (निसं)। पथ परिवहन निगम के अधिकारियों की अनदेखी की वजह से राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक मात्र बन गया है। बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विदित रहे कि राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के अथक प्रयास एवं क्षेत्रीय विधायक जौहरी लाल मीणा के सहयोग से वर्षों के बाद बस स्टैंड का संचालन शुरू हुआ। मगर अधिकारियों की देखरेख के अभाव एवं बस स्टैंड पर कर्मचारियों कमी की वजह से बसों का समुचित संचालन बाधित हो रहा है। गौरतलब है कि आमजन की पीड़ा के मध्य राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के प्रयास के बाद क्षेत्रीय विधायक ने बस स्टैंड का संचालन शुरू करवाया।

मूलभूत सुविधाओं से सज्जित बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए तमाम सुविधाएं हैं, मगर बसों के अभाव में

राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक बनने से यात्री बसों की सुविधाओं से महरूम हो रहें हैं।

यात्री भटकाव के दौर से गुजर रहा है। कस्बे के बस स्टैंड पर प्रातः 10 बजे के बाद अलवर मार्ग पर 2 बजे तक बसों की सुविधा नहीं है, सायंकाल 4 बजे बाद बस स्टैंड पर आवागमन इन्हीं दिनों बाधित हो गया है। राजगढ़ कस्बे के बस स्टैंड से मंडावर मार्ग पर एक बस प्रातः जाती है वहीं रेनी को एकमात्र बस सायंकाल 7 बजे के बाद जाती है।

दिनभर दोनों मार्गों की यात्रियों को जीपों में बैठकर मजबूरन यात्रा करना पड़ रहा है। ज्ञात रहे कि बस स्टैंड के शुभारंभ पर दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी, जिससे बारी बारी सायंकाल तक बसों का आवागमन संचालित था। इन दिनों बीमारी से ग्रस्त चालक को बस स्टैंड पर लगाने से चालक एवं परिचालक बेपरवाह हो गए है। यातायात प्रबंधक एवं यातायात निरीक्षक की ओर से यदा-कदा निरीक्षण नहीं होने के कारण बसों का आवागमन प्रभावित है। राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी ने पथ परिवहन निगम के अधिकारियों से राजगढ़ बस स्टैंड का संचालन शुरू करने एवं बुकिंग क्लर्क की नियुक्ति की मांग की है।

नवनिर्मित कक्षा-कक्षों का उद्घाटन

कोटपूतली, (निसं)। क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव रविवार को क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने ग्राम पंचायत भूरी भड़ाज स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धालेड़ा को महात्मा गांधी विधालय योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम में क्रमोन्नत होने एवं विद्यालय में विधायक कोष से नवनिर्मित दो कक्षा कक्षों का उद्घाटन किया।

इस दौरान आयोजित समारोह को सम्बोधित करते गृह राज्यमंत्री यादव ने कहा कि विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें सभी का सहयोग आवश्यक है। शिक्षा, सडक, बिजली, पानी व स्वास्थ्य का मुलभूत ढ़ांचा खड़ा होने के साथ-साथ आधुनिक विकास भी बेहद आवश्यक है। यादव ने कहा कि हम सभी को आपसी एकजुटता के साथ कोटपूतली को एक आदर्श जिला बनाना है। विराटनगर विधायक इन्द्राज गुर्जर ने भी विचार व्यक्त किये।

वहीं अध्यक्षता सरपंच कैलाश चंद स्वामी ने की। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत, पीसीसी मेम्बर नरसी गुर्जर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी, पूर्व सरपंच रामजीलाल स्वामी, सरपंच रोहित बांयला, भैंरू हुल्डा, बजरंग फतेहपुरा, कैलाश यादव, रमेश स्वामी, सुभाष स्वामी, पूरण वर्मा, नारायण यादव समेत अन्य मौजूद थे।

खैरथल में आबादी के बीच लगे टोल नाके को हटाने की मांग

खैरथल, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र खैरथल के बीच लगे टोल नाके पर रविवार को फिर धरना प्रदर्शन किया गया। किसान एवं खेती मोर्चा के प्रांतीय महासचिव एडवोकेट वीर नारायण यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से किसान एवं युवा इसमें शामिल रहे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि 10 किलोमीटर क्षेत्र में आने वाले गांव शहर सभी को निजी एवं किसानों के वाहनों को टोल मुक्त किए जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टोल नाका कर्मी एवं ठेकेदार के द्वारा

- **किसानों एवं युवाओं ने किया प्रदर्शन, मौके पर पहुंचे डीएसपी को ज्ञापन सौंपा**

खैरथल के बीच लगे टोल नाके पर बड़ी संख्या में किसानों एवं युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

झगड़ा मारपीट की जाती है एवं दादागिरी करके आसपास रहने वाले लोगों के टोल टैक्स अवैध रूप से वसूल करते हैं।

टोल नाके पर भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे डीएसपी जयप्रकाश बैनीवाल द्वारा समझाइश कर धरनार्थियों को वहां से हटने के लिए प्रयास के बाद एडवोकेट वीरनारायण यादव ने डीएसपी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा और धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। वीर नारायण यादव ने मांग रखी कि टोल टैक्स के 10 किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले गांव एवं क्षेत्रवासियों से तथा किसानों से टोल टैक्स लेना अनुचित है जिसे बंद किया जाए। टोल टैक्स कर्मी और ठेकेदार के द्वारा झगड़ा एवं मारपीट करने के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

टोल कर्मियों की ड्रेस कोड सुनिश्चित हो और सीसीटीवी कैमरे व लाइट की व्यवस्था हो, झगड़ालू स्वभाव के टोल कर्मियों को हटा कर सज्जन प्रवृत्ति के कर्मियों को नियुक्त किया जाए। इस अवसर पर महेश सैन पूर्व सरपंच, कबूल सूबेदार, भूप सिंह पूर्व एमपीएस, मनीष, राम सिंह, महेंद्र मास्टर, जयपाल, आरिफ, बबलू यादव, नवाब खान, ओमवीर यादव, निहाल यादव एवं सैकड़ों किसान एवं युवा शक्ति उपस्थित रहे।

गुरू पूर्णिमा महोत्सव आज

निवाई, (निसं)। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में सोमवार को गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव को लेकर चारभुजा नाथ मंदिर स्थित श्रीकृष्णानन्द सत्संग भवन व शिवाजी कॉलोनी स्थित श्री नर्बदेश्वर सत्संग भवन में ब्रह्मलीन श्रीकृष्णानन्दजी महाराज के अनुयायियों द्वारा सुबह से अखण्ड रामचरित मानस का पाठ का आयोजन किया गया। सोमवार की सुबह अखण्ड पाठों की पूर्णाहुति के बाद महाराजश्री की चरण-पादुकाओं की पूजा की जाएगी। सुबह से ही गुरू आश्रमों में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया जो शाम तक चलता रहा। इसी प्रकार अद्वैत आश्रम हरभांवता में संत बालकानन्दजी महाराज के सानिध्य में गुरू पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जएगा। श्रद्धालु शिवदयाल गुर्जर ने बताया कि गुरू पूर्णिमा महोत्सव को लेकर रविवार को जागरण का आयोजन किया गया। सोमवार दोपहर में स्वामी हीरानंदजी महाराज का गुरू भक्तों द्वारा अभिषेक व महाआरती कर पूजा की जाएगी। इसके बाद पंगत प्रसादी का आयोजन होगा। इसी प्रकार गांव करीरिया स्थित जूना अखाडा महामण्डेलेश्वर भजनानन्दगिरी आश्रम पर संत कर्मानन्दजी महाराज के सानिध्य में गुरू पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन होगा। श्रद्धालु गोविन्द हाकला ने बताया कि आसपास के जिलों के हजारों श्रद्धालु भाग लेगें।

सार-समाचार

हनुमान भक्त मंडल के संयोजक व थाना अधिकारी का सम्मान

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे में शनिवार को आयोजित विराट सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ में सामाजिक सरोकार को लेकर उल्लेखनीय योगदान देने के लिए हनुमान भक्त मंडल के संयोजक सेवानिवृत्त शिक्षक सत्यनारायण सेन व पुलिस थाना अधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ का सम्मान किया गया। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि सेन के द्वारा विगत 2 सालों में 101 मंदिरों में नियमित प्रत्येक शनिवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन करने के साथ-साथ हिंदू स्वाभिमान संस्थान के द्वारा 45 से अधिक मंदिरों में ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था करने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा सम्मान किया गया। संत मनोहर शरण दास पलसाना, महामंडलेश्वर ओमकार दास जी महाराज, चेतन दास जी महाराज, सतगिरी जी महाराज ,गुरु महाराज कालिया मंदिर श्री रामनाथ योगी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में सेन का सम्मान किया गया साथ ही स्थानीय थाना अधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ तथा अजीतगढ़ थाना अधिकारी सुनील कुमावत, अंबिका साउंड के ओम प्रकाश राणा ,दयाल टेंट हाउस के सुनील कुमावत का शॉल व श्रीफल ,दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। सम्मानित करने वाली संस्थाओं में विश्व हिंदू परिषद ,बजरंग दल, व्यापार मंडल, हिंदू जागरण मंच आदि प्रमुख थे।

शिवकुमार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

मंडावरी, (निसं)। गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण समाज देहात अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में शिवकुमार शर्मा बंधु को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। देहात गौड सनाढ्य ब्राह्मण समाज कार्यकारिणी का चुनाव जिला पर्यवेक्षक

जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किये गये। समाज के बुजुर्गों के मार्गदर्शन में देहात लालसोट तहसील के अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। सर्वप्रथम अध्यक्ष देहात तहसील अध्यक्ष पद के पद के लिए हुकम चन्द ने शिवकुमार शर्मा बन्धु का नाम प्रस्तावित किया गया। जिसका बनवारी लाल कोकरया ने समर्थन किया। समाज के लोगों की राय व सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन के बाद अध्यक्ष पद निर्विरोध निर्वाचित शिव कुमार शर्मा बधु को कार्यकारिणी निर्धारण हेतु अधिकृत करने के बाद संरक्षक पद पर राधमोहन मिश्रा डिडवाना गजानन्द पटाक किशनपुरा चिरंजीलाल खेड़ली मनोहर लाल त्रिवेदी बगड़ी ओमप्रकाश बिलोना कला बनवारी लाल को मनोनीत किया।

नई कार्यकारिणी का अभिनंदन

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। तहसील ब्राह्मण समाज की आम सभा का आयोजन नले वाले बाबाजी मंदिर परिसर में रविवार को किया गया। इस सभा में दौसा से कार्यकारिणी के अध्यक्ष वैध लक्ष्मी कान्त शर्मा, बाबूलाल शर्मा उपाध्यक्ष डिडवाना वाले रमेश शर्मा मोती लाल रमेश शर्मा एवं अन्य लोग मौजूद रहे। दौसा जिला अध्यक्ष वैध लक्ष्मी कान्त शर्मा ने कहा कि सभी समाजजनों को आपसी मनमुटाव भुलाकर सर्वसमति से तहसील कार्यकारिणी के चुनाव किया जाना चाहिए। जहां सर्व प्रथम तहसील अध्यक्ष के लिए प्रस्ताव के लिए कहा गया। दिनेश कुमार शर्मा सोनड ने अध्यक्ष के लिए पंडित घनश्याम तिवारी प्रस्ताव रखा। कमलेश शर्मा अमराबाद ने समर्थन किया और समस्त सदस्यों ने समर्थन किया। जिला अध्यक्ष वैध लक्ष्मी कान्त एवं सन्त रामदास महाराज ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सदस्यों का माला पहना कर स्वागत किया।

ईद मिलन समारोह का आयोजन

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान अधिकारी कर्मचारी मॉईनोरिटी एसोसिएशन मालपुरा के तत्वावधान में मालपुरा ब्लॉक के मुस्लिम अधिकारी कर्मचारी के सम्मान को लेकर उर्दू ब्लॉक विद्यालय में ईद मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ब्लॉक के मॉईनोरिटी अधिकारी कर्मचारियों ने एक-दूजे को ईद की मुबारकबाद दी तो संगठन की ओर से मुस्लिम अधिकारी कर्मचारियों का सम्मान किया गया। समारोह के पश्चात हुई बैठक में संगठन के विस्तार उर्दु ब्लॉक विद्यालय के विकास एवं शैक्षिक व सामाजिक मुद्दों पर आवश्यक चर्चा की गई। प्रदेश मंत्री असद मलिक, ब्लॉक अध्यक्ष मो.इस्लाम सहित वक्ताओं ने संगठन की मजबूती को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने की बात कही।

चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाया

मालपुरा, (निसं)। शहर के मौहल्ला सादात में चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाते हुए एक मकान में असफल रहे तो दूसरे मकान के ताले तोड़ अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पीड़ित मकान मालिक मो. अकलीम पुत्र ईकबाल अली ने दी रिपोर्ट में बताया कि शनिवार की रात परिवारजनों के साथ कूलर चला सो रहे थे। मध्य रात्री के बाद चोरों ने मकान व अलमारी के ताले तोड़ आभूषण चोरी किये। सवेरे जाग होने पर बिखरा सामान व टूटी अलमारी देख चोरी की वारदात की जानकारी सामने आई। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस टीम ने मौका रिपोर्ट तैयार कर चोरों की तलाश शुरू की। वहीं वार्ड नम्बर 11 में चोरों ने हज यात्री उर्फ शारीरिक शिक्षक मो. आरिफ के सूने मकान को देख घर में घुसकर चोरी का प्रयास किया। नकाबपोश लोगों के घर में घुसने पर चोरी के प्रयास का आभास होने पर मकान मालिक व रिश्तेदारों के चिल्लाने नकाबपोश युवक मौके पर नकाब का कपड़ा छोड भाग छूटे।

हरचंद गुप्ता अध्यक्ष बने

किशनगढ़ बास, (निसं)। महावर वैश्य सेवा समिति के संपन्न हुए चुनाव में हरचंद गुप्ता बंबोरा वाले लगातार दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। महावर वैश्य भवन में संपन्न हुए चुनाव में हरचंद गुप्ता बंबोरा वाले अध्यक्ष रिंकेश गुप्ता सचिव घनश्याम गुप्ता कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित किए गए।

कार्यकारिणी में बनवारी लाल गुप्ता संरक्षक सतीश गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता हरसाय गुप्ता मोतीलाल गुप्ता मांगीलाल गुप्ता उपाध्यक्ष दयाराम कचलिया सह सचिव पहलाद गुप्ता सह कोषाध्यक्ष मुकेश गुप्ता ओम प्रकाश वैद्य गिर्राज गुप्ता मदन लाल गुप्ता योगेश गुप्ता लालाराम गुप्ता वरिष्ठ सक्रिय सदस्य बनाए गए। इसके अलावा विशेष आमंत्रित सदस्य जगदीश प्रसाद गुप्ता सुकलाल गुप्ता बृज भूषण गोयल रामअवतार गुप्ता गिरधारी लाल गुप्ता ग्यासी राम गुप्ता संतोष गुप्ता एडवोकेट किशन लाल गुप्ता प्रेम गुप्ता शिव शंकर गुप्ता को शामिल किया गया है।

नगर कार्यकारिणी का गठन, सहाय अध्यक्ष बने

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित परशुराम मंदिर में रविवार को लालसोट नगर की गौड़ सनाढ्य ब्राह्मण सभा की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नगर कार्यकारिणी एवं निर्विरोध अध्यक्ष का निर्वाचन किया गया।

इस बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष वैध लश्रीकांत शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में लालसोट नगर की कार्यकारिणी का गठन एवं समाज की समस्याओं पर चर्चा की गई। इसी के साथ अध्यक्ष पद के लिए दो नाम का प्रस्ताव रखा गया पहला गोविन्द सहाय शर्मा बगडी वाले दूसरा महेश शर्मा बैंक वालों का नाम प्रस्तावित किया गया। आपसी चर्चा के बाद में महेश शर्मा ने अपना समर्थन गोविन्द सहाय शर्मा को देने के बाद सर्वसम्मति से उपस्थित गणमान्य समाज बन्धुओ गोविन्द सहाय शर्मा को लालसोट नगर का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचन किया गया। जिला कार्यकारिणी

लालसोट उपखंड मुख्यालय पर ब्राह्मण समाज की बैठक के दौरान निर्वाचित प्रतिनिधियों का स्वागत किया ।

के सदस्यों एवं उपस्थित समाज बन्धुओ ने अध्यक्ष शर्मा को जल्द ही अपनी कार्यकारिणी के गठन की जिम्मेदारी दी। उपस्थित समाज बन्धुओं ने एवं जिला कार्य कारिणी ने गोविन्द सहाय शर्मा को माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जगदीश तिवाडी अशोक उपाध्याय ओमप्रकाश झालानी ओम प्रकाश सूरतपुरा एडवोकेट प्रेमस्वरूप लामड़ा पुरखौतम जोशी सुरेश सेडुलाई शिवशंकर जोशी बल्या पवन शर्मा बिचपुरी जयप्रकाश कम्पाण्डर संजय उपाध्याय बनवारी लाल कोकरिया अजप हट्टिका ओमप्रकाश चतुर्वेदी रमेश बनियाना आदि ब्रह्म समाज के प्रतिष्ठावान लोग मौजूद रहे।

जागरण में उमड़ा सैलाब

खैरथल, (निसं)। खैरथल में पुरानी अनाज मंडी स्थित श्याम मंदिर में शनिवार की रात को आयोजित तृतीय जागरण एवं आम भंडारा में श्रद्धालु श्रोताओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जागरण में बाबा श्याम का भव्य दरबार का श्रंगार और छप्पन भोग मुख्य आकर्षण बना रहा। गायक कलाकारों कोलकता के शुभम् रुपम, जयपुर से साक्षी अग्रवाल, तिजारा से गौरवदत, अलवर से अशीष शर्मा, ने खचाखच भरे पांडाल में श्रोताओं को एक से बढ़कर एक भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

टोंक जिले के पीपलू प्रकरण में एसआईटी गठित

जयपुर, (निसं)। राजस्थान में टोंक जिले के थाना पीपलू में दर्ज शंकर मीणा हत्याकांड प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच के लिये मामला सीआईडी क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर मामले की जांच के लिए दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों समेत आठ पुलिसकर्मियों की एसआईटी गठित की गई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि टोंक जिले के पीपलू थाना क्षेत्र में हुए शंकर मीणा हत्याकाण्ड का अनुसंधान सीएमओ द्वारा सीआईडी सीबी को सौंपा गया है। प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच के लिए आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के सुपर विजन में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी व नेम सिंह जांच के लिए टोंक पहुंच चुके हैं। एमएन ने बताया कि हिनियस क्राइम मॉनिटरिंग यूनिट रेंज सैल अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेम सिंह को अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है। आठ सदस्यीय गठित एसआईटी में सीआईडी क्राइम ब्रांच से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के अतिरिक्त राजेश मलिक तकनीकी सहयोग के लिए शामिल किए गए हैं। इनके अलावा टीम में पुलिस निरीक्षक हनुमान सिंह, रविंद्र यादव व राम सिंह नाथावत, एएसआई रामकरण और कॉन्स्टेबल रतीराम को शामिल किया गया है। एसआईटी घटना के पहलुओं की जांच कर रिपोर्ट राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय को सौंपेगी।

90 युवाओं ने रक्तदान किया

मनोहरपुर, (निसं)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस व समाजसेवी श्याम लाल बराला की तृतीय पुण्य स्मृति में त्रिवेणी हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। त्रिवेणी हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम सोठवाल ने बताया कि रक्तदान से बड़ा पुण्य का कार्य कोई नहीं है।

शिविर में रजनीश बल्ड बैंक टीम ने 90 यूनिट रक्त एकत्रित किया, जिसमे कई महिलाओं ने भी रक्तदान किया। रक्तदाताओं का हौसला अफजाई करते हुए हेलमेट, पानी की बोतल, प्रमाण पत्र भेंट किए।

मंत्री जूली ने युवाओं को संबोधित किया

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को आगे बढाने में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा अपनी सक्रिय भूमिका निभाकर पार्टी को मजबूत करने की दिशा में निरन्तर उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

मंत्री जूली रविवार को होटल स्वरूप विलास में यूथ कांग्रेस की ओर से आयोजित यूथ जोडो बूथ जोडों पोस्टर के विमोचन एवं आगामी दिनों में लॉन्चिंग होने वाले बेहतर भारत की बुनियाद अधिवेशन के अवसर पर उपस्थित युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में युवा अहम कडी है। युवाओं की ताकत एवं डिजीटल तकनीकी इस युग में पार्टी की रीति नीतियों को आसानी से आमजन तक पहुंचाया जा सकता है।

इस अवसर पर मेवात विकास बोर्ड के अध्यक्ष जुबेर खान, राष्ट्रीय सचिव दीनबन्धू शर्मा, प्रदेश प्रभारी शाहिद खान, अजीत यादव, जिला अध्यक्ष कृष्ण यादव, सुधिन्दर मुण्ड सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुनि शुद्धसागर ससंघ का वर्षायोग के लिए मंगल प्रवेश

निवाई, (निसं)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में मुनि शुद्धसागर महाराज का सुबह बैन्डबाजों के साथ बिचला मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ।

जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला राकेश संघी ने बताया कि मुनि शुद्ध सागर रविवार को सुबह पहाडी चुंगी नाका पहुंचे जहां से गाजेबाजे के साथ रवाना होकर शहर में स्थित वैयरहाउस पर धर्म प्रभावना महिला मण्डल, जिन श्री महिला मण्डल, णमोकार महिला मण्डल, विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल, शांतिनाथ एवं शांतिसागर पाठशाला के बालक बालिकाओं, पारसनाथ महिला मण्डल द्वारा 51 रजत थालियों पर जयकारों से पादप्रक्षालन एवं आरती करके स्वागत किया। कार्यक्रम के तहत सभी महिलाओं ने रंगोली सजायी। जौंला ने बताया कि मुनि के जुलूस वहां से रवाना होकर बस स्टैंड होता हुआ बंपुई वालो की धर्मशाला पहुंचा जहां मुनिश्री ने भगवान चंद्र प्रभु के दर्शन किए।

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में मुनि शुद्धसागर महाराज का बैन्डबाजों के साथ बिचला मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ।

इस दौरान जुलूस प्रारंभ होकर बडा बाजार, तहसील रोड पर श्री दिगम्बर जैन बडा मंदिर पहुंचा जहां कमेटी द्वारा पादप्रक्षालन कर स्वागत किया। इसके बाद जुलूस सब्जी मंडी, बिलाला चोक होते हुए बिचला जैन मंदिर पंहुचा जहां जिनवाणी महिला मण्डल एवं चंद्र प्रभु महिला मण्डल की 108 महिलाओं ने 108 रजत थालियों मे मुनिश्री का पादप्रक्षालन कर सत्कार किया। इस दौरान सुपार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि मुनिश्री के चातुर्मास जुलूस मे बच्चे एवं महिलाएं एवं युवा वर्ग हाथो में जैन धर्म की ध्वज पताकाएं लेकर बेन्डबाजो की धुनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। जुलूस में सबसे आगे घोडिया, नगाडा एवं लवाजमा के साथ जैन मुनि संध एवं समाज के हजारों लोंगो ने भाग लिया। जुलूस में णमोकार जयधोष की महिलाओं ने बेण्डवादन कर अभिनन्दन किया। जुलूस कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर चातुर्मास प्रवचन सभा आयोजित की गई जिसमें सर्व प्रथम मंगलाचरण मघु जैन, खुशबू जैन एवं जिनवाणी पाठशाला के बच्चों ने नृत्य के साथ भजन की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में मुनिश्री का पादप्रक्षालन करने का सोभाग्य राजेन्द्र कुमार, कमलेश कुमार पाटनी के परिवार वालो को मिला। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य हुकमचंद पारसमल जैन को मिला। कार्यक्रम का संचालन महावीरप्रसाद पराणा एवं ज्ञानचंद सोगानी ने किया।

बूथ पन्ना प्रमुख सम्मेलन आयोजित

राजगढ़, (निसं)। भाजपा मंडल की बैठक की तुषार गार्डन में पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह पाटा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। इसमें मेरा बूथ सबसे मजबूत एवं बूथ पन्ना प्रमुख सम्मेलन का आयोजन किया गया।

वक्ताओं ने भाजपा की मजबूती के लिए बूथ प्रबंधन को महत्वपूर्ण बताया कि एक बैठक का आयोजन मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम का संयोजन भाजपा नेता बन्नाराम मीणा एवं अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राहुल दीक्षित ने की। मंडल महामंत्री अजय यादव ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भारत माता और महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। विस्तारक पवन कुमार ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी और कहां की आगामी 4 जुलाई को बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन मंडल स्तर पर किया जाएगा । सम्मेलन में भाजपा नेता बन्नाराम मीणा, विजय मीणा, सुनीता मीणा जिला महामंत्री शिवलाल मीणा अन्य भाजपा नेताओं ने संबोधित किया इसअवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया ,जिला उपाध्यक्ष प्रेम नाथ धामाणी, राजेन्द्र जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक बजाज, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, विधानसभा विस्तारक संतोष कुमार बैरवा, नंदकिशोर सैनी, रूप नारायण मीणा, किसान मोर्चा अध्यक्ष शिंभू दयाल सेनी,एस टी मोर्चा अध्यक्ष प्रेम नारायण मीणा सहित अन्य भाजपा पार्षद एवं मंडल के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोटरी क्लब सनराइज़ का पद स्थापना एवं सम्मान समारोह

रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज़ का पद स्थापना एवं सम्मान समारोह आयोजित।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज़ का पद स्थापना एवं सम्मान समारोह स्व. चौधरी नाथूराम भामु रोटरी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'रुक्मणि देवी हरलालका समाज सेवा सम्मान' के लिए रिटायर्ड कैप्टेन प्रभाती लाल सामोता का सम्मान किया गया। 'भंवर सिंह शेखावत शैक्षिणक अवार्ड' के लिए श्रीमाधोपुर ब्लाक की टोपर कक्षा 10 की छात्रा संगीता बिजारनिया को, 'देवांश इंदोरा शैक्षिणक अवार्ड' कक्षा 12 में विज्ञान में टोपर सोनिया सामोता, कामर्स की टोपर मानशी अग्रवाल तथा आर्ट्स की टोपर महरोली की तमन्ना शेखावत को दिया गया। "चौधरी नाथूराम भामू प्रतिभा सम्मान" 2023 की यूपीएससी की परीक्षा में सफलता पाकर आईएएस बनी कल्याणपुरा की प्रियंका भार्गव को भी सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में क्लब में स्थापित "ओ.पी. कयाल बेस्ट रोटेरियन" के लिए चार्टर प्रेसिडेंट राजेंद्र प्रसाद कसेरा को सम्मानित किया गया। क्लब की पब्लिक इमेज सुदृड करने के लिए पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जयपुर से रोटेरियन डॉ अशोक गुप्ता, मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट 2024-25 जयपुर से रोटेरियन डॉ राखी गुप्ता एवं विशिस्ट अतिथि असिस्टेंट गवर्नर 2023-24 सीकर से रोटेरियन डॉ अंकुश राठी रहे। इस समारोह में रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज दारा सत्र 2022-23 में किये गए प्रोजेक्ट्स में सहायता करने वालो एवं क्लब के सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

समारोह में क्लब के अध्यक्ष विजय सैनी, सचिव सुशील कुमार सैनी, पूर्व सप्रांतपाल डॉ माधव सिंह, गिरिराज कयाल, संजीव फ्रेंकलिन, राजेन्द्र प्रसाद कसेरा, संतोष कुमार सोनी, सुरेश कुमार चोटिया, अशोक कुमार सैनी, शांति लाल सोनी, प्रभु दयाल कुमावत, सागर मल शर्मा, फतेह चंद सोनी, पुरुषोत्तम शर्मा, बजरंग लाल केडिया एवं भागीरथ बाजिया उपस्थित रहे।

कावड़ लाने के लिए दल रवाना

पावटा, (निसं)। बाबा भूतनाथ कमेटी पावटा के सानिध्य में शनिवार को गंगाजल लाने के लिए कावड यात्रियों का एक जत्था पावटा से हरिद्वार के लिए रवाना हुआ।

बाबा भूतनाथ कमेटी संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, अध्यक्ष विकास शर्मा, कावड प्रभारी जमन राठी, गंगाधर मीणा ने बताया कि बाबा भूतनाथ जोहडा धाम पावटा से 27वीं पैदल कावड यात्रा के लिए 22 सदस्यों का दल हरिद्वार के लिए रवाना हुआ है। रवानगी से पहले कावड दल के सदस्यों ने बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की उसके बाद हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। बाबा भूतनाथ कमेटी संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, अध्यक्ष विकास शर्मा ने बताया कि सोमवार 3 जुलाई को कावडियो के द्वारा हरिद्वार में गंगा स्नान करके कावड उठाई जाएगी और पैदल रास्ते से होते हुए सावन माह में कावड बाबा भूतनाथ जोहडा धाम के मंदिर में चढाई जाएगी।

वही 26 जून को रवाना हुआ कावडियो का एक जत्था गंगोत्री व एक जत्था हरिद्वार से गंगाजल भरकर वापस पावटा आगमन पर विशाल कावड शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए मास शिव रात्रि पर बाबा भूतनाथ का गंगा जल से जलाभिषेक किया जायेगा।

किशनगढ़ बास में 3 से 5 दिन में एक दिन हो रही पानी की कटौती

किशनगढ़ बास, (निसं)। शहर में सरकार और अधिकारियों की अनदेखी के चलते पानी की किल्लत बनी हुई है। तीन से पांच दिन में एक दिन की कटौती कर विभाग शहर में पानी की आपूर्ति करने में लगा है।

तीन अलग-अलग बनी पानी की टंकी से शहर में जॉन बने हैं। जिनसे अलवर खैरथल तिजारा गंज रोड सहित वाल्मीकि बस्ती गुर्जर वाटी अहिर मोहल्ला मुख्य बाजार आदर्श कॉलोनी रेणी मोहल्ला खुराना चौक छाजी देवी कॉलोनी अहमदबास आदि मोहल्ले कॉलोनी में पानी की आपूर्ति हो रही है।

इसके अलावा इसी प्रकार बांसड़ा काले खां बाग गंज व बास कृपाल नगर टाकाहेड़ी के लिए अलग-अलग पानी की टंकी से सप्लाई के लिए जॉन बनाए हुए हैं। स्थिति सभी जगह बिगड़ी है कहीं तीन दिन में एक बार कटौती हो रही है तो कहीं पर पांच दिन में कटौती की जा रही है। अधिकारी कर्मचारियों से बात करने पर एक ही जवाब मिलता है सीडब्लूआर में पानी की कमी कारण टंकी नहीं भरी जा सकी है या फिर मोटर खराब होने और लाइन के क्षितग्रस्त होने की बात कही जाती है।

लोगों को अपने खर्चे पर टैंकर मंगवाकर पानी की आपूर्ति की जा रही है।

अब जब एक दूसरी टंकी से पानी सप्लाई होने की बात पार्षद के साथ लोगों को पता लगी तो मालूम चला की हर रोज एक टंकी की पानी सप्लाई को रोका जा रहा है। रविवार को किले वाली टंकी से होने वाली सप्लाई तीन मोटर के एक साथ खराब होने के कारण नहीं हो सकी। इससे करीब 6 दिन पहले लाइन क्षतिग्रस्त होने पर सप्लाई नहीं हो सकी। इसी प्रकार 19 जून को मोटर खराब होने के कारण सप्लाई नहीं हो सकी। इस प्रकार पूरे महीने में 5 से 7 बार पानी की कटौती हो रही है।

पार्षद अनीता रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि तिजारा रोड पेट्रोल पंप के पास 5 दिन से पानी नहीं आ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष तारामणि सिंघल ने बताया कि 5 दिन में एक बार पानी की कटौती की जा रही है।

पार्षद मीनाक्षी मनोज मित्तल मनीष लखयाणी ने बताया कि वार्ड में 3 से 4 दिन में पानी की कटौती हो रही है। पार्षद तेज सिंह सैनी ने बताया कि गंज गांव में सुबह शाम पानी की सप्लाई अलग-अलग भाग में की जाती है। तथा सप्ताह में दो बार पानी की कटौती हो रही है। प्रतिपक्ष नेता व पार्षद उमेश यादव ने बताया कि वार्ड में 4 से 5 दिन में एक बार पानी की

- टैंकर सप्लायरों की हो रही हैं चांदी, लोगों को 300 से 500 रुपए खर्च कर मगाने पड़ रहे टैंकर

कटौती हो रही है। अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के लिए कहा जा चुका है। प्रदीप सगवैया ने बताया गांव बांसड़ा में 2 से 3 दिन में कटौती की जा रही है। पार्षद हैप्पी यादव ने बताया कि बास कृपाल नगर में 36 घंटे में एक 1 घंटे पानी की सप्लाई की जा रही है अधिकारियों से बात की तो हर बार मोटर खराब होने का बहाना बना देते हैं। सहायक अभियंता प्रदीप शर्मा ने बताया कि 24 घंटे मोटर चल रहे है। बार-बार मोटर खराब होने पर पानी की सप्लाई बाधित हो रही है। 3 नए बोरिंग कराए गए जिनमें दो सूखे निकले हैं। जिससे पर्याप्त पानी की सप्लाई करने में परेशानी हो रही है। पांच नए बोर विभाग ने स्वीकृत किए हैं तथा 1 बोर विधायक कोटे से स्वीकृत किया गया है। जल्द ही नए बोर कराकर पानी की समस्या का समाधान कराया जाएगा।

सार-समाचार

नवनिर्वाचित अध्यक्षों का सम्मान

मालपुरा, (निसं)। विप्र फाउंडेशन शाखा मालपुरा का रविवार को नवीन मंडी खांडल सेवा सदन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र तिवाडी, उपाध्यक्ष प्रहलाद शर्मा, गौड समाज अध्यक्ष रमाकांत पाठक, विप्र फाउंडेशन तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल शर्मा आदि का स्वागत सम्मान कर संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की गई। समाज की नवीन जिम्मेदारी मिलने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पदाधिकारी व समाज बंधुओं ने स्वागत किया। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील मालपुरा की ब्लॉक स्तरीय बैठक रविवार को एमपीएस संस्थान बृजलाल नगर में आयोजित की गई। ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल लाल जाट की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश स्तरीय संगठन के मांग पत्र के निर्माण के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया गया। आवश्यक सुझावो मे पीईईओ कार्यालय मे एक कनिष्ठ लिपिक,एक वरिष्ठ लिपिक,सुचना सहायक का पद स्वीकृत करना, सहायक कार्मिको के रिक्त पद पर नियुक्ति,एनपीएस के 41 करोड वापस लाना,चयन वर्ष विसंगति रिकवरी बंद करवाना आदि बिन्दुओ को शामिल कर चर्चा की गई।

मजदूर का बेटा बना सब इंस्पेक्टर

कोटपूतली, (निसं)। कहते है लगन व ईमानदारी से सच्ची मेहनत की जाये तो जीवन में सफलता प्राप्त करने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है एक सामान्य परिवार से आने वाले ग्राम केशवाना निवासी युवा कृष्ण कुमार मेघवाल ने, एक मजदूर पिता के पुत्र कृष्ण का विगत वर्ष सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ था। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित सीआरपीएफ के केन्द्रिय प्रशिक्षण महाविघालय से अपना एक वर्षो का कठिन प्रशिक्षण पूर्ण किया तो पासिंग आउट परेड में उनके पिता बिहारी लाल व माता प्रेम देवी ने परेड में पहुंचकर अपने बेटे की यूनिफॉर्म पर स्टार लगाये। कृष्ण कुमार की सफलता से गदगद उनके माता-पिता के आंसू छलक पड़े। बेहद विषम परिस्थितियों में संघर्ष कर सफलता प्राप्त करने वाले कृष्ण कुमार के पिता बिहारी लाल पेशे से मजदूर, जबकि माता प्रेम देवी गृहणी है जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम से बेटे को सफलता के मुकाम पर पहुंचाया है।

6 विद्यार्थियों को सम्मानित किया

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। औद्योगिक क्षेत्र नीमराना के सेट मागरेट इंजीनियरिंग कॉलेज के बगल में स्थित दिल्ली 99 एकेडमी नीमराना के 6 विद्यार्थियों का राजस्थान स्काउट आवासीय सैनिक स्कूल लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर में चयन होने पर विद्यार्थियों का पुष्प मालाओं से स्वागत करते एकेडमी का नाम रोशन करने पर मिठाई खिलाकर खुशी मनाई गई। आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था निदेशक प्रेम कुमार एवं स्नेह लता यादव तथा मुख्य अतिथि राजवीर सिंह डायरेक्टर आर्य पब्लिक स्कूल नीमराणा एवं नीरज यादव निदेशक सोहनलाल पीजी कॉलेज नीमराना द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आशीर्वाद लेकर किया गया। इस अवसर पर एकेडमी चेयरमैन प्रेम कुमार एवं स्टाफ स्नेह लता यादव, विक्रम सिंह, सुरेखा यादव एवं एकेडमी के बच्चे मौजूद रहे।

रैगर महासभा के नवीन पदाधिकारी नियुक्त

चाकसू, (निसं)। राजस्थान प्रांतीय रैगर महासभा के अध्यक्ष दयानन्द कुलदीप एवं महासचिव एडवोकेट गुलाब चन्द बारोलिया द्वारा लल्लू लाल सोनवाल प्रदेश सचिव की अनुशंसा पर सादे समारोह में लादूराम जाबडोलिया, मोहनलाल खटनावलिया को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, प्रेमचंद वर्मा को अध्यक्ष जयपुर दक्षिण, हरफूल खजोतिया को ब्लाक अध्यक्ष तहसील चाकसू एवं मोती लाल जगरवाल को ब्लाक तहसील कोटखावदा मनोनीत किया है।

युवा कांग्रेस कमेठी की बैठक सम्पन्न

टोंक, (निसं)। युवा कांग्रेस जिला टोंक की मासिक कार्यकारिणी की बैठक स्थानीय सर्किट हाउस में रविवार को आयोजित की गई है।

कांग्रेस कमेटी के जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि बैठक में नेशनल को-ऑडिनेटर निमित नागदा, प्रदेश उपाध्यक्ष अरबाब खान, प्रदेश महासचिव काजल यादव, प्रदेश सचिव अतीक खान, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी, प्रदेश सचिव रोशन लाल सैनी, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष हंसराज गुंजल, प्रदेश महासचिव साहिल इमाम नकवी, प्रदेश सचिव अतीक तंवर, जिला उपाध्यक्ष युथ कांग्रेस सैयद आतिफ नकवी, जिला उपाध्यक्ष दीपेंद्र चौधरी, जिला महासचिव विक्रम चौधरी, विधान सभा अध्यक्ष मंसाराम दास स्वामी, मुकेश मीणा, घनश्याम धारोला, शकील मलिक, कमल चौधरी, राजेंद्र जाट, राकेश सतवारा, तव्यब देशवाली, खगेश कुमार जोशी, रामसेठ मीणा एवं अमन नूर आदि मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि बैठक में आगामी 25 जुलाई को बैंगलुर में होने वाले युवा कांग्रेस के सम्मेलन को लेकर चर्चा की गई तथा बेहतर भारत की बुनियाद पर वक्ताओं ने युवा कांग्रेस के संबंध में अपने विचार रखे। बूथ जोड़ो, यूथ जोड़ो विधानसभा अभियान की भी शुरुआत की गई, जिसके तहत हर बूथ पर यूथ कांग्रेस द्वारा कांग्रेस से लोगों को जोड़ने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

फुलेरा जंक्शन पर एक जून से चल रही जल सेवा सम्पन्न

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर व्यापार महासंघ व दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के संयुक्त तत्वाधान में प्रशासन से अनुमति लेकर ट्रेनों के यात्रियों को 1 जून से 2 जुलाई तक आरओ के ठण्डे जल सेवा दी जा रही थी। उसका रविवार को सायं 5 बजे समापन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत रहे, विशिष्ट अतिथि के रूप में आईपीअफ इंचार्ज राजेश सिंह, जेडआरयूसीसी मैम्बर भरत शर्मा, शिक्षा विद् शक्ति सिंह, भंवर लाल कुमावत रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार महासंघ फुलेरा के अध्यक्ष मनोज आहूजा के द्वारा की गई।

समापन समारोह में जल सेवा में सहयोग करने वालों का सम्मान किया।

कार्यक्रम के पूर्व जल सेवा कार्य के दौरान रेलवे स्टेशन पर स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत ने भी यहां यात्रियों को जल सेवा दी। इसके बाद अतिथियों को माला साफा एवं दुप्टा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

तत्पश्चात कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा स्काउट्स एनसीसी कैडेट तथा सभी जल सेवा करने वाले व्यक्तियों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित करते हुए उनका हौसला अफजाई किया गया। इस अवसर पर महामंत्री इकरामुद्दीन कुरेशी, प्रवक्ता नीरज सैन, मीडिया प्रभारी मुरली मनोहर, व्यापार महासंघ कोषाध्यक्ष प्यारे लाल कुमावत, ताराचन्द कुमावत, टीकम चन्द शर्मा, बलवीर गुर्जर, अमजद हुसैन सिद्दीकी सहित अन्य सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पालनहार लाभार्थी उत्सव कार्यक्रम आज

टोंक, (निसं)। पालनहार लाभार्थी उत्सव कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित कृषि ऑडिटोरियम में सोमवार 3 जुलाई को दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। राज्य स्तर पर यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित होगा जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये जिलों में आयोजित कार्यक्रमों से जुड़ेंगे एवं पालनहार योजना के लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें लाभ हस्तांतरित करेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पालनहार योजना के लाभार्थियों के खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभ हस्तांतरित करेंगे। जिले के 14 हजार 831 लाभार्थियों के खाते में 2 करोड़ 18 लाख 84 हजार 750 रुपये इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित किये जाएंगे।

'आंदोलनकारियों ने सांभर-दूदू जिला के लिए रोडे अटकाने का काम किया'

सांभरझील, (निसं)। सांभर फुलेरा जिला बनाओ संघर्ष समिति के प्रमुख सलाहकार कुलदीप व्यास के निर्देशानुसार रविवार को पंचमुखी बालाजी स्थित एक धर्मशाला में नागरिक विकास समिति के सचिव अनिल कुमार गट्टानी के मार्गदर्शन में समिति के संयोजक विवेक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांभर-फुलेरा जिला बनाओ के संदर्भ में 25 जून को आंदोलनकारियों की ओर से मोखमपुरा महापड़ाव को लेकर निभाई गई नकारात्मक भूमिका पर सवाल खड़े किए, उन्होंने कहा कुछ लोगों की ओर से अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के खातिर आम जनता के हितों को पूरी तरह से कुचल कर नष्ट करने का काम किया है।

दशकों से सांभर को जिला बनाने की मांग पर वर्तमान सरकार सकारात्मक फैसला लेने के लिए खड़ी थी लेकिन इस उग्र आंदोलन ने सरकार तक गलत मैसेज पहुंचा कर बने बनाए काम को बिगाड़ दिया। संयोजक शर्मा ने बताया कि समिति की ओर से इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष पुरजोर तरीके से जब हमने क्षेत्र के हित को ध्यान में रखते हुए प्रभावी और प्रमाणिक तरीके से पक्ष रखा तो उन्होंने उन्होंने कहा कि अब वर्तमान परिपेक्ष में सांभर फुलेरा को जिला बनाना तो संभव नहीं है लेकिन आमजन का मत हो तो दूदू के साथ सांभर को जोड़कर सांभर दूदू जिला बनाया जा सकता है। यहां तक की सांभर फुलेरा को दूदू में शामिल नहीं किया जाए इस पर भी मुख्यमंत्री की ओर से सहमति प्रदान कर दी गई थी।

- सांभर जिला बनाओ संघर्ष समिति शीघ्र मुख्यमंत्री से मिलकर बताएगी हकीकत
- सांभर फुलेरा जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि जब सांभर दूदू संयुक्त जिला बनने की प्रबल संभावना को दृष्टिगत रखते हुए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे तीन चार लोगों ने अपनी हठधर्मिता दिखाते हुए मोखमपुरा महापड़ाव आंदोलन करने की घोषणा को बरकरार रखा। क्षेत्र की जनता को दिग्भ्रमित कर व युवाओं को बरगला कर आंदोलन करने पर उतारू रहे जिसका परिणाम यह हुआ की न तो सांभर फुलेरा जिला बन सका और सांभर दूदू जिले बनने का जो अवसर प्राप्त था उसे भी ठुकरा सांभर को गर्त में धकेल दिया।

पूर्व चेयरमैन अवधेश कुमार पारीक, अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष शेख शमीम उल हक, समिति के कोषाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल व अन्य प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में संयोजक शर्मा ने कहा कि सांभर जिला बनाने का हमारा आंदोलन पूरी तरह से गैर राजनीतिक है लेकिन यह बात यहां के कुछ बाहरी लोगों को हजम नहीं हुई और उन्होंने कूटनीति रचकर समिति की ओर से चलाई जा रही मुहिम का गलत दुष्प्रचार करते हुए हमारे सकारात्मक ढंग से चल रहे आंदोलन को गलत तरीके से हाईजैक करने की कोशिश की, लेकिन उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

क्षेत्र की जनता हमारे साथ खड़ी है। अब हमारी ओर से दोबारा से प्रयास किया जाएगा कि जिला बनाने की जो मजबूत स्थिति हमने खड़ी की थी उसको वापस किस प्रकार से पटरी पर लाया जाए इस पर विचार किया जा रहा है। इस अवसर पर गट्टानी ने कहा कि समिति उन सभी का आदर और सम्मान करती है जो वर्ष 1952 के बाद से लगातार सांभर को जिला बनाने के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

जिसमें प्रमुख रुप से वर्ष 2012 में अभिभाषक संघ की ओर से उठाई गई इस मुहिम को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अनिल गट्टानी, पार्षद गौतम सिंघानिया, पार्षद शकील खान, नेशनल यूथ अवॉर्डी पवन कुमार मोदी, खेड़ापति बालाजी समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार पारीक, कपिल सोनी, आरएसएस के मनीष सूंठवाल सहित अनेक मौजूद गणमान्य लोगों ने सांभर दूदू को संयुक्त जिला बनाए जाने का समर्थन करते हुए समिति को अपना आंदोलन चालू रखने व मुख्यमंत्री के समक्ष इस मांग को पुरजोर तरीके से उठाने का भी आह्वान किया।

हरियाणा के डिप्टी सीएम ने कोटपुतली में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया

कोटपूतली, (निसं)। हरियाणा के डिप्टी सीएम व जननायक जनता पार्टी के नेता दुष्यंत चौटाला ने रविवार को कस्बा स्थित राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के खेल मैदान में पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव रामनिवास यादव द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित किया।

रैली में निर्धारित समय से करीब तीन घण्टा देरी से पहुंचे चौटाला ने प्रदेश की गहलोत नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को जहां जमकर आड़े हाथों लिया, वहीं इस बात का दावा भी ठोका कि आगामी 2023 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान विधानसभा का ताला जजपा की चाबी से ही खुलेगा। चौटाला ने कहा कि भाजपा के साथ हरियाणा की तर्ज पर मिलकर गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। जिसमें कोटपूतली की सीट को प्राथमिकता दी जायेगी। विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान में कभी किसान का बेटा मुख्यमंत्री नहीं बना, जिस दिन यहाँ की सत्ता में किसान का बेटा होगा, उसी दिन सही मायनों में किसानों व मजदूरों का विकास हो पायेगा।

चौटाला ने आरोप लगाया कि 4.5 वर्षों तक चली कांग्रेस सरकार में

हरियाणा के डिप्टी सीएम व जननायक जनता पार्टी के नेता दुष्यंत चौटाला ने पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव रामनिवास यादव द्वारा आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री गहलोत व पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की खींचतान ने राजस्थान का बंटाधार कर दिया। आज राजस्थान में अपराधों का ग्राफ बढ़ गया है, गुण्डागर्दी चरम पर है। पेपरलीक से लेकर माईनिंग माफिया, शराब माफिया, भू माफियाओं को गहलोत सरकार में संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि आप हमारा साथ दो, राजस्थान की जनता को कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति दिलवा देंगें। उन्होंने राजस्थान में सरकार बनने पर हरियाणा की तर्ज पर पंचायतीराज में महिलाओं को 50 फिसदी, सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फिसदी आरक्षण, राशन डिपो में 33 फिसदी हिस्सेदारी व वृद्धावस्था पेंशन को हरियाणा की तर्ज पर बढ़ाने की बात कही।

चौटाला ने कोटपूतली से पार्टी के प्रधान महासचिव रामनिवास यादव को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की। इससे पूर्व उनका यहां पहुंचने पर जजपा कार्यकर्ताओं ने यादव के नेतृत्व में हल भेंट कर व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। प्रदेशाध्यक्ष पृथ्वी सिंह मील ने कहा कि राजस्थान में यह परिवर्तन का समय है। चौधरी देवी लाल का परिवार यहां के किसानों का हम दर्द परिवार है। जिसकी राजनैतिक

- गहलोत सरकार पर अलग-अलग प्रकार के माफियाओं को संरक्षण देने का लगाया आरोप

कमान अब दुष्यंत चौटाला के हाथ में है। कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए जजपा को मजबुत करना जरूरी है। रैली संयोजक रामनिवास यादव ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. शरद यादव ने अपने निधन से पूर्व चौधरी देवी लाल के परिवार के साथ जुड़कर राजनीति करने का निर्देश दिया था। यादव ने आरोप लगाया कि इस रैली को रूकवाने के लिए काफी प्रयास किये गये, लेकिन कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देकर इसका आयोजन करवाया है। रैली को युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष प्रतीक महरिया, नारनौल की चौयरमैन कमलेश सैनी, राष्ट्रीय संगठन महासचिव मास्टर राजेन्द्र लितानी, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष फारूख शेख, अभिमन्यू राव आदि ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में श्रोता डटे रहे।

विराटनगर बचाओ संघर्ष समिति ने ज्ञापन सौंपा

विराटनगर बचाओ संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधि मंडल ने राजस्व मंत्री रामलाल जाट को ज्ञापन सौंपा।

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र को नवगठित जिला कोटपूतली बहरोड़ में शामिल करने के विरोध में रविवार को विराटनगर बचाओ संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधि मंडल ने अपनी मांगों को लेकर राजस्व मंत्री रामलाल जाट से मिल उन्हें ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में बताया कि विराटनगर तहसील की जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा नये जिले का सीमांकन किया जाए। ग्रामीणों ने विराटनगर तहसील क्षेत्र को जयपुर जिले में ही यथावत रखने की मांग को लेकर पूर्व अनिश्चितकालीन धरना देकर विशाल विरोध प्रदर्शन भी किया था। वहीं संघर्ष समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से तीन बार मिलकर समस्या से अवगत करवाया था। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य मंत्री से मिलकर जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए बिना किसी राजनीतिक दबाव के सरकार को जनहित में फैसला लेकर विराटनगर तहसील क्षेत्र को पूर्व की भांति जयपुर जिले में ही रखे जाने की मांग की। इस दौरान संघर्ष समिति के सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर बाबूलाल जाट, भाजपा नेता जगन चौधरी, जगदीश यादव, भोमराज चेची, जयराम पलसानिया, सत्यनारायण सैनी, पवन कुमार शर्मा, शिवदान फागणा, किशन गुरुजी, पूर्व सरपंच राजेश यादव, संतोष मोदी, दीपेश चौबे, प्रकाश सैनी, भोलाराम मीणा, कमलेश स्वामी, गोपाल शर्मा, श्रीराम गुर्जर, कैलाश शर्मा, गणपत शर्मा, भागीरथ शर्मा, ताराचंद स्वामी, महेश वैध, गोकुल शर्मा, रमेश शर्मा, रजत चौधरी, कैलाश चौधरी, रामचंद्र यादव, केसर गिराठी, चेतराम बुनकर, कमलेश स्वामी, जयराम सैनी, शंकर गुर्जर सहित सैकडों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

क्या शर्म की बात है। वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहा। यह दर्शाता है कि सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं है, एकाग्रता और अच्छे टीम प्रबंधन की भी जरूरत है जो राजनीति से मुक्त हो। एकमात्र सांत्वना यह है कि यहां से और नीचे गिरने की गुंजाइश नहीं है। - वीरेन्द्र सहवाग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, विंडीज क्रिकेट टीम को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

नाथन लियोन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियों का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते हैं। पोलो 1900 से 1936 तक ओलंपिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

एशेज : दूसरा टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बनायी 2-0 की बढ़त

लंदन, 2 जुलाई। बेन स्टोक्स (155) के जुझारू शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को दूसरे एशेज़ टेस्ट में इंग्लैंड को 43 रन से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 371 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। मैच के पांचवें दिन इंग्लैंड के छह विकेट गिरने के बाद स्टोक्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाये, हालांकि यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिये नाकाफी साबित हुआ। स्टोक्स ने अपनी 214 गेंद की पारी में नौ चौके और नौ छक्के जड़े।

इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत 114/4 से करते हुए भले ही धैर्य के साथ बल्लेबाजी की, लेकिन पहले ड्रिंक्स ब्रेक के बाद बेन डकेट छोटी गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे। डकेट ने 112 गेंद पर 83 रन बनाये और वह मैच में दूसरी बार शतक से चूके।

लंच से कुछ देर पहले कैरी ने जॉनी बेयरस्टो की लापरवाही का फायदा उठाकर उन्हें रनआउट कर दिया, जिसके बाद स्टोक्स का आक्रामक रूप देखने को मिला। पहला सत्र समाप्त होने से पहले स्टोक्स ने तीन छक्के जड़ते हुए अपना शतक पूरा किया। दूसरे सत्र में भी उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी की और स्ट्राइक ज़्यादा से ज़्यादा अपने पास रखते हुए स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ सातवें विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की।

इंग्लैंड हालांकि इस साझेदारी के बावदूज जीत से 70 रन दूर थी। ड्रिंक्स ब्रेक एक बार फिर इंग्लैंड पर भारी पड़ा और स्टोक्स के बल्ले का किनारा लेकर गेंद हवाई यात्रा करते हुए विकेटकीपर कैरी के दस्तानों में समा गयी। अगली 14 गेंदों के अंदर ओली रॉबिन्सन (एक) और स्टुअर्ट ब्रॉड (11) भी पवेलियन लौटे। जॉश टंग (19) और जेम्स एंडरसन (तीन नाबाद) ने आखिरी विकेट के लिये 25 रन जोड़े, हालांकि यह ऑस्ट्रेलिया की जीत को कुछ देर के लिये ही टाल सका। मिचेल स्टार्क (79/3) ने टंग को बोल्ड कर इंग्लैंड की पारी समाप्त की। पैट कमिंस और जॉश हेज़लवुड ने भी तीन-तीन विकेट लिये, जबकि कैमरन ग्रीन को एक सफलता प्राप्त हुई। ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से आगे हो गयी है। इंग्लैंड अगर एशेज़ का खिताब हासिल करना चाहती है तो उसे अगले तीनों टेस्ट जीतने होंगी।

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे ऋतेश

लंदन, 2 जुलाई। इंग्लैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के ऋतेश डोगरा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के नेतृत्व में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में आठ स्वर्ण सहित 12 पदक हासिल किये। ऋतेश ने 90 किग्रा भार वर्ग की रॉ डेडलिफ्ट में 300 किग्रा भार उठाकर अपना नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कुल 767.5 किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते।

सुरेन्द्र सिंह (100 किग्रा) ने कुल 735किग्रा लिफ्ट करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते। प्रभजीत सिंह बख्शी (110 किग्रा) ने 670 किग्रा भार उठाकर दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। गुलशन सैनी ने 75 किग्रा वर्ग में 512.5 किलो की कुल लिफ्ट की मदद से दो स्वर्ण और एक कांस्य अपने नाम किया। भूपेन्द्र धवन ने इस अभूतपूर्व जीत के लिये विजेताओं को बधाई देते हुए पिछले चार सप्ताह में उनकी कड़ी मेहनत और लगन को श्रेय दिया। टीम प्रबंधक सुजीत खत्री ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। सर्वश्रेष्ठ लिफ्टर का खिताब जीतने के बाद ऋतेश ने कहा कि भारतीय टीम की सफलता का श्रेय उनके कोच द्रोणाचार्य भूपेन्द्र को जाता है जिनके मार्गदर्शन और तकनीकी ज्ञान ने उन्हें जीवन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप में टूटे कई रिकॉर्ड

हैदराबाद, 2 जुलाई। गुजरात के आर्यन नेहरा ने रविवार को यहां राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। नेहरा ने तीन मिनट 25.55 सेकंड के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड कुशाग्र रावत (तीन मिनट 52.75 सेकंड) के नाम था, जो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 2020 में स्थापित किया था।

पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक कुशाग्र तीन मिनट 55.45 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता, जबकि अनीष गौड़ा ने तीन मिनट 57.86 सेकंड तैरकर कांस्य हासिल किया। पुरुषों की 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल के लिये एशियाई खेल 2022 और विश्व चैंपियनशिप 2023 में अपना स्थान पक्का कर चुके आर्यन पूरे फाइनल में रावत के साथ कड़ी टक्कर में थे, लेकिन आखिरी लैप में वह आगे निकल गये। इसी बीच, कर्नाटक की लिनेशा एके ने दो मिनट 37.35 सेकंड के समय में महिलाओं की 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ अपेक्षा फर्नांडिस (दो मिनट 38.05 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

माना पटेल ने अपनी झोली में एक और रिकॉर्ड जोड़ते हुए 100 मीटर बैकस्ट्रोक में एक मिनट 04.33 सेकंड के अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया। माना ने एक मिनट 03.48 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

नीना वेंकटेश ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 27.74 सेकंड के समय के साथ सुबह अपना ही बनाया हुआ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह हीट में 28.01 सेकंड तैरीं, जो पिछली रिकॉर्ड धारक दिव्या सतीजा से लगभग 0.32 सेकंड बेहतर था। इससे पूर्व, कर्नाटक ने 4200 मीटर महिला फ्रीस्टाइल फ़ाइनल में आठ मिनट 40.89 सेकंड के समय के साथ महाराष्ट्र (8:53.83) का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, '' हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।'' उन्होंने कहा, हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है।

उन्होंने कहा, ''हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। पहले यह सिर्फ पुरुषों के लिए होता था लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी महिला खिलाड़ियों को भी अनुभव मिले।'' हॉकी इंडिया की योजना इस लीग को पुरुष वर्ग में आठ टीमों और महिला वर्ग में चार टीमों के साथ कराने की है।

हॉकी इंडिया ने इस लीग के वाणिज्यिक और विपणन भागीदार के तौर पर 'बिग बैंग मीडिया वेंचर्स' से करार किया है। टिर्की ने कहा, '' एचआईएल से देश के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के खेल का अनुभव मिलेगा। यह उनके लिए बड़ा मंच होगा क्योंकि दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुमूल्य अनुभव मिलेगा।''

पता चला है कि लीग की भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए हॉकी इंडिया पांच जुलाई को अपने वाणिज्यिक भागीदारों सहित खेल के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी पुष्टि की कि एचआईएल को अगले साल एक नये तरीके से पेश किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ लीग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

चीन ने जापान को हराकर महिला बास्केटबॉल एशिया कप जीता

सिडनी, 2 जुलाई। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल में पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल में उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा। जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर में हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों में बढ़त बनाने में सफल रही। चीन की टीम इसके बाद स्वर्ण पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने में सफल रही। शू ने मैच में 26 जबकि सियू वैंग ने 17 अंक जुटाए। जापान की ओर से माकी तकादा ने 17 जबकि साकी हयाशी ने 12 अंक हासिल किए। इससे पहले शनिवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 81-59 से हराकर लगातार तीसरी बार कांस्य पदक जीता।

एशिया जूनियर चैम्पियनशिप के लिए कल रवाना होंगे भारतीय शटलर

पंचकुला, 02 जुलाई। पंचकुला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर से गुजरने के बाद 18 सदस्यीय भारतीय टीम बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये मंगलवार को रवाना होगी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने रविवार को यह जानकारी दी।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में किया जायेगा। टीम की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित 14 दिनों के प्रशिक्षण शिविर को बीएआई, भारतीय खेल प्राधिकरण और विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न कंपनी, आरईसी लिमिटेड का समर्थन प्राप्त था।

बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने में मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में भी मदद की है। हमारे पास एक मजबूत टीम है जिसमें सर्वश्रेष्ठ को चुनौती देने की क्षमता है। मैं उनमें से प्रत्येक को और साथ ही कोचिंग स्टाफ को चैंपियनशिप के लिये शुभकामनाएं देता हूं।

आरईसी लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक विवेक कुमार देवांगन ने साझेदारी पर कहा, ''हमारा लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को सब-जूनियर स्तर से तैयार और पोषित करना है। हमें प्रतिभा की पहचान करनी है और उन्हें विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करना है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ये जूनियर आगे चलकर सीनियर स्तर पर भी देश के लिये पदक ला सकें। ग्रुप चरण में भारत को मलेशिया, बंगलादेश और हांगकांग के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिये क्वालीफाई करेंगी। भारत इस टूर्नामेंट में इससे पहले दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीत चुका है। पीवी सिंधु 2012 चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी थीं, जबकि लक्ष्य सेन ने 2018 में स्वर्ण जीता था।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम :- एकल बालक : लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी। **एकल बालिका** : रक्षिता श्री एस, श्रेयांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब। **बालक युगल** : निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर और दिव्यम अरोड़ा/मयंक राणा। **बालिका युगल** : राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा और कर्णिका श्री एस./तनिषा सिंह। **मिश्रित युगल** : समरवीर/ राधिका शर्मा और अरुलमुरुगन आर./श्रीनिधि एन।

जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर विश्वकप में पहुंची श्रीलंका

बुलावायो, 2 जुलाई। महीष तीक्षणा (25/4) और दिलशन मदुशंका (15/3) की उत्कृष्ट गेंदबाजी के बाद पथुम निसंका (101 नाबाद) के शानदार सैकड़े की बदौलत श्रीलंका ने रविवार को विश्व कप क्वालीफायर के सुपर-6 चरण में ज़िम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली। मेज़बान ज़िम्बाब्वे टॉस हारकर बल्लेबाज़ी करते हुए 165 रन पर ऑलआउट हो गयी। श्रीलंका ने यह लक्ष्य 33.1 ओवर में हासिल कर भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लिया।

ज़िम्बाब्वे अब तक हरारे में खेले गये मैचों में विपक्षी टीमों पर हावी रही थी, लेकिन बुलावायो के क्वीन्स स्पोर्ट्स क्लब में वह अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सकी। शुरुआती तीन विकेट मात्र 30 रन पर गिरने के बाद शॉन विलियम्स और सिकंदर रज़ा ने चौथे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी बुनी। यह साझेदारी टूटने के बाद मेज़बान टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी।

विलियम्स ने 57 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के के साथ 56 रन बनाये, जबकि रज़ा ने 51 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 31 रन का योगदान दिया। तीक्षणा ने 8.2 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि मदुशंका ने पांच ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मतीशा पथिराना ने दो और दसुन शनाका ने एक विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को 32.2 ओवर में 165 रन पर समेट दिया।

ज़िम्बाब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के लिये चुनौतियां खड़ी करनी चाहीं, लेकिन निसंका ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सबसे पहले डिमुथ करुणारत्ने (56 गेंद, 30 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने का विकेट गिरने के बाद निसंका और कुसल मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिये 66 रन जोड़े।

पेनल्टी का बचाव करने के लिए अनुभव और किस्तान का साथ जरूरी : संधू

बेंगलुरु, 2 जुलाई। लेबनान के खिलाफ सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में शानदार बचाव कर टीम को फाइनल में पहुंचाने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि वह सामने वाले खिलाड़ी की मानसिकता को भाप कर एक तरफ डाइव लगाते है और इसके नतीजे को किस्मत पर छोड़ देते है।

भारतीय टीम मंगलवार को टूर्नामेंट के फाइनल में कुवैत का सामना करेगी। कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद संधू ने बायीं ओर डाइव लगाकर हसन मातोक के किक पर शानदार बचाव किया। अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने इसके बाद भारत के लिए गोल दागे। वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ने गोल कर लेबनान को मुकाबले में बनाये रखा था लेकिन खलील बदेर की किक क्रॉसबार के ऊपर से निकल गयी जिससे भारत ने शानदार जीत दर्ज की। संधू ने कहा, मैं एक गोलकीपर के रूप में यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पेनल्टी लेने वाले का काम मुश्किल हो जाए। मैं आखिरी क्षण तक उस पर मानसिक बढ़त लेने की कोशिश करता हूं और इसके बाद एक साइड का चयन कर गेंद पर हाथ लगाने की कोशिश करता हूं।''

उन्होंने कहा, आप हर पेनल्टी का बचाव नहीं कर सकते। लेकिन आप ये जानने की कोशिश करते है कि किक लगाने वाला खिलाड़ी के दिमाग में क्या चल रहा है। कोई आपको भ्रमित करने की कोशिश करेगा, कोई पहले से तय योजना के साथ आएगा। इसमें अनुभव और कद काठी का भी योगदान होता है। अगर मेरा कद पांच फुट चार इंच का होता, तो निश्चित रूप से मैं ज्यादा पेनल्टी का बचाव नहीं कर पाता।''

दीपा भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में वापसी करेगी

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर डोप जांच में असफल होने पर 21 महीने के प्रतिबंध को पूरा कर के 11 और 12 जुलाई को भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेंगी। त्रिपुरा की 29 वर्षीय खिलाड़ी को मई में भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ ने संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया था। दीपा की प्रतिबंध अवधि 10 जुलाई को खत्म हो जाएगी। दीपा ने बताया, ''यह पुष्टि हो गई है कि मैं ट्रायल में भाग लूंगी। मैं पिछले कुछ महीनों से अगरतला में प्रशिक्षण ले रही हूं। मुझे खुद से इसलिए प्रदर्शन की उम्मीद है।''

दीपा किसी वैश्विक आयोजन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट है। उन्होंने 2018 में तुर्की में 'आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक वर्ल्ड चैलेंज कप' की वॉल्ट स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने उसी वर्ष कॉटबस में कांस्य भी जीता था। वह 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता और 2015 हिरोशिमा में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य विजेता भी हैं।

इसके बाद लगातार चोट से जूझने के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। चोट के कारण ही वह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। कर्माकर पर अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) द्वारा कराये गए डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद 21 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। कर्माकर के डोप नमूने 11 अक्टूबर 2021 को आईटीए द्वारा प्रतिस्पर्धा से इतर लिये गए थे। आईटीए अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) के डोपिंग निरोधक कार्यक्रम का जिम्मा संभालने वाली स्वतंत्र एजेंसी है ।

वह हिजेनामाइन के सेवन की दोषी पाई गई थी जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में है दीपा के कोच विश्वेश्वर नंदी ने कहा, ''वह पिछले दो-तीन महीने से अभ्यास कर रही है। फिलहाल उसका ध्यान ट्रायल्स में अच्छा करने पर है।'' रियो ओलंपिक (2016) में चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा के अलावा इस ट्रायल के महिला वर्ग में प्रणति नायक, प्रणति दास, प्रतिष्ठा सामंत जैसे शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे।

विश्व कप की मेजबानी से चूकने वाले राज्य संघों को द्विपक्षीय घरेलू सत्र में मौका मिलेगा

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। भारत में इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी से चूकने वाले स्थलों को आगामी घरेलू सत्र के दौरान उनकी बारी के बिना भी 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने यह सुझाव रखा है कि विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करने वाले स्थल घरेलू सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी की अपनी बारी छोड़ देंगे जिससे कि उन राज्य संघों को भरपाई की जा सके जो इस प्रतिष्ठित आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से चूक गए हैं।

राज्य संघों को लिखे पत्र में शाह ने सूचित किया है कि उनके प्रस्ताव को विश्व कप की मेजबानी करने वाले स्थलों के अधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया है जिसमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरू और लखनऊ शामिल हैं। हालांकि विश्व कप के दौरान सिर्फ अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम को आगामी सत्र में मेजबानी का मौका मिलेगा। शाह ने इस हफ्ते की शुरुआत में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा से पहले राज्य संघों के प्रमुखों से मुलाकात की थी।

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिये सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर, 02 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंज़ूरी मांगी है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पत्र में पूछा गया है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिये एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने नौ लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने सरकार से यह भी पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिये सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है।

सरकार के लिये जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी। पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के नौ लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, पीसीबी ने कहा, ''पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ को लिखा। विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय शृंखला में भी आमने-सामने नहीं आये हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा। भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिये पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवतः इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंज़ूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी। पीसीबी ने पाकिस्तान टीम की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार से आश्वासन नहीं मिलने पर टी20 विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

निकहत करेंगी एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजों की अगुवाई

नयी दिल्ली, 2 जुलाई। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन, रिकॉर्ड छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा और टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 तक चीन के हांग्झोउ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाजी टीम का नेतृत्व करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक और छह एशियाई चैंपियनशिप पदक जीतने वाले थापा 63.5 किलोग्राम वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी झोली में पहला एशियाई खेल पदक जोड़ना चाहेंगे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन 75 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। हाल ही में दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने वाली निकहत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना दबदबा जारी रखना चाहेंगी। तेलंगाना में जन्मी मुक्केबाज ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता और वह 50 किग्रा वर्ग में मुक्केबाजी करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, इस दुर्जेय टीम ने इस प्रतिष्ठित आयोजन की तैयारी के लिये अथक परिश्रम किया है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। भारत मुक्केबाजी परिदृश्य में परचम लहरा रहा है और उसने बड़े स्तर पर अपनी जगह बना ली है। हाल की विश्व चैंपियनशिप में हमारे मुक्केबाजों द्वारा असाधारण प्रदर्शन देखने के बाद हमें विश्वास है कि हम हांग्झोउ में भी ऐसा ही कुछ देखेंगे।'' दीपक भोरिया 51 किग्रा फ्लाईवेट वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। उन्होंने हाल ही में ताशकंद में पुरुष विश्व चैंपियनशिप में 2021 विश्व चैंपियन साकेन बिबोसिनोव को हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। विश्व चैंपियनशिप के एक और कांस्य पदक विजेता निशांत देव 71 किग्रा वर्ग में देश का भार अपने कंधों पर उठाएंगे। भारतीय टीम में क्रमशः हेवीवेट और सुपरहेवीवेट श्रेणियों में 2021 एशियाई चैंपियन संजीत कुमार (92 किग्रा) और 2022 एशियाई चैंपियनशिप मेडलिस्ट नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा) भी शामिल होंगे। साल 2021 के विश्व युवा चैंपियन सचिन (57 किग्रा) और तीन बार के राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय जर्सी पहनने वाले अन्य मुक्केबाज होंगे। पिछले साल एशियाई चैंपियन बनने के अलावा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीतने वाली परवीन हुड्डा 57 किग्रा वर्ग में देश की कमान संभालेंगी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लंबोरिया 60 किग्रा वर्ग में भाग लेंगी, जबकि 2021 विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी 66 किग्रा वर्ग में रिंग में उतरेंगी। टीम में कुशल युवा मुक्केबाज प्रीति भी होंगी, जिनके नाम 2022 एशियाई चैंपियनशिप का कांस्य पदक है। मुक्केबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे क्योंकि यह प्रतियोगिता 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफायर के रूप में काम करेगी।

एशियाई खेलों के लिये पुरुष मुक्केबाज : दीपक (51 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा)। एशियाई खेलों के लिये महिला मुक्केबाज : निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन (57 किग्रा), जैस्मीन (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (66 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)।

गत वर्ष जुलाई में मोज़ाम्बीक की खान से निकला, अब तक का सबसे बड़ा, 55.22 कैरट का रुबी (माणक), हाल ही में रिकॉर्ड 34.8 मिलियन डॉलर में बिका है। इस देश की अधिकारिक पुर्तगाली भाषा में इसे ''एस्रेया ड फूरा'' नाम दिया गया है। मूलतः 101 कैरट का यह रुबी तराशे जाने के बाद 5.22 कैरट का रह गया है। सॉथबीज़ नीलामघर ने इसे बेहद दुर्लभ और अब तक का नीलाम होने वाला सबसे कीमती व महत्वपूर्ण रुबी बताया है। मोज़ाम्बीक में कैनेडा की कम्पनी फूरा जैम्स की माइन से यह रुबी निकला है। कम्पनी के सी.ई.ओ. देव शेट्टी ने कहा कि, इस आकार का स्टोन अप्रत्याशित था। फूरा के लिए नगीनों की ''सॉर्टिंग'' (वर्गीकरण) करने वाले बलबीर नाम के व्यक्ति ने सबसे पहले इस नगीने को देखा था। बलबीर ने कहा, ''मेरी एक लैबोरेटरी है और 20 साल से मैं नगीनों की जांच कर रहा हूं पर मैने आज तक ऐसा कोई नगीना नहीं देखा। किसी ने भी ऐसे रंग, शुद्धता व चमक वाला रुबी पहले नहीं देखा है।'' पृथ्वी पर रुबी की सर्वाधिक सफल खानों में एक, इस खान की खोज कुछ दशक पहले ही मोज़ाम्बीक में हुई थी और 2009 में जब यहाँ रुबी का बड़ा भंडार मिला तब यह खान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई। शेट्टी ने कहा, ''हमारे लिए, हमारी कम्पनी और मोज़ाम्बीक के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है, मुझे मोज़ाम्बीक पर गर्व है।''

मणिपुर में सामूहिक हिंसा, तीन ग्रामसेवकों की गोली मारकर हत्या

पुलिस ने बताया कि, अज्ञात बंदूकधारी गांवों में घुसकर दूसरी जाति के लोगों को अपनी गोलियों का निशाना बना रहे हैं

- **मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।**
- **मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे मुख्यतः पर्वतीय जिलों में रहते हैं।**

इम्फाल, 2 जुलाई। मणिपुर में भारी सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां बिश्नुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम दो ग्राम स्वयंसेवकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खोइजुमंतगबी गांव में रविवार देर रात यह घटना तब हुई जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थायी बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह खबर मिलने तक भारी गोलीबारी जारी थी। अधिकारी ने हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई। पूर्वोत्तर राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।

मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और यह मुख्यतः पर्वतीय जिलों में रहती है।

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी 29 और 30 जून को मणिपुर के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने नागरिक समाज संस्थाओं के सदस्यों से मुलाकात की। इसके अलावा शिविरों में रह रहे लोगों से भी मुलाकात की।

कांग्रेस ने हिंसा को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर हमला बोला। वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा, मणिपुर की स्थिति सात से 10 दिन के भीतर सुधरने की बात कही गई थी। अगर भाजपा के नेता मणिपुर हिंसा से दूर रहें तो ही ठीक है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए, तभी स्थिति सुधर सकती है।

बी.ओ.बी. अपना क्रेडिट कार्ड बिजनेस बेचेगा

- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बीओबी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है। इस समय कंपनी में 100 प्रतिशत स्वामित्व बी.ओ.बी. के पास है।

एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. ने एक रणनीतिक निवेशक को शामिल करने के मकसद से प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया है और यह प्रक्रिया एक साल में पूरी होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. का इरादा बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में अधिक मूल्य जोड़कर इसे वृद्धि के अगले स्तर पर ले जाना है। इसके लिए बैंक एक या एक से अधिक निवेशकों को 49 प्रतिशत तक हिस्सा बेचने की तैयारी कर रहा है।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पटना में विपक्ष की बैठक हुई थी, लेकिन वहां पर कोई एकता नहीं है। भुजबल ने आगे कहा कि शरद पवार ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ही आएंगे।

'जे.एन.यू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति से जहर डालने से सामान्य व्यक्ति आत्मघाती हमलावर बन जाते हैं। याद रखें कि हमारे जैसे परिवारों के साथ हमलावर खुद भी आतंकवादियों नेता की विकृत मान्यताओं और ब्रेनवॉशिंग का शिकार हो गए हैं। 72 कुंवारियों के घातक भ्रम में फंसकर, वे विनाश के रास्ते पर चल पड़ते हैं और अंततः एक भयानक भाग्य का सामना करते हैं।

निर्माता गुलाब सिंह तंवर ने साझा किया, किसी ऐसे प्रोजेक्ट का समर्थन करना कमजोर दिल का काम नहीं है जो भावनात्मक रूप से इतना भारी हो। 72 हुरें यह दिखाने का सही तरीका था कि कैसे धर्म के नाम पर, काल्पनिक कहानियां निर्दोष और सामान्य लोगों को बेची गई लोगों को क्रूर आतंकवादियों में बदलने के लिए।

'भाजपा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ही एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का भी जिक्र किया था, लेकिन मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज उसी गठबंधन में शपथ ली है। तो अब स्पष्ट है कि सरकार में शामिल होते वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

'एन.सी.पी. किसकी है इसका जवाब जनता देगी'

शरद पवार ने कहा कि, मैं 1980 में ऐसे ही दौर से गुजर चुका हूं, तब मेरे पास सिर्फ 6 विधायक बचे थे, मुझे ऐसे हालात से निपटना अच्छी तरह आता है

- **शरद पवार ने कहा कि, इस घटनाक्रम से पहले अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि, जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि, जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि, उन्होंने भी शपथ ले ली है।**
- **शरद पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि, इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि, लोग हमें समर्थन देंगे।**

मुंबई, 2 जुलाई। अजित पवार के एन.सी.पी. पर नियंत्रण के दावों का जवाब देते हुये एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, जनता बताएगी पार्टी किसकी है। शरद पवार ने कहा कि मैं लोगों के बीच जाऊंगा और समर्थन जुटाऊंगा। अजित के भाजपा के साथ जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. की आइडियोलॉजी इस बात की इजाजत नहीं देता कि भाजपा के साथ गठबंधन किया जाए।

एन.सी.पी. मुखिया ने आगे कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। 1980 में मैं जिस पार्टी का नेतृत्व कर रहा था, उसके 58 विधायक थे, बाद में सभी चले गए और केवल 6 विधायक बचे, लेकिन मैंने संख्या को मजबूत किया और जिन्होंने मुझे छोड़ा वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हार गए।

शरद पवार ने कहा कि अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि उन्होंने भी शपथ ले ली है। साथ ही पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि लोग हमें समर्थन देंगे। शरद पवार ने आगे कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मैंने प्रफुल्ल पटेल जैसे नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। मेरा उनसे यही कहना है कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व का विश्वास खो दिया है। अब वह इस्तीफा दे दें, अन्यथा मैं उनके खिलाफ ऐक्शन लूंगा।

मोदी की यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरिस एयर शो के मौके पर सफरान इंजन फैक्ट्री और पेरिस के पास अनुसंधान एवं विकास केंद्र का विशेष दौरा किया था।

इस बीच, रक्षा मंत्री और फ्रांस के साथ एन.एस.ए. के नेतृत्व वाली रणनीतिक वार्ता के तहत इंजन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, फ्रांसीसी पेशकश में पूरी तरह से नया इंजन, नई सामग्री, नई वास्तुकला, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं का गुप्त अनुपालन और भारत में स्थित सहायक विनिर्माण शामिल हैं, जबकि जेट इंजन सौदे की कीमत अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में प्रति इंजन बेहद प्रतिस्पर्धी होगी, निर्मित इंजन के डिजाइन से प्रमाणन तक की कुल प्रक्रिया में हस्ताक्षर की तारीख से 10 साल का वक्त लगेगा। ऑफर में सफरान द्वारा पूर्ण डिजाइन और धातुकर्म परिशुद्धता सॉफ्टवेयर टूल के साथ भारत में गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करना भी शामिल है।

बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैस्टिल दिवस समारोह में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही 13 जुलाई की दोपहर पेरिस पहुंचेंगे। उम्मीद है कि, वे 13 जुलाई को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। भारतीय वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान 14 जुलाई को बैस्टिल डे फ्लाई-पास्ट में भाग लेंगे।

'यू.सी.सी. का नहीं, हमारा विरोध तो बस भाजपा के तौर-तरीके से है'

मायावती ने कहा कि, भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए संकीर्ण सोच रखकर यू.सी.सी. लागू कर रही है

- **उन्होंने कहा कि, यू.सी.सी. में किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए। यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।**

लखनऊ, 2 जुलाई (वार्ता)। बसपा प्रमुख मायावती ने आज कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) के खिलाफ नहीं है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देश में इसे लागू करने के तरीके से असहमत है।

यहां पत्रकार वार्ता में बसपा सुप्रीमो ने यू.सी.सी. को लेकर अपनी पार्टी के रूख को स्पष्ट करते हुए कहा कि पार्टी यू.सी.सी. के खिलाफ नहीं है लेकिन भाजपा जिस तरह से इसे पूरे देश में लागू करना चाहती है वह तरीका सर्वधम हिताय, सर्वधर्म सुखाय का नहीं है। इसकी आड़ में इनकी संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ज्यादा देखने को मिल रही है जो ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए।

यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।

मायावती ने कहा कि देश में रहने वाले विभिन्न धर्मों के लोग परंपरा, रीति रिवाज, रहन -सहन और जीवनचर्चा सहित अनेकों चीजों में एक दूसरे से भिन्न मान्यताएं रखते हैं, जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि अगर सभी धर्मों के लोगों के लिए एक समान कानून होगा तो इससे देश कमजोर नहीं बल्कि मजबूत ही होगा। इसी बात को ध्यान में रखकर संविधान की धारा 44 में यू.सी.सी. लागू करने का प्रयास वर्णित है। भाजपा को इस सभी बातों को ध्यान में रखकर देश में यू.सी.सी. लागू करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा इसके जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान में नहीं है। इसके लिए जागरूकता और आम सहमति ही श्रेष्ठ है, जिस पर अमल न करके इसकी आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देश हित में नहीं है जो इस समय की जा रही है।

फ्रांसः प्रदर्शनकारी बेकाबू, मेयर के घर में घुसाई कार और आग लगा दी

पैरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद पांच दिनों से भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है

पैरिस, 2 जुलाई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है। पांचवें दिन भी उग्र प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में उत्पात मचाया है। पेरिस के एक उपनगर में मेयर के घर में भीड़ ने जबरन कार घुसा दी, जिसमें मेयर की पत्नी और बच्चे घायल हो गए हैं। दंगाइयों ने मेयर के घर में तोड़फोड़ और आगजनी भी की है।

मेयर विंसेंट जीनब्रून ने रविवार को कहा कि उनके घर पर शनिवार रात प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। एक ट्विटर पोस्ट में उन्होंने कहा, उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों ने उनके घर पर हमला किया है। मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि जब उनका परिवार सो रहा था, तब प्रदर्शनकारियों ने "आग लगाने" से पहले उनके घर में "एक कार घुसा दी" जिसमें "मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा घायल हो गया।" जीनब्रून ने कहा, "यह कायरता और हत्या का प्रयास था।"

आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पांचवीं रात हुए दंगों के दौरान गिरफ्तारियां बढ़कर 719 हो गई हैं। इससे कुछ घंटे पहले मंत्रालय ने 486 गिरफ्तारियों का अस्थायी आंकड़ा दिया था और कहा था कि हिंसा पहले की तुलना में कम होती दिख रही है। उस वक्त रात में लगभग 1,300 लोगों को हिरासत में लिया गया था। अब तक पांच दिनों में कुल 2800 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच, फ्रांस में पुलिस की गोलीबारी में मारे गए किशोर को शनिवार को दफना दिया गया।

देशभर में जारी हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जर्मनी का दौरा रद्द कर दिया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि हिंसा रोकने के लिए देशभर में 45,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंगलवार रात को प्रदर्शन की शुरुआत के बाद से पुलिस ने कुल 2,800 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से आधी से ज्यादा गिरफ्तारियां हिंसा की चौथी रात को हुईं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने शांति की अपील करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को घरों पर ही रखने की अपील की। बावजूद इसके, विभिन्न शहरों में प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और इमारतों में आग लगा दी तथा दुकानों में लूटपाट की।

अधिकारियों के मुताबिक, युवा प्रदर्शनकारियों की पुलिस से रातभर भिड़ंत हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 2,500 दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की।

यूनान में जहाज पलटा, मदद करने नहीं आई कोस्टल गाड्र्स टीम 600 लोगों की मौत

जहाज में सवार लोगों ने फोन करके यूनान की सरकार और मानवतावादी कार्यकर्ताओं से मदद की गुहार लगाई, लेकिन सरकार ने कोई भी तत्परता नहीं दिखाई और नाव डूब गई

- **नाव में सवार होकर लोग यूनान से लोग इटली जा रहे थे, यूनान में तस्करी की घटनायें बहुत ज्यादा होती हैं, तस्कर नाव में लोगों को ठूस-ठूस कर ले जाते हैं, इसलिए यूनान एवं यूरोप के कोस्टल गाड्र्स इनकी कोई मदद नहीं करते हैं।**
- **यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की, लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसेनिक अस्पताल का जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे।**

यूनान, 2 जुलाई (वार्ता)। यूनान में भूमध्य सागर में पिछले महीने ग्रीक तट रक्षकों की उपस्थिति में एक समुद्री त्रासदी में एड्रियाना जहाज पलट गया और 600 से अधिक प्रवासियों की डूबने से मौत हो गई।

तट रक्षक बल के अधिकारियों ने हवा और समुद्र से, रडार, टेलीफोन और रेडियो का उपयोग करते हुए 13 घंटे तक उन्हें देखा और सुना कि प्रवासी जहाज एड्रियाना ने अपनी बिजली खो दी तथा फिर धीरे-धीरे सामने आने वाले यूनान के तट के पास डूब गया।

जहाज पर सवार भयभीत यात्रियों ने मदद के लिए फोन किया तो मानवतावादी कार्यकर्ताओं ने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बचाव दल आ रहा है। हवाई फुटेज में यह दिख रहा है कि यूरोपीय सीमा अधिकारी एक वीरतापूर्ण अभियान के लिए तैयार थे। फिर भी जहाज पलट गया और इस समुद्री त्रासदी में 600 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरें , सीलबंद अदालती दस्तावेज़, जीवित बचे लोगों और अधिकारियों के साथ 20 से अधिक साक्षात्कार और अंतिम घंटों में प्रसारित रेडियो संकेतों से पता चलता है कि इन मौतों को रोका जा सकता था।

यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसेना अस्पताल जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे। यूनानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि एड्रियाना इटली की ओर जा रहा था और प्रवासी बचाने नहीं जाना चाहते थे। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्राप्त सैटेलाइट तस्वीरें और ट्रैकिंग डेटा दिखाते हैं कि जहाज पिछले साढ़े छह घंटों से एक धारा में बह रहा था। जीवित बचे लोगों ने जहाज के ऊपरी डेक पर यात्रियों को मदद के लिए पुकारने और यहां तक कि एक वाणिज्यिक टैंकर पर चढ़ने की कोशिश करने के बारे में बताया जो पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए रुका था। एड्रियाना जहाज पर सवार लगभग 750 यात्री हताश हो गए। जीवित बचे लोगों ने हर क्षण सामने आती मौत के दहशत के बारे में बताया।

एड्रियाना जहाज का डूबना भूमध्य सागर में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध का एक चरम उदाहरण है। उत्तरी अफ्रीका में क्रूर तस्कर घटिया जहाजों पर लोगों को ठूंस-ठूंसकर भर देते हैं और यात्रियों को उम्मीद होती है कि अगर कुछ ग़लत हुआ तो उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाएगा।

यूरोपीय तट रक्षक अक्सर इस डर से बचाव कार्यों को स्थगित कर देते हैं कि मदद करने से तस्करों को कमजोर जहाजों पर और अधिक लोगों को भेजने का साहस मिलेगा। अधिकारियों को एड्रियाना के यात्रियों ने मदद के लिए पुकारा, तो उन्होंने नाव के कप्तान, एक 22 वर्षीय मिस्त्र के व्यक्ति की बात सुनने का फैसला किया, जिसने कहा कि वह इटली जाना चाहता है।

यूनानी समुद्री मामलों के मंत्रालय ने कहा कि वह विस्तृत सवालों का जवाब नहीं देगा क्योंकि जहाज दुर्घटना की आपराधिक जांच चल रही है।

समुद्री मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कई घंटों की निगरानी के बावजूद, एड्रियाना के अंतिम क्षणों के एकमात्र चश्मदीद जीवित बचे लोग और तट रक्षक जहाज पर सवार 13 चालक दल के सदस्य थे, जिन्हें 920 के नाम से जाना जाता है। जहाज का रात्रि दृष्टि कैमरा उस समय बंद कर दिया गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908